THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 252 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.3 2081 बुधवार, 4 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

लापता मैतेई शख्स की सेना के 2000 जवान कर रहे तलाश

इंफाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में लापता मैतेई शख्स की तलाश बड़े पैमाने पर की जा रही है, इसमें सेना के करीब 2000 जवान, शिकारी कुत्ते और ड्रोन की मदद से खोजबीन जारी है। सेना के अनुसार, असम के कछार जिले के मूल निवासी लैशराम कमलबाबू सिंह, जो इंफाल पश्चिम के खुखरुल में रहते थे, 57वें माउंटेन डिवीजन के लेइमाखोंग सैन्य स्टेशन में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज (एमईएस) के साथ काम करने वाले एक ठेकेदार के लिए कार्य पर्यवेक्षक थे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा था कि वह सैन्य स्टेशन से लापता हो गए थे, उन्होंने अधिकारियों से उन्हें खोजने की जिम्मेदारी लेने को कहा था।

तारीख पर तारीख के दिन खत्म : पीएम मोदी

> आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी > भ्रष्टाचार में कार्रवाई की कानूनी अड़चन दूर होगी

चंडीगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार (3 दिसंबर) को चंडीगढ़ के पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) में 3 नए कानूनों को लागू करने की समीक्षा की। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह भी उनके साथ रहे। यहां उन्होंने चंडीगढ़ में लागू किए गए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का डेमो भी देखा।

पहले गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधन में कहा कि नए कानूनों के बाद हमें अंग्रेजों के जमाने के गुलाम क्रिमिनल सिस्टम से छुटकारा मिल गया है। अब तारीख पर तारीख का खेल खत्म हो गया है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब तारीख पर तारीख के दिन लद गए यानी खत्म हो गए हैं। नए कानूनों से आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में आने वाली कानूनी अड़चन दूर होगी। पीएम मोदी ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ देश में 1857 में विद्रोह शुरू हुआ था। उसके बाद 1860 में अंग्रेजों ने आईपीसी बनाई। इन कानूनों का मकसद भारतीय को दंड देना, उन्हें गुलाम बनाना था। कई लोगों के बलिदान के बाद 1947 में देश को आजादी मिली। जब आजादी की सुबह आई तो कैसे-कैसे सपने थे, लोगों में कितना उत्साह था। लोगों ने सोचा था कि अंग्रेज चले गए हैं तो अंग्रेजों के कानूनों से भी मुक्ति मिलेगी।

पीएम मोदी ने तमिलनाडु सीएम स्टालिन से की फोन पर बात, मदद का दिया आश्वासन

चेन्नई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से फोन पर बात की। इस दौरान पीएम ने तमिलनाडु में बाढ़ की स्थिति पर बात की और राज्य को हर तरह की मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि चक्रवाती तूफान फेंगल ने तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी तबाही मचाई है। इसके प्रभाव से पिछले दो-तीनों दिनों में हुई मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। उत्तरी तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में सड़कों और घरों में पानी भर गया है। तिरुवन्नामलाई जिले में एक घर के भूस्खलन की चपेट में आने से पांच बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को इस घटना पर दुख व्यक्त किया और मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री एमकी स्टालिन ने कहा है कि इस प्राकृतिक आपदा से 69 लाख परिवार और 1.5 लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से 2000 करोड़ रुपये जारी करने का अनुरोध किया है।

'भगवा वस्त्र न पहनें, तिलक का प्रदर्शन न हो'

बांग्लादेश में रह रहे पुजारियों को इस्कॉन की सलाह

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने बांग्लादेश में मौजूद संस्था से जुड़े पुजारियों से अपील की है कि वह सार्वजनिक तौर पर भगवा कपड़े न पहनें और न ही तिलक लगाएं। उन्होंने कहा, हमने सलाह दी है कि वह अपनी आस्था का विनम्र ढंग से पालन करें। इस्कॉन कोलकाता की तरफ से यह सलाह ऐसे समय में आई है, जब बांग्लादेश में इस्कॉन के पुजारियों को गिरफ्तार किया गया है और हिंदुओं समेत अल्पसंख्यक समुदाय को बड़े स्तर पर निशाना बनाया गया है।

राधारमण दास ने कहा, बांग्लादेश में स्थिति चिंताजनक है। जो साधु और भक्त हमें फोन कर रहे हैं, हमने उनसे कहा है कि वे इस्कॉन अनुयायी या साधु के रूप में अपनी पहचान सार्वजनिक न करें। हमने उनसे घरों या मंदिरों के अंदर ही अपने धर्म का पालन करने को कहा है। हमने उन्हें सलाह दी है कि वे ऐसे कपड़े पहनें जिनसे अन्य लोगों का ध्यान आकर्षित न हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उपाय अस्थायी है और इसका उद्देश्य केवल उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। दास ने कहा, यह कोई सलाह या सामान्य दिशा-निर्देश नहीं है, बल्कि यह उन साधुओं और भक्तों के लिए मेरा निजी सुझाव है जो पिछले कुछ दिनों से हमें लगातार फोन कर रहे हैं। राधारमण दास ने मंदिरों में तोड़फोड़ और धार्मिक समारोहों पर हमलों की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, हमारे कई भक्तों और उनके परिवारों को धमकियां मिली हैं या उन्हें डराया-धमकाया गया है।

चिन्मय दास की पैरवी करने वाले वकील को मिले सुरक्षा

राधारमण दास ने दावा किया कि चिन्मय कृष्ण दास का बचाव कर रहे वकील रमन रॉय पर बांग्लादेश में उनके घर पर इस्लामवादियों के एक समूह ने हमला किया। उन्होंने कहा कि रॉय पर हमले के बाद चिन्मय कृष्ण दास की पैरवी के लिए कोई और वकील सुरक्षा चिंताओं की वजह से आगे नहीं आया है। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश सरकार से अनुरोध करेंगे कि जो वकील मामले में चिन्मय कृष्ण दास की पैरवी करने के लिए तैयार हो उसे पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

'यूपी गैंगस्टर एक्ट' के तहत एफआईआर के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया है जिसमें उत्तर प्रदेश गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोपपत्र और कार्यवाही को रद्द करने की अपील वाली अर्जी को खारिज कर दिया गया था। मामले में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने दो दिसंबर को याचिकाकर्ता राज खान की तरफ से दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करने की अनुमति दी और दोनों पक्षों को सुनने के बाद मामले को अंतिम बहस के लिए स्थगित कर दिया। वहीं सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल और अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिए याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यूपी गैंगस्टर्स एक्ट के तहत उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी निराधार है और पिछली प्राथमिकी से उपजी है। याचिका में कहा गया है कि यह प्राथमिकी दर्ज करना कानूनी प्रक्रिया का घोर दुरूपयोग है। इसमें तर्क दिया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ गैंगस्टर्स एक्ट लगाना पक्षपातपूर्ण है और यह पुलिस एवं न्यायिक मशीनरी का दुरूपयोग है।

पीएम इंटर्नशिप स्कीम में होगा बदलाव

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की लॉन्चिंग स्थगित कर दी गई है। इस स्कीम की शुरूआत 2 दिसंबर 2024 को होनी थी, लेकिन फिलहाल इसे कैंसिल कर दिया गया है। अब यह योजना कब लॉन्च होगी, इसकी तारीख जल्द ही घोषित कर दी जाएगी। विश्वस्त सूत्रों का कहना है कि, सरकार ज्यादा आवेदकों को रिझाने के लिए इस स्कीम में बदलाव करने जा रही है। सरकार आवेदकों की आयु सीमा बढ़ाने और शैक्षणिक योग्यता में ढील देने पर विचार कर रही है। इस स्कीम के तहत 5 सालों में 1 करोड़ युवाओं के देश की टॉप 500 कंपनियों में पेड इंटर्नशिप दी जानी थी। इसके रजिस्ट्रेशन भी 15 नवंबर तक हुए थे।

इस स्कीम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि, इंटर्नशिप स्कीम को 2 दिसंबर से शुरू किया जाना था मगर इसके लिए उम्मीद के मुताबिक बड़ी संख्या में आवेदन नहीं आए। इसलिए फिलहाल इसे टाल दिया गया है। इस स्कीम के तहत इंटर्नशिप करने वाले युवाओं के पहले बैच को 280 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप दी जानी थी। स्कीम के लॉन्चिंग टलने पर कॉर्पोरेट मंत्रालय का कहना है, अब स्कीम के लॉन्च होने की नई तारीखें तय की जाएंगीं।

'एलएसी पर शांति बहाली के बाद सीमा विवाद सुलझाने पर जोर'

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने भारत-चीन सीमा विवाद पर जानकारी देते हुए कहा कि, एलएसी पर हालात सामान्य है। फिलहाल शांति बहाली की कोशिश जारी है। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि, सीमा पर हालात सुधारने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि, कोई भी पक्ष स्थिति से छेड़छाड़ नहीं करेगा और सहमति से ही सभी मसलों का समाधान किया जाएगा। चीन से बातचीत के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि, सीमा पर हालात सामान्य होने के बाद ही चीन से बातचीत की गई है।

एलएसी पर बहाली के लिए सेना को श्रेय :

विदेश मंत्री ने कहा कि, एलएसी पर बहाली का पूरा श्रेय सेना को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि, कूटनीतिक पहल से सीमा पर हालात सामान्य हुए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सहमति बनी है कि यथास्थिति में एकतरफा बदलाव नहीं किया जाएगा और साथ ही दोनों देशों के बीच पुराने समझौतों का पालन किया जाएगा। सीमा पर शांति के बिना भारत-चीन के संबंध सामान्य नहीं रह सकते।

सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए दशकों तक बातचीत :

लोकसभा में विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने कहा, मैं सदन को भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में हाल के कुछ घटनाक्रमों और हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर उनके प्रभावों से अवगत कराना चाहता हूं। सदन को पता है कि 2020 से हमारे संबंध असामान्य रहे हैं, जब चीनी कार्रवाइयों के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और सौहार्द भंग हुआ था। हाल के घटनाक्रम (जो तब से हमारे निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव को दर्शाते हैं) ने हमारे संबंधों को कुछ सुधार की दिशा में स्थापित किया है। भारत और चीन ने सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दशकों तक बातचीत की है। सीमा विवाद के समाधान के लिए निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य रूपरेखा पर पहुंचने के लिए द्विपक्षीय चर्चा की गई।

सीजेआई ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े मामले से खुद को अलग किया

अन्य पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने उस याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति से हटा देने वाले कानून को चुनौती दी गई है। यह मामला अब एक अलग पीठ को सौंपा गया है और अगली सुनवाई छह जनवरी 2025 को होगी।

मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने याचिकाकर्ताओं के वकील गोपाल शंकरनारायणन और प्रशांत भूषण से कहा कि पहले की पीठ ने इस मामले में अंतरिम आदेश दिए थे। उन्होंने यह भी कहा कि अब इस मामले की सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद एक अलग पीठ द्वारा की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने केंद्र और अन्य संबंधित पक्षों को निर्देश दिया कि वे इस बीच बीच जनहित याचिकाओं पर जवाब दाखिल करें। न्यायमूर्ति खन्ना उस दो न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थे, जिसने मार्च में इन याचिकाओं पर सुनवाई शुरू की थी। तब न्यायमूर्ति खन्ना सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया था और इसके लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद सरकार ने एक विवादास्पद कदम उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त विधेयक पेश किया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश को इस समिति से हटा दिया गया और उनकी जगह एक केंद्रीय मंत्री रखा गया, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा चुना जाएगा। इस कदम का विपक्षी नेताओं और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स जैसे नागरिक समाज समूहों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

गूगल मैप ने फिर दिया धोखा : बरेली में चलती कार नहर में गिरी, 3 लोग थे सवार

बरेली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में गूगल मैप की वजह से एक और सड़क हादसा हो गया। गूगल मैप द्वारा दिखाए रास्ते पर चलते-चलते एक कार नहर में जा गिरी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर दो लोगों को बाहर निकाला। एक शख्स पहले ही बाहर निकल आया था। उसी ने पुलिस को खबर दी। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, कार सवारों को काफी चोटें आई हैं। दरअसल, पूरा मामला बरेली के इज्जत नगर थाना क्षेत्र का है, जहां आज सुबह 6 बजे एक कार कलापुर नहर में गिर गई। कार में सवार तीन लोग पीलीभीत जा रहे थे, तभी बरेली के कस्बा रिठौरा में उनके साथ हादसा हो गया।

संभल हिंसा में विदेशी कारतूस का इस्तेमाल

संभल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा में मंगलवार को पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आया है। फोरेंसिक टीम को यहां के कोट गर्वी मोहल्ले में नालियों से 5 खोखा और 1 मिसफायर कारतूस मिले हैं। ये खोखे पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) में बने हैं।

इन कारतूस को पाकिस्तानी आर्मी इस्तेमाल करती है। एएसपी श्रीश चंद्र ने बताया कि पाकिस्तान ऑर्डिनेंस फैक्ट्री के 9 एमएम के 2 मिसफायर और 1 खोखा बरामद हुआ है। इसके अलावा 12 बोर के 2 खोखे और 32 बोर के 2 खोखे बरामद हुए। एक खोखा विनचेस्टर मेड इन यूएसए का है। 19 नवंबर को हिंदू पक्ष ने चंदौसी कोर्ट में दावा किया था कि शाही जामा मस्जिद हरिहर मंदिर है। मामला कोर्ट में पहुंचा। अदालत के आदेश के बाद 24 नवंबर को मस्जिद के सर्वे के दौरान हजारों की भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी और फायरिंग कर दी। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए।

ओम बिरला की सांसदों को दो टूक

अगर ऐसे ही टलती रही कार्यवाही तो रविवार को भी बुलाया जाएगा सदन

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के सातवें दिन यानी मंगलवार को भी हंगामा जारी रहा। इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी दी कि अगर स्थगन के कारण सदन की कार्यवाही ऐसी ही बाधित होती रही तो शनिवार और रविवार को भी सदन बुलाया जाएगा।

सरकार और विपक्षी दल एक समझौते पर पहुंचे

सरकार और विपक्षी दलों ने सोमवार को संसद में एक सप्ताह से चल रहे गतिरोध को तोड़ने के लिए एक समझौते पर पहुंच गए, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा में संविधान के 75वें वर्ष को अपनाने के अवसर पर चर्चा के लिए तारीखों की घोषणा की गई थी।

इस दिन संविधान पर होगी चर्चा :

निचला सदन लोकसभा 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा करेगा, जबकि उच्च सदन राज्यसभा 16 और 17 दिसंबर को संविधान पर चर्चा करेगा। प्रश्नकाल के तुरंत बाद लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, शनिवार यानी 14 दिसंबर को सदन की बैठक सुबह 11 बजे होगी। यदि आप स्थगन जारी रखते हैं, तो जितने दिन इसे स्थगित किया गया है, आपको शनिवार और रविवार को भी कार्यवाही में शामिल होना होगा।

इन मुद्दों के कारण नहीं चल पा रही सदन

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि उन्होंने आज किसी भी स्थगन नोटिस की सूचना देने की अनुमति नहीं दी है। अदाणी विवाद, उत्तर प्रदेश के संभल में हाल की हिंसा और अन्य मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण पिछले सप्ताह लोकसभा की कार्यवाही नहीं चल सकी है।

पप्पू यादव को धमकी देने वाले ने उगला ऐसा राज कि फंस गए खुद सांसद

धमकाने वाला जाप का पुराना कैडर

पूर्णिया, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस में जाते-जाते निर्दलीय रहने के बाद पूर्णिया की जनता ने जिस नेता पर भरोसा जताया, वह टूटता नजर आ रहा है। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को वीडियो मैसेज पर पांच-छह दिन जिंदा रहने का अल्टीमेटम देने वाला शख्स खुद उनकी पुरानी पार्टी- जन अधिकार पार्टी का पुराना समर्थक बताया जा रहा है। यह कोई और नहीं, पुलिस बता रही है। वीडियो भेजने वाले शख्स तक आईटी-इंटेलिजेंस से पहुंची पुलिस टीम के सामने उस शख्स ने खुलासा किया है कि इस पूरे कांड के लिए उसे दो लाख रुपये मिलने थे। क्यों? का जवाब उसने दिया है- ताकि, सांसद की सुरक्षा बढ़ाई जा सके।

सांसद की पुरानी पार्टी का नेता निकला राम बाबू :

पूर्णिया एसपी कार्तिकेश शर्मा ने मंगलवार दोपहर बताया कि सांसद पप्पू यादव को वीडियो भेजकर जान से मारने की धमकी देने वाले राम बाबू राय ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पूछताछ के दौरान राम बाबू राय ने बताया कि वह आरा में निर्दलीय सांसद की पुरानी पार्टी (जाप) का नेता भी है। सांसद की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया था। सांसद के समर्थकों ने राम बाबू से कॉन्टेक्ट कर सांसद को धमकी देने वाला वीडियो बनवाया था।

ऐसा करने के बदले दो लाख रुपये मिलते :

पूर्णिया एसपी ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में राम बाबू ने बताया महीने भर पहले सांसद के करीबी समर्थक ने कॉल कर धमकी भरा वीडियो बनाने को कहा था और बताया था कि सांसद को 'जेड' सिक्योरिटी की सुरक्षा दिलानी है। इसलिए ऐसा करना जरूरी है। इसके बदले उसे दो लाख रुपये मिलने थे। पार्टी में बड़ा पद देने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। एडवांस के रूप में उसे दो हजार रुपये भी दिए गए थे। उसने दो वीडियो बनाया गया था। एक वीडियो इशारा मिलते ही सांसद के नंबर पर भेजा था। 3

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश सेक्सुअल हैरेसमेंट पर राज्य कंप्लेंट कमेटी बनाएं

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच का निर्देश गोवा यूनिवर्सिटी के पूर्व विभागाध्यक्ष ऑरेलियानो फर्नांडीस की याचिका पर आया।

उन्होंने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट ने मई 2023 को केंद्र और राज्य सरकारों को ये वेरिफाई करने को कहा गया था कि क्या वर्कप्लेस पर सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों की जांच के लिए सभी मंत्रालयों और विभागों में पैनल गठित किए गए हैं या नहीं। इसके साथ ही फर्नांडीस ने उन पर लगे सेक्शुअल हैरेसमेंट के आरोपों पर बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा, प्रिवेंशन ऑफ सेक्शुअल हैरेसमेंट एक्ट (पीओएसएच) 2013 में आया था। इतने वक्त बाद भी इसे लागू करने में इतनी गंभीर खामियां मिलना चिंताजनक है। ऐसा होना बहुत ही ज्यादा दुखद है। क्योंकि इसका राज्यों की कार्यशैली, पब्लिक अथॉरिटी और पब्लिक संस्थानों पर खराब असर पड़ता है।

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं-दिव्यांगों का सशक्तिकरण समाज की जिम्मेदारी

नजरिए को बदलने की जरूरत

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को दिव्यांगों के लिए सहानुभूति, समावेशिता और समान अवसरों की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि उनका सशक्तिकरण समाज और सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में दिव्यांगों के कल्याण के लिए काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित किया। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांगों को लेकर नजरिए में बदलाव की जरूरत है।

मुर्मू ने कहा, उन्हें दया नहीं, सहानुभूति चाहिए। उन्हें खास ध्यान नहीं, बल्कि स्वाभाविक प्यार चाहिए। राष्ट्रपति ने समाज से आग्रह करते हुए कहा, हम एक ऐसी दुनिया बनाएं, जो दिव्यांगजनों को बराबरी और इज्जत दे। उन्होंने यह भी कहा कि दिव्यांग होना कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक विशेष परिस्थिति है, जिसके लिए अलग तरह के समर्थन की जरूरत होती है। राष्ट्रपति ने कहा, उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए खास प्रशिक्षण, सलाह और सुविधाएं दी जानी चाहिए। सरकार उनके भले के लिए काम कर रही है। समाज को भी उनकी भागीदारी को महत्व देना चाहिए। उन्होंने दिव्यांगों की विभिन्न क्षेत्रों में अद्वितीय उपलब्धियों की भी सराहना की, खासकर खेलों में। मुर्मू ने कहा, 2012 के पैरालिंपिक में भारत ने केवल एक पदक जीता था। जबकि 2024 में दिव्यांगों के प्रति जागरूकता और समर्थन के कारण हमारे खिलाड़ियों ने 29 पदक जीते। यह प्रगति हमारी दिव्यांगों के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता और उनके सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

आतंकियों के मददगार दो महिलाएं पीएसए में गिरफ्तार, आतंकी जुनैद भट हुआ ढेर

श्रीनगर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हाल ही में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है, जिन्हें आतंकवादियों की सहायता करने का आरोप है।

एसएसपी आमोद अशोक नागपुरे ने जानकारी दी कि यह गिरफ्तारी 11 सितंबर को काउंटर टेरर ऑपरेशन के बाद की गई, जिसमें दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए थे। नागपुरे ने कहा हमने कुछ स्थानीय लोगों की पहचान की है जो आतंकवादियों को सहायता प्रदान कर रहे थे। इस मामले में अब तक दो लोगों को यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) के तहत गिरफ्तार किया गया है, और तीन लोगों को पीएसए (पब्लिक सेफ्टी एक्ट) के तहत हिरासत में लिया गया है। इन गिरफ्तारियों में आज दो महिलाएं अर्शो बेगम और मरियम बेगम शामिल हैं, जिनके खिलाफ पीएसए के तहत कार्रवाई की गई है।

सीआरपीएफ में लागू होगा अंग्रेजों वाला भेदभाव

एक ही समारोह के लिए अलग-अलग ड्रेस का प्रपोजल

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ' में, एक प्रपोजल चर्चा का विषय बना हुआ है। मौजूदा समय में बल के विभिन्न समारोह के दौरान जो ड्रेस कोड निर्धारित है, अब उसे बदलने की तैयारी हो रही है। निचले रैंक वाले कार्मिक 'ओआर' कहते हैं, ये तो अंग्रेजों के शासनकाल जैसी भेदभावपूर्ण व्यवस्था को लागू करने का प्रयास है। क्या ड्रेस कोड बदलने के पीछे, 'दूर से पहचाने जाएं', यही मकसद है।

पीटी ड्रेस, मार्का रोल कॉल, रेजिमेंटल समारोह, बड़ा खाना और एथलेटिक मीट के लिए नए ड्रेस कोड का प्रपोजल तैयार किया गया है। इस बाबत गत माह, डीजी को प्रेजेंटेशन दिया गया है। बल की सभी इकाइयों को पांच दिसंबर तक उक्त प्रपोजल भेजा जा रहा है। सभी सेक्टर, दस दिसंबर तक बल की ट्रेनिंग शाखा को उक्त प्रपोजल पर अनिवार्य तौर से अपनी राय देंगे।

बता दें कि इस साल जुलाई में बल के महानिदेशक ने सूबेदार मेजर रैंक में शामिल कार्मिकों के साथ 'संवाद' आयोजित किया था। उसी दौरान एक सबऑर्डिनेट अफसर की तरफ से यह सुझाव आया कि 'बड़ा खाना', पीटी, एथलेटिक मीट और रेजिमेंट समारोह के दौरान विभिन्न रैंकों की ड्रेस में बदलाव होना चाहिए। इस संबंध में प्रपोजल तैयार करने के लिए एडीजी ट्रेनिंग दीपक कुमार की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई। इस कमेटी में आईजी आरके शर्मा, डीआईजी राकेश सेठी, सुधांशु सिंह, कमांडेंट ममता सिंह, टूआईसी नरेंद्र यादव व डीसी रमेश कुमार सहित दस सदस्य शामिल किए गए। ड्रेस कोड बदलने के लिए बल को अतिरिक्त तौर पर कोई खर्चा नहीं करना पड़ेगा। वजह, पहले से ही अन्य रैंक 'ओआर' और 'एसओ' को प्रतिवर्ष ड्रेस के लिए 12500 रुपये भत्ता मिलता है। राजपत्रित अधिकारियों के लिए यह राशि 25000 रुपये प्रतिवर्ष है।

मनरेगा को लेकर शिवराज सिंह चौहान और कल्याण बनर्जी भिड़े

> मंत्री बोले-टीएमसी ने अपात्रों को दिया लाभ

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह पर लगे आरोपों और संभल हिंसा समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर संसद के शीतकालीन सत्र का पहला हफ्ता हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। हालांकि, मंगलवार को सातवें दिन कार्यवाही हुई। इस दौरान, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी' (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा 'अपात्र' लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया गया है।

पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहाः कल्याण बनर्जी

मनरेगा पर एक सवाल के दौरान पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भिड़ गए। दरअसल कल्याण बनर्जी ने अपने सवाल में आरोप लगाया कि 2022-23 में बंगाल को केंद्र की तरफ से कोई पैसा नहीं मिला। बनर्जी ने कहा कि केंद्र दलील दे रही है कि इस योजना में गैरकानूनी काम हुए हैं, क्या गैरकानूनी काम हुए हैं? बनर्जी के सवाल का जवाब देने के लिए उठे शिवराज चौहान ने कहा कि मनरेगा की राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति के लिए होती है। अगर ये राशि निश्चित उद्देश्य की पूर्ति में नहीं जा सकती है तो इसे रोका जा सकता है।

धन के आवंटन की कमी की बात गलत : पेम्मासानी

उनके जवाब के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने टोकाटोकी की। मनरेगा से जुड़े कुछ पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि धन के आवंटन की कमी की बात गलत है तथा मानदेय कम होने की बात भी गलत है क्योंकि इसका निर्धारण महंगाई से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा के बजट में हर साल 10-20 हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई।

अबुआ आवास योजना में मनरेगा का फंड जाने का आरोप

मनरेगा के तहत वेतन बांटने की चर्चा के दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, 'मनरेगा निधियां श्रम घटक के आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना में जाती हैं और मेरे विचार से शायद भारत सरकार ने इसकी अनुमति दी है। क्या मनरेगा का फंड राज्य सरकार की योजना अबुआ आवास योजना में जाता है, क्या श्रम घटक में इसकी अनुमति है? यदि इसकी अनुमति नहीं है, तो आपने क्या कार्रवाई की है? मैं मंत्री (शिवराज सिंह चौहान) से यह पूछना चाहता हूं।' केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'मनरेगा का पैसा मजदूरों को मजदूरी देने के लिए है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी उस परिवार के सदस्य को मजदूरी दी जा सकती है, जिसका घर बन रहा है। अगर यह पैसा अबुआ आवास योजना में जाता है, तो हम इसकी जांच करेंगे और अगर इसका दुरुपयोग किया गया है, तो हम इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।'

शिवराज चौहान बोले-बंगाल में पात्र लोगों को अपात्र बनाया

मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ निश्चित लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध पश्चिम बंगाल में किया गया। उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल सरकार ने बड़े कामों को छोटा करके कुछ खास लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया है। इस योजना के तहत अपात्र लोगों को पात्र बनाया गया और पात्र लोगों को अपात्र बनाया गया, यह साबित हो चुका है। ग्रामीण विकास योजनाओं के नाम बदले गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना का नाम बदलकर अपना नाम रखने का अपराध किया है। इसी योजना के तहत भी अपात्र लोगों को लाभ दिया गया और पात्र लोगों को छोड़ दिया गया। यह राशि दुरुपयोग के लिए नहीं है, यह अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार ने इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। जैसा कि पीएम मोदी ने कहा है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', लेकिन हम राशि का दुरुपयोग नहीं होने देंगे। मोदी जी कहते हैं कि न खाऊंगा, न खाने दूंगा।'

आप सांसद संजय सिंह ने बस मार्शलों का मुद्दा उठाने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के 10,792 मार्शलों की नौकरी का मुद्दा संसद तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने इस मुद्दे को शून्यकाल में उठाने की अनुमति मांगी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा के अवरोध के कारण इन बस मार्शलों को नौकरी नहीं मिल पा रही है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार ने बस मार्शलों को बहाल और नियमित करने की योजना तैयार करने का प्रस्ताव एलजी को भेजा है, पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संजय सिंह ने कहा है कि बस मार्शलों के कारण महिलाओं की सुरक्षा की जा रही थी। बस मार्शलों के हटने से सुरक्षा का मुद्दा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि बस मार्शलों ने कोरोना काल में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों सेवा की, लेकिन उनके इस योगदान की भी अनदेखी की जा रही है। चुनाव के बीच यह मुद्दा गरमाने से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो सकता है। राज्यसभा के जेनरल सेक्रेटरी को भेजे गए नोटिस में संजय सिंह ने कहा है कि बस मार्शलों की नौकरी जाने से लगभग 11 हजार परिवारों की जिंदगी प्रभावित हो रही है। संजय सिंह ने कहा कि आज बस मार्शलों की बर्खास्तगी ने महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को गंभीर खतरे में डाल दिया है और लगभग 11,000 परिवारों को आर्थिक संकट में धकेल दिया है। यही कारण है कि वे इस मुद्दे को सदन में उठाना चाहते हैं।

केजरीवाल ने मनीष हत्याकांड का जिक्र कर सुरक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को शालीमार बाग की झुग्गी में लोगों के बीच पहुंचे। वह यहां कुछ दिन पहले एक वारदात में मारे गए मनीष के परिजनों से मिले। उन्होंने घटना का जिक्र करते हुए दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर निशाना साधा। केजरीवाल ने कहा कि यहां सभी लोग बुरी तरह से दहशत में हैं। पुलिस पीड़ित परिवार और लोगों को धमकियां दे रही है। कातिल खुले आम घूम रहे हैं और सबको धमका रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा, अगर दिल्ली की कानून व्यवस्था संभल नहीं रही है तो जिम्मेदारी छोड़ दीजिए।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने दी जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की जानकारी

कहा-यह जरूरत पर आधारित योजना

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि धन की कमी के कारण कोई भी महिला योजना से वंचित नहीं रहेगी। यह जरूरत पर आधारित कार्यक्रम है। इसमें बजट कोई मुद्दा नहीं है। वे प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। जेपी नड्डा ने कहा कि जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थान में सभी गर्भवती महिलाओं को सिजेरियन समेत मुफ्त प्रसव की सुविधा मिलती है। केरल की तुलना महाराष्ट्र से न की जाए, क्योंकि दोनों राज्यों की जनसंख्या में बड़ा अंतर है। योजना के तहत लाभ पाने वाली हर मां का ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि धन की कमी के कारण कोई भी मां योजना से वंचित नहीं रहेगी। केरल में भी यह जरूरत पर आधारित है। केरल में भी हर गर्भवती का मुफ्त प्रसव होगा। उन्होंने कहा कि हर गर्भवती की प्रसव पूर्व जांच उसके गर्भधारण करने से पहले से शुरू हो जाती है। साथ ही उसको सारे टीके लगाए जाते हैं। हर महीने की नौ तारीख को सभी जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच करती हैं। आशा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे उच्च जोखिम वाले रोगियों का इलाज करें क्योंकि उन्हें अधिक जांच की आवश्यकता होती है।

साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि प्रसव अस्पताल में ही हो। जब प्रसव होता है, अगर यह सी-सेक्शन है, तो अस्पताल में सात दिनों तक रहना निःशुल्क होता है। अगर बच्चे के साथ कोई जटिलता है, तो बच्चे के साथ 10 दिनों तक रहना होता है। उन्होंने कहा कि मां को अस्पताल ले जाने और प्रसव के बाद उसे वापस घर छोड़ने के लिए सरकार द्वारा परिवहन सुविधा दी जाती है। सरकार योजना में हर गर्भवती को लाभ दे रही है।

संसद में उठा आलू की कीमतों का मुद्दा : बंगाल-झारखंड के विवाद ने पकड़ा तूल, हड़ताल पर गए व्यापारी

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में आज आलू की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठा। झारखंड के हजारीबाग से सांसद मनीष जायसवाल ने यह मुद्दा उठाया और कहा कि झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच विवाद का असर गरीब जनता पर पड़ रहा है। सांसद ने केंद्र सरकार से अपील की है कि वे इस मामले में दखल दें। वहीं बंगाल में राज्य सरकार और आलू व्यापारियों के बीच बात बिगड़ गई है, जिसके बाद आलू व्यापारियों ने हड़ताल जारी रखने का फैसला किया है।

दरअसल पश्चिम बंगाल की सरकार ने स्थानीय बाजार में आलू की कीमतों को कम रखने के लिए, राज्य के आलू व्यापारियों को दूसरे राज्यों में आलू भेजने पर रोक लगा दी है। इसके चलते झारखंड में आलू की कीमतों में इजाफा हो गया है। दरअसल झारखंड में आलू की आवक पश्चिम बंगाल से होती है, लेकिन बंगाल सरकार के फैसले के चलते गरीब जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बंगाल के आलू व्यापारी हड़ताल पर गए

वहीं बंगाल सरकार द्वारा दूसरे राज्यों को आलू बेचने पर रोक से बंगाल के आलू व्यापारी नाराज हैं। आलू व्यापारियों का कहना है कि सरकार के आदेश से उन्हें नुकसान उठाना पड़ रहा है। मंगलवार को इस मुद्दे पर आलू व्यापारियों और बंगाल के कृषि मंत्री बेचाराम मन्ना के बीच बैठक हुई, लेकिन इस बैठक में सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद बंगाल के आलू व्यापारियों ने हड़ताल का एलान कर दिया है। व्यापारियों की हड़ताल से डर है कि अब बंगाल में भी और देश के अन्य राज्यों में भी आलू की कीमतें आसमान छू सकती हैं।

त्रिपुरा में हमले के बाद बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अगरतला में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास पर प्रदर्शनकारियों के हमले के एक दिन बाद दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया 'सुरक्षा बढ़ा दी गई है और उच्चायोग के चारों ओर अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि इसके परिसर के आसपास कोई भीड़ नहीं जुटे।'

अगरतला में वाणिज्य दूतावास पर हमले पर विदेश मंत्रालय ने जताया दुख

संसद का शीतकालीन सत्र जारी है, इसलिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 मध्य दिल्ली में लागू है। धारा 163 के तहत पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक है। बांग्लादेश में हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के साथ-साथ हिंदू समुदाय पर हमलों के विरोध में देश के लोगों में भारी गुस्सा है। सोमवार को त्रिपुरा की

पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई

राजधानी अगरतला में हजारों लोगों ने 'बांग्लादेशी मिशन' के पास बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास में घुसकर तोड़फोड़ की। विदेश मंत्रालय ने इस घटना पर दुख जताया और इसे खेदजनक बताया। बांग्लादेश उच्चायोग ने अगरतला स्थित अपने मिशन में की सुरक्षा के उल्लंघन पर विरोध दर्ज कराया है। राज्य सरकार ने भी वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में चार पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की है। इस घटना में शामिल सात लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। पश्चिम त्रिपुरा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने बताया कि कथित लापरवाही के लिए तीन उपनिरीक्षकों को निलंबित कर दिया गया है और एक पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को पुलिस मुख्यालय में रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया है। घटना को लेकर न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स (एनसीसी) पुलिस स्टेशन में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया गया है। एसपी ने बताया कि घटना के बाद वाणिज्य दूतावास में सुरक्षा बढ़ा दी गई तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) के जवानों को तैनात किया गया। वाणिज्य दूतावास की सुरक्षा में चूक की घटना सोमवार को उस समय हुई जब हिंदू संघर्ष समिति के कार्यकर्ता, हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी घटना पर नाराजगी जाहिर की है और कहा कि 'लोगों को शांतिपूर्ण विरोध की अनुमति दी जा सकती है लेकिन इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है।'

सीएम के नाम पर 11 दिन से चल रही है आंखमिचौली

कहा-चूहे बिल्ली का खेल चल रहा

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति को शानदार जीत मिली। हालांकि परिणाम सामने आने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी अब तक राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा यह तय नहीं हो पाया है। चर्चा है कि राज्य में नई सरकार का गठन पांच दिसंबर को होने वाला है, लेकिन सीएम के नाम का ही अता-पता नहीं है। मगर, अब यह लगभग तय है कि सीएम पद भाजपा के हिस्से आने वाला है, लेकिन नाम पर सस्पेंस बरकरार है। वहीं, विपक्ष लगातार इस को लेकर कटाक्ष कर रहा है। उसका कहना है कि महाराष्ट्र में चूहे बिल्ली का खेल चल रहा है।

230 सीट से जीती थी महायुति

महाराष्ट्र में भाजपा 132 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी जबकि शिवसेना ने 57 और एनसीपी ने 41 सीट जीतीं।

महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर झामुमो नेता मनोज पांडे ने कहा, 'यह समझ से परे है कि खुद को सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली पार्टी एक नेता का चुनाव नहीं कर पा रही है? किसे मुख्यमंत्री बनाएंगे ये पता ही नहीं है। यह उनकी संगठनात्मक कमजोरी है। वर्तमान मुख्यमंत्री आए दिन गायब हो जाते हैं। वहां(महाराष्ट्र) चूहे बिल्ली का खेल चल रहा है। वे (महायुति) नेतृत्व विहीन हैं।'

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, 'हम एक बात समझ सकते हैं-अगर सरकार पूर्ण बहुमत के साथ नहीं होती है, तो संख्या लानी होगी। लेकिन यहां उन्होंने दो तिहाई से अधिक बहुमत दर्ज किया। फिर वे किस पर काम कर रहे हैं? जिस व्यक्ति ने बालासाहेब ठाकरे द्वारा बनाई गई पार्टी को धोखा दिया, जिसने उसे तोड़ दिया, वह सीएम बनने के लिए बेताब है। देखते हैं कौन सीएम बनता है।

एएसआई ने किया पत्नी-साली का मर्डर

भोपाल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल के ऐशबाग इलाके में एएसआई ने पत्नी और साली की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वह घर के काम करने आई मेड को धक्का देकर अंदर घुसा और दोनों पर वार किए। फिर मौके से फरार हो गया। घरेलू काम करने वाली बाई ने पुलिस को सूचना दी। आरोपी के घर से निकलकर जाते हुए सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। मौके पर एफएसएल टीम के साथ पुलिस के स्निफर डॉग भी पहुंचे हैं। डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि विनीता मरावी अपनी बहन मेघा उइके के साथ किराए के फ्लैट में रहती थी। विनीता का अपने पति योगेश मरावी से पिछले पांच-छह साल से विवाद चल रहा था। योगेश मंडला जिले में एएसआई के पद पर है। दोनों महिलाओं की उम्र 30 और 35 साल है।

राज्यसभा में तेल क्षेत्र संशोधन विधेयक पारित

पेट्रोलियम और गैस सेक्टर में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में मंगलवार को तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 को पारित किया गया। इस विधेयक के पारित होने के बाद तेल और गैस क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलेगा। साथ पेट्रोलियम संचालन अब खनन कार्य से अलग हो जाएगा। इस विधेयक को अगस्त में राज्यसभा में पेश किया गया था। विधेयक पर बहस के दौरान केंद्रीय तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि तेल और गैस क्षेत्र में अधिक निवेश और लंबी अवधि शामिल है। हमें अगले 20 साल तक तेल और गैस क्षेत्र की आवश्यकता है। हमें न केवल अपने ऑपरेटरों बल्कि विदेशी निवेशकों को भी जीत का विश्वास दिलाने की जरूरत है। इसलिए इस विधेयक को लाया गया है।

ताकि वे यहां आकर अपना व्यापार कर सकें और सभी को लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि विधेयक में नीति स्थिरता, विवाद समाधान और बुनियादी ढांचे को साझा करने समेत कई नए प्रावधान किए गए हैं। साथ ही विधेयक में कुछ प्रावधानों को अपराधमुक्त किया गया है। इसमें दंड, न्यायाधिकरण द्वारा निर्णय और न्यायाधिकरण के आदेश के विरुद्ध अपील को शामिल किया गया है। इसके अलावा विधेयक में पेट्रोलियम लीज शुरू करने का प्रस्ताव है और खनिज तेलों की परिभाषा भी बदली गई है। इसमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम, कंडेनसेट, कोल बेड मीथेन, ऑयल शेल, शेल गैस, शेल ऑयल, टाइट गैस, टाइट ऑयल और गैस हाइड्रेट को शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात पर निर्भरता कम करना है।

खबरें जरा हटके

नोटों के इतने बंडल संग दिखी लड़की, कमेंट में भीख मांगने लगे लोग, देने लगे अपना-अपना अकाउंट नंबर!

पैसा कमाने के लिए लोग दिन-रात मेहनत करते हैं. कुछ लोग पढ़ाई-लिखाई कर ईमानदारी से मेहनत करते हैं, तो कुछ लोग गलत काम करके फटाफट पैसा कमाना चाहते हैं. लेकिन हर किसी को ढेर सारा पैसा नसीब नहीं होता. छोटी-छोटी चीजों के लिए लोगों को दूसरों पर आश्रित होना पड़ता है. कई बार किसी काम के लिए दोस्तों और रिश्तेदारों से भी मदद मांगनी पड़ती है. लेकिन कुछ लोगों की किस्मत बहुत अच्छी होती है. ऐसे में वो अक्सर अपने पैसों की गर्मी दिखाते नजर आ जाते हैं. सोशल मीडिया पर एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में नजर आ रही लड़की ढेर सारे नोटों के बंडल के साथ नजर आ रही है. ऐसे में कमेंट में लोग भीख मांगते नजर आ रहे हैं, साथ ही अपना बैंक अकाउंट नंबर भी देने से बाज नहीं आए.

वायरल हो रहे इस वीडियो में नजर आ रही ये लड़की है कौन? अगर आपके जेहन में भी यह सवाल उठ रहा है, तो बता दें कि इस महिला का नाम अनस्तासिया बालवानोविच है. अनास्तासिया एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर हैं, जिन्हें इंस्टाग्राम पर 60 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. उन्होंने अपने इस वीडियो को खुद शेयर किया है. इस वीडियो में आप देख सकते हैं ग्लैमरस अंदाज में अनस्तासिया नजर आ रही हैं. उनके सामने टेबल पर नोटों के बंडल रखे हुए हैं. वो भी खुले छत पर, जहां तेज हवा चल रही है. कई नोट जमीन पर भी गिरे हुए हैं. ऐसा लगता है कि अनस्तासिया को इन पैसों की कोई कद्र नहीं. वे कभी नोटों की गड्डी से खुद हवा दे रही हैं, तो काला चश्मा और खुले बालों में पोज मार रही हैं.

'आपके मरने की तारीख है ...' मौत की 'भविष्यवाणी' करता है ऐप, डाउनलोड करते ही शुरू हो जाती है डेथ क्लॉक!

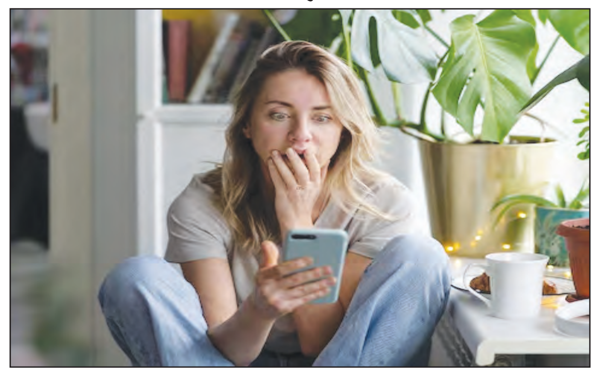

दुनिया पहले से अब काफी बदल चुकी है. पहले जहां हम ज्यादातर चीज़ों के लिए इंसानों पर निर्भर करते थे, वहीं अब ये सारी चीज़ें मशीनों और ऐप्लिकेशन पर डिपेंड हो चुकी हैं. यहां तक कि हम कुंडली बनाने और अपने जीवन में आगे क्या होगा, ये भी सॉफ्टवेयर और ऐप्लिकेशन के ज़रिये ही जान लेते हैं. इसमें जो सबसे अहम भूमिका निभा रहा है, वो है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस. अब तक आपने देखा होगा कि भविष्य बताने वाले ज्यातिषी ही हमारे आने वाले जीवन और मृत्यु के बारे में जानकारी देते हैं. हालांकि अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़रिये भी इंसान के मरने सटीक भविष्यवाणी की जा रही है. लाखों लोग इस ऐप का इस्तेमाल भी कर रहे हैं, जो डाउनलोड होते ही बताने लगता है कि आपकी ज़िंदगी के कितने दिन बाकी बचे हुए हैं.

'मरने की तारीख' बता देता है ऐप

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक डेथ क्लॉक वो ऐप है, जो लोगों को उनकी मौत की तारीख बता देता है. इस ऐप को साल 2006 में बनाया गया था और ये काफी सटीक भविष्यवाणी करता है. इसमें रजिस्टर करने के बाद अगर किसी को अपनी मौत की तारीख पता करनी है, तो उसे कुछ सवालों के जवाब देने होंगे, जिसके हिसाब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपके वर्तमान और भविष्य के बारे में बताएगा. इसमें आपको अपना नाम, जेंडर और कुछ सामान्य सवालों के जवाब देने होंगे. ऐप में आपके परिवार के सदस्यों की भी शारीरिक और मानसिक सेहत के बारे में पूछा जाएगा. ये सब कुछ जानने के बाद ऐप यूज़र के मरने की तारीख बताएगा और आपकी डेथ क्लॉक उसी दिन से शुरू हो जाएगी.

बीच सड़क पर सोने के गहने रख गई लड़की, आधे घंटे तक यूं ही पड़े रहे, पर किसी ने नहीं लगाया हाथ!

सोशल मीडिया और इंटनेट के ज़माने में हमें एक से बढ़कर एक चीज़ें देखने और एक्सपीरियंस करने को मिल जाती हैं. कई बार हम ऐसी-ऐसी चीज़ें देख लेते हैं, जिनकी हमें कल्पना भी नहीं होती. मसलन क्या आप सोच सकते हैं कि कोई ऐसी भी जगह होगी, जहां पर कोई लावारिस पड़े सोने के गहनों को हाथ तक न लगाए. कुछ ऐसा ही हो रहा है इस वीडियो में. इंटरनेट पर अटेंशन बटोर रहे इस वीडियो में लड़की इस अपने सोने के गहनों को उतारकर सड़क पर खड़ी एक गाड़ी पर रख देती है. इसके बाद वो वहां से चली जाती है और आधे घंटे बाद लौटती है. उसे यकीन ही नहीं होता कि इन गहनों को कोई हाथ भी नहीं लगाता है. है ना अजीब बात, लेकिन ये होता है यूएई के शहर दुबई में.

आप भी देखिए ये वीडियो. वायरल हो रहे वीडियो में देखा सकता है कि एक लड़की ने अपने चमचमाते हुए शुद्ध सोने के गहनों को सड़क पर खड़ी एक कार पर उतारकर रख दिया. गहने रखकर लड़की सामने के ही एक स्टोर में जाकर छिप गई. वो वहां पर करीब आधे घंटे तक रही और लोग सड़क से आते-जाते रहे पर किसी ने गहनों को हाथ तक नहीं लगाया. बल्कि बीच में उसमें से कोई गहना नीचे गिर गया तो वहां से जा रही लड़की ने उसे उठाकर ऊपर रख दिया. एक्सपेरिमेंट कर रही लड़की ये सब देखकर हैरान रह गई. ये वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अकाउंट से शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर किए 24 घंटे भी नहीं हुए हैं और इसे अब तक करीब 80 लाख लोग देख चुके हैं, जबकि करीब 5 लाख लोगों ने पसंद कर लिया है. वीडियो पर लोगों ने दिलचस्प कमेंट भी किए हैं. एक यूज़र ने लिखा- अगर किसी ने छुआ होता, तो उनका हाथ कट जाता ना! वहीं एक अन्य यूज़र ने लिखा- भारत में इसे गायब होने में कुछ ही सेकंड लगते.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: जिन्दगी का सबसे खूबसूरत एहसास है किसी की खुशी का कारण बनना!

मुख्यमंत्री ने जीएचएमसी में 5,827 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। "प्रजा पालना विजयोत्सवम" समारोह के हिस्से के रूप में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकार क्षेत्र के तहत 5,827 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का वर्चुअल उद्घाटन किया। विकास कार्यों में हैदराबाद सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड ट्रांसपोर्टेशन इनिशिएटिव (एचसीआईटीआई) फेज-1 के तहत 3,446 करोड़ रुपये की लागत से आधारशिला रखना, 150 करोड़ रुपये की लागत से सड़कों और शहर के जंक्शनों का सौंदर्यीकरण, जल जमाव को रोकने के लिए 17 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से तूफानी जल निकासी और बाढ़ के पानी के प्रबंधन पहलों का शुभारंभ, 669 करोड़ रुपये की लागत से हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा निर्मित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन, आसपास के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बढ़ाने के लिए 45 करोड़ रुपये के निवेश से आउटर रिंग रोड के आसपास 19 जलाशयों का निर्माण और हैदराबाद रोड्स एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचआरडीसीएल) के तहत सड़क विकास के लिए 1500 करोड़ रुपये के पैकेज की घोषणा शामिल है। मुख्यमंत्री ने लंबित सड़क निर्माण परियोजनाओं को मंजूरी देने की आधारशिला भी रखी और ऑनलाइन बिल्डिंग और लेआउट अनुमोदन के लिए एक नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एकीकृत सॉफ्टवेयर का अनावरण किया। यह प्रणाली फरवरी 2025 में शुरू हो जाएगी, जिससे शहरी परियोजनाओं के लिए अनुमोदन प्रक्रिया सरल हो जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि इन पहलों का उद्देश्य बुनियादी ढांचे की कमी, बाढ़ के पानी के प्रबंधन और कुशल शहरी नियोजन सहित प्रमुख शहरी चुनौतियों का समाधान करना है, साथ ही हैदराबाद की स्थिति को एक अग्रणी वैश्विक शहर के रूप में मजबूत करना है।

हैदराबाद को न्यूयॉर्क जैसे वैश्विक शहरों के बराबर विकसित किया जाएगा : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बताया कि राज्य सरकार हैदराबाद को वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने और इसे न्यूयॉर्क जैसे शहरों के बराबर लाने के लिए काम कर रही है। मंगलवार को यहां 'प्रजा पालना विजयोत्सवलु' के तहत आयोजित 'हैदराबाद राइजिंग' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद के विकास के लिए कार्ययोजना तैयार करने की जरूरत है क्योंकि दुनिया में इसकी बड़ी प्रतिष्ठा है। यह कहते हुए कि कांग्रेस सरकार ने हैदराबाद के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और इसने आईटी विकास की नींव रखी, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को गोदावरी और कृष्णा नदियों के पानी को शहर में लाने और पीने के पानी की समस्या को हल करने का श्रेय है।

सरकार दिव्यागों की सहायता करेगी : सीतक्का

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकलांग व्यक्तियों, बुजुर्गों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग के तत्वावधान में रवीन्द्र भारती, हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस-2024 का समारोहपूर्वक आयोजन किया गया।

राज्य के पंचायत राज और ग्रामीण विकास, जल निकासी, महिला बाल विकलांग बुजुर्ग कल्याण मंत्र सीतक्का मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। इस अवसर पर सीतक्का ने कहा कि विकलांग लोगों को सभी क्षेत्रों में सफल होना चाहिए और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें हर तरह की सहायता प्रदान करेगी।

इस कार्यक्रम के प्रयोजन के लिए, कुछ विकलांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण (लैपटॉप, कृत्रिम अंग, श्रवण यंत्र) प्रदान किए गए। बाद में उन्होंने प्रतिभा वेल प्रशिक्षण केन्द्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रतिभा की नौकरी प्राप्त करने वाले दिव्यांगों को सम्मानित किया।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिव्यांगजनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिये गये। कार्यक्रम में सचिव अनीता रामचंद्रन, टीवीसीसी के अध्यक्ष मुथिनेनी वीरैया, विकलांग व्यक्तियों, बुजुर्गों और ट्रांसजेंडरों के सशक्तिकरण निदेशक शैलजा, विभिन्न विकलांग संघों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डीजीपी ने स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम को बधाई दी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने आईजीपी एस. चंद्रशेखर रेड्डी, आईपीएस के नेतृत्व वाली मल्टी-जोन-I टीम को अखिल भारतीय लॉन टेनिस चैंपियनशिप में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई दी। सीआईएसएफ द्वारा पुलिस विभाग के लिए आयोजित यह चैंपियनशिप 26 से 30 नवंबर तक बेंगलुरू के केएसएलटीए स्टेडियम में आयोजित की गई थी। फाइनल में आईजीपी एस. चंद्रशेखर रेड्डी और नारायणपेट आर्म्ड रिजर्व एडिशनल एसपी एम.डी. रियाज की जोड़ी ने डीएसपी राम कुमार और सत्यनारायण की आंध्र प्रदेश की टीम के खिलाफ जीत हासिल की। उनकी जीत बेहद प्रतिस्पर्धी 50+ आयु वर्ग में हुई।

मूसी में टैंकर के माध्यम से अपशिष्टों का निर्वहन

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (टीजीपीसीबी) ने मूसी नदी में अनुपचारित अपशिष्टों के कथित अवैध परिवहन और डंपिंग के लिए रुद्र टेक्नोलॉजीज (पूर्व में श्रीनिवास लैब्स), संगारेड्डी जिले को बंद करने का आदेश जारी किया है। पीसीबी के अनुसार 26 नवंबर को लैंगर हाउस के निवासियों ने बापूघाट पुल के पास मूसी में टैंकर के माध्यम से अवैध रूप से अपशिष्ट गिराते हुए पकड़ा था और राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

टीजीपीसीबी अधिकारियों ने डिस्चार्ज किए गए क्षेत्र का निरीक्षण किया और पाया कि पुल के पास रेत और एग्रीगेट मेटल ट्रेडिंग साइट बनाई गई थी, साथ ही लॉरियों के लिए पार्किंग स्थल भी था, जिसके परिसर से नदी तक पाइपलाइन की व्यवस्था की गई थी। यह देखते हुए कि उस पाइपलाइन के माध्यम से अपशिष्टों को डिस्चार्ज किया जा रहा था, मूसी नदी के किनारे और टैंकर से भी नमूने एकत्र किए गए।

चालान विवरण के सत्यापन पर, बोर्ड के अधिकारियों ने पाया कि अपशिष्ट रुद्र टेक्नोलॉजीज से विकाराबाद जिले के राघवेंद्र केमिकल को भेजा गया था, जिसे वन क्षेत्र में अपशिष्ट के निर्वहन के लिए अप्रैल 2023 में बंद करने के आदेश जारी किए गए थे। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि निगरानी कैमरे की फुटेज से पीसीबी अधिकारियों को पता चला कि टैंकर रुद्र टेक्नोलॉजीज से आ रहा था और उन्होंने मंगलवार को उसे बंद करने का आदेश जारी कर दिया।

वन्य जीव, वनस्पति और मनुष्य के बीच अटूट संबंध : मंत्री

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि जंगली जानवरों की रक्षा के लिए हम जो सबसे अच्छा कर्तव्य कर सकते हैं, वह है प्रकृति के प्राकृतिक गुणों से छेड़छाड़ किए बिना कार्य करना है। वन्यजीव संरक्षण दिवस (4 दिसंबर) के अवसर पर मंत्री सुरेखा ने जंगली जानवरों की सुरक्षा में मदद कर रहे वन विभाग के कर्मचारियों और प्रकृति प्रेमियों को बधाई दी। मंत्री ने कहा कि वन्यजीवों का संरक्षण (जो जैव विविधता का हिस्सा है) सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि वन्य जीव, वनस्पति और मनुष्य के बीच अटूट संबंध है। उन्होंने कहा कि अगर ये चीजें एक लय में जारी रहेंगी तो ही जैव विविधता विकसित होगी और हम मनुष्य के रूप में जीवित रहेंगे। मंत्री सुरेखा ने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भूमि केवल मनुष्यों के लिए नहीं बल्कि सभी प्राणियों के लिए है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार वन्य जीवों के संरक्षण के लिए सख्ती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रतिबद्ध कार्यान्वयन के साथ-साथ, तेलंगाना वन विभाग वन्यजीवों के अवैध शिकार और अवैध पशु व्यापार को रोकने के लिए "कैच द ट्रैप" नामक एक विशेष कार्यक्रम लागू कर रहा है। मंत्री सुरेखा ने कहा कि वन विभाग जंगली जानवरों के शिकार के लिए लगाए गए जाल और बिजली के तारों को निष्क्रिय करके बड़ी संख्या में जंगली जानवरों को बचाने में सक्षम है। मंत्री सुरेखा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वन्यजीव संरक्षण के लिए बड़ी प्रतिबद्धता के साथ कार्यक्रम लागू करते हुए कव्वाल और अमराबाद टाइगर रिजर्व को बाघों के संरक्षण के लिए विशेष देखभाल के साथ विकसित किया जा रहा है जो दुर्लभ जंगली जानवर हैं।

हरीश राव ने सीएम पर साधा निशाना

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से सवाल पूछना जारी रखने की कसम खाई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि झूठे वादों के साथ तेलंगाना के लोगों को धोखा देने के लिए उन्हें जनता की अदालत में दंडित किया जाए। उन्होंने कहा कि एक लाख झूठे मामले भी उन्हें चुप नहीं करा सकते। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार के दौरान फ़ोन टैपिंग मामले में कथित संलिप्तता के लिए उनके ख़िलाफ़ दर्ज किए गए मामले पर कड़ा जवाब देते हुए कहा कि रेवंत रेड्डी, चाहे आप हजारों झूठे मामले दर्ज कर लें, मैं आपकी विफलताओं पर सवाल उठाना बंद नहीं करूंगा। जब तक लोग आपके शासन के खिलाफ़ अपना फ़ैसला नहीं सुना देते, मैं चैन से नहीं बैठूंगा।

मंगलवार को एक्स से बात करते हुए हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने अपनी कमियों से ध्यान हटाने के लिए उन्हें कई झूठे मामले बनाकर निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि आप सवाल किए जाने को बर्दाश्त नहीं कर सकते। कर्ज माफी के बारे में झूठ को उजागर करने के लिए यदागिरिगुट्टा में झूठा मामला दर्ज करने से लेकर बेगम बाजार और साइबर क्राइम स्टेशनों पर असंबंधित शिकायतें दर्ज करने तक, आपकी हरकतें लोगों की चिंताओं का जवाब देने में आपकी अक्षमता को ही दर्शाती हैं।

जीओसी टीएएसए ने रक्तदान अभियान का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सेना दिवस परेड 2025 की प्रस्तावना के रूप में, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) और मुख्यालय दक्षिण भारत क्षेत्र के तत्वावधान में सैन्य अस्पताल, सिकंदराबाद ने मंगलवार को रक्तदान अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का विषय था रक्तदान करें- एक जीवन बचाएं। शिविर का उद्घाटन मेजर जनरल अजय मिश्रा, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मुख्यालय तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र ने किया।

इस अभियान में सेवारत कर्मियों ने स्वैच्छिक भागीदारी की और रक्तदान के बारे में मिथकों को दूर किया।

आउटरीच गतिविधियों के हिस्से के रूप में, एकत्रित रक्त की कुछ इकाइयों को गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल को दान कर दिया गया, ताकि नागरिक सैन्य सहयोग के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाया जा सके।

कांग्रेस सरकार पर कर्मचारियों को धोखा देने का आरोप

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता देवी प्रसाद ने कांग्रेस सरकार पर पिछले एक साल में अपने कर्मचारियों को धोखा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान कर्मचारियों से किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने सत्ता में आने के 48 घंटे के भीतर 317 जीओ को पूरा करने का वादा किया था, लेकिन ऐसा करने में विफल रही। उन्होंने दावा किया, जीओ 317 पर छह महीने बाद कैबिनेट उप-समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पहाड़ खोदने और चूहे पकड़ने जैसी थी। उप-समिति ने स्थानीयता के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। यूनियनें भी रिपोर्ट का विरोध कर रही हैं। देवी प्रसाद ने कहा कि उप-समिति की रिपोर्ट में यह उल्लेख करना हास्यास्पद है कि कर्मचारियों के तबादले रिक्तियों के आधार पर होंगे। उन्होंने आरोप लगाया, 317 जीओ के पीड़ित सीएमओ के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री उन्हें नियुक्ति नहीं दे रहे हैं। उन्होंने मांग की कि खामियों को तुरंत ठीक किया जाए और 317 जीओ के पीड़ितों को न्याय दिया जाए। उन्होंने कहा कि तेलंगाना लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले महेंद्र रेड्डी का बयान भर्ती पर बीआरएस पार्टी द्वारा की गई टिप्पणियों की पुष्टि कर रहा है और उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने पूर्व सीएम केसीआर सरकार द्वारा जारी नौकरी अधिसूचनाओं को पूरा करने की प्रक्रिया को छोड़कर कुछ भी नया नहीं किया है। देवी प्रसाद ने रेवंत सरकार की आलोचना की कर्मचारियों की किसी भी मांग को पूरा नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह सरकार सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी लाभ नहीं दे रही है, जो इसके हकदार हैं। राज्य सरकार कर्मचारियों का 3,000 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया भुगतान नहीं कर रही है। कांग्रेस सरकार लंबित डीए और पीआरसी पर कुछ नहीं कर रही है। स्वास्थ्य कार्ड का कोई जिक्र नहीं है। कई कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें पहली तारीख को वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि किए गए वादों को लागू नहीं किया जा रहा है और दावा किया कि लोग सड़कों पर आकर उन्हें पूरा करने की मांग कर रहे हैं। अगर हम आपके द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के बाद भी विरोध करते हैं, तो लोग हमें दोषी ठहराएंगे। मुख्य विपक्षी दल के रूप में, बीआरएस लोगों के मुद्दों पर खड़ा होना जारी रखेगा। रेवंत रेड्डी, जिन्होंने नक्सलियों के समर्थन में बात की थी, अब उनके मुठभेड़ों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेवंत रेड्डी चाहे जितनी भी पाबंदियां लगा दें, वे सरकार को घेरना जारी रखेंगे और उसकी रातों की नींद हराम करेंगे।

पूर्व तट रेलवे
नीलामी कैटलॉग नं.: WAT-ADVT-MA-006
लॉट नं./वर्ग: ADVT-Int-128700-2-24-1 (Advertising-Train Interior)
विवरण : ट्रेन लिंक नं. 17488/17487 विशाखापट्टनम-तिरुपति-विशाखापट्टनम तिरुमाला एक्सप्रेस एवं 18517/18518 विशाखापट्टनम-कोरबा-विशाखापट्टनम कोरबा एक्सप्रेस के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल स्टिकर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।
लॉट प्रारम्भ होने की तिथि एवं समय : 16.12.2024 को 1100 बजे, लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : 16.12.2024 को 1130 बजे।
न्यूनतम वृद्धि : 0.2%, लॉट स्थिति : ड्राफ्ट कैटलॉग में नया।
संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक / वाल्टियर
PR-774/P/24-25

पूर्व तट रेलवे
निविदा सं.: SANDT_WAT_24_S_ZONAL-VZM
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर/संकेत/विजयनगरम के अधिकार क्षेत्र के अधिन सिग्नल जोनल कार्य।
विज्ञापित मूल्य : ₹ 47,52,260/-, EMD : ₹ 95,100/-, पुरा होने की अवधि : 12 महीने।
बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 06.12.2024
निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 20.12.2024 को 1500 बजे।
ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।
वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता, वाल्टियर
PR-773/P/24-25

कपास के खेत के पास फिर दिखा बाघ

आसिफाबाद में ग्रामीणों में दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को वानकीडी मंडल केंद्र में एक कपास के खेत में बाघ के दिखने से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को वानकीडी मंडल केंद्र के थुकाराम के कपास के खेत में बाघ देखा गया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से बाघ कपास के खेतों में घूम रहा था, जिससे कपास की कटाई और किसानों की खेती-बाड़ी प्रभावित हो रही थी। उन्होंने बताया कि बाघ की दहाड़ सुनकर एक किसान बेहोश हो गया।

वन अधिकारियों ने बताया कि बाघ के पैरों के निशान इकट्ठा करने के लिए एक टीम खेतों की छानबीन कर रही है। उनका मानना है कि महाराष्ट्र से एक बाघ अपने इलाके और प्रजनन के लिए साथी की तलाश में वानकीडी के जंगलों में भटक गया होगा। उन्होंने किसानों से बाघ की हरकतों से सावधान रहने और कम से कम 20 सदस्यों वाले समूह में घूमने का आग्रह किया। इस बीच, बाघ, जिसने कथित तौर पर एक महिला को मार डाला और एक किसान पर हमला किया, कथित तौर पर मंगलवार सुबह सिरपुर (टी) मंडल के इटिकालापहाड़ गांव के पास एक नाले के किनारे चला गया। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि बाघ के पैरों के निशान इटिकालापहाड़ गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक नाले के किनारे देखे गए। वन अधिकारियों ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि पिछले दो दिनों से एक बाघ तेलंगाना और महाराष्ट्र की सीमा पर घूम रहा है। उन्होंने कहा कि यह पड़ोसी राज्य के चंद्रपुर जिले में ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व और सिरपुर (टी) के जंगलों के बीच आवागमन कर सकता है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि वे सुबह 10 बजे तक खेतों में न जाएं और शाम 4 बजे से पहले खेतों से चले जाएं।

CLASSIFIEDS

WANTED BEAUTICIAN

Wanted Female Beautician, Good Salary+Incentives will be given. Walk in Interviews. Shivani Herbal Beauty Parlour 1st floor, Ashoka Scintilla, Above Mebaz Show Room, Himayatnagar,Main Road. PH:9948925111, 9948926111

CHANGE OF NAME

I, SHAHEEN FATIMA W/o MOHAMMED MAQBOOL R/o H.No. 19-2-369/47, Chandulal Baradari, Bahadurpura, Hyd. Have Changed My Name as "ALIYA FATIMA"

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

शराब की दुकान पर मामूली बहस के बाद हत्या

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शराब की दुकान पर मामूली बात को लेकर हुए विवाद के कारण सोमवार रात नेरेडमेट के विनायक नगर में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब पीड़ित बी रामू (37) नामक सेंटरिंग कर्मचारी शराब पीकर शराब की दुकान के बगल में स्थित पान की दुकान पर आया। उसी समय एक अन्य व्यक्ति श्रीकांत भी पान की दुकान पर आया और दबंगई से पान मांगा।

पुलिस के मुताबिक रामू ने श्रीकांत के व्यवहार पर आपत्ति जताई और उसे बिना आवाज़ उठाए धीरे से बात करने को कहा। इससे गुस्साए श्रीकांत ने रामू से बहस की और उसके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों पर मुक्का मारा। रामू को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नेरेडमेट पुलिस मामले की जांच कर रही है। फरार श्रीकांत को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

कोंडागट्टू मंदिर पहुंचे टॉलीवुड अभिनेता वरुण

जगतियाल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड के अभिनेता वरुण तेज ने मंगलवार को कोंडागट्टू अंजनेया स्वामी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में भगवान के दर्शन के अलावा विशेष पूजा भी की। मंदिर के पुजारियों ने उन्हें प्रसाद और अंजनेया स्वामी का चित्र भेंट कर आशीर्वाद दिया। जब वह मंदिर पहुंचे तो पुजारियों ने उनका स्वागत 'पूर्णकुंभम' से किया। इस अवसर पर बोलते हुए वरुण तेज ने कहा कि उन्हें कोंडागट्टू अंजनेया स्वामी के दर्शन करके खुशी महसूस हुई, जिन्हें सबसे शक्तिशाली देवता माना जाता है।

संस्मरण दिवस

वर्ष 1986 से 38 वर्षों की लंबी अवधि तक हिंदू श्मशान वाटिका के अध्यक्ष के रूप में बेजोड सेवा प्रदानकर्ता

स्व. एस. गोपाल राव

अब हमारे बीच नहीं हैं इस तथ्य पर हमें विश्वास नहीं हो रहा है... परंतु यदि आप भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं होने पर भी, आपके जीवन के मधुर क्षणों का स्मरण करते हुए-

स्वर्गीय श्री एस. गोपाल राव
B.Sc. L.L.B.,
आयुः 79 वर्ष

निम्बोलीअड्डा के पूर्व पार्षद एवं फ्लूर लीडर, वर्ष 1969 में तेलंगाना छात्र जेएसी कन्वीनर, हिंदू श्मशान वाटिका प्रबंधक समिति अध्यक्ष, तेलंगाना अरेकटिक(सूर्यवंशी) संघ अध्यक्ष, काचीगुडा कभेला सम्माननीय अध्यक्ष

विलपित आंसूओं के साथ
हिंदू श्मशान वाटिका ट्रस्ट सदस्यगण

संस्मरण बैठकः आज (बुधवार दि.04-12-2024) सुबह 10.00 बजे, हरसपेन्टा, श्री प्रसन्न आंजनेय स्वामी देवालय के पास आयोजित की गयी है।

राजस्व कर्मी 20 हजार रुपये रिश्वत लेता गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एस निगरानी विभाग की टीम ने कुढ़नी अंचल के राजस्व कर्मी जसपाल कुमार को मंगलवार की सुबह 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ महंथ मनियारी नवीन चौधरी ने विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। बताया था कि दाखिल खारिज करने के नाम पर रिश्वत की मांग की जा रही है। विभाग ने अपने स्तर से इसका पता किया। इसमें रिश्वत मांगने का आरोप सही पाया गया। इसी आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। मंगलवार सुबह निगरानी की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही पीड़ित ने राजस्व कर्मी को रिश्वत दी। तभी टीम ने उसे दबोच लिया। उसे गिरफ्तार कर अपने साथ पटना लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि राजस्व कर्मी के पटना स्थित आवास पर भी निगरानी की टीम छापेमारी कर रही है। विदित हो कि कुछ माह पूर्व निगरानी विभाग ने कुढ़नी अंचल के तत्कालीन सीओ पंकज कुमार को भी 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

मां ने लावारिश फेंकी थी नवजात बच्ची, 24 घंटे बाद मौत

गोरखपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर के बांसगांव थानाक्षेत्र में सोमवार की सुबह एक लावारिस नवजात मिला था। नवजात को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। मंगलवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव की ही युवती ने लोक लाज के डर से नवजात को जन्म देकर उसे झाड़ी में फेंक दिया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया था, जहां मंगलवार को उसकी मौत हो गई। सोमवार भोर में पांच बजे गांव की कुछ महिलाओं ने झाड़ी में रोने की आवाज सुनी। देखा तो नवजात बच्ची रो रही थी। महिलाओं ने बच्ची को उठाया। इसी दौरान उनकी नजर अचानक खून के छींटे पर पड़ी। इसके आधार पर वह आगे बढ़ीं तो एक घर के पास खून से ही सने कुछ कपड़े फेंके हुए नजर आए। अंदर जाकर पूछा तो एक महिला ने पहले तो इन्कार कर दिया। थोड़ी देर बाद नवजात को स्वीकार कर अपने साथ ले गई।

फर्जी आईएएस बनकर रिटायर्ड जज की बेटी को जाल में फंसाया

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एक युवक ने खुद को आईएएस बताकर रिटायर्ड जज की बेटी को अपने जाल में फंसाया और ब्लैकमेल करने लगा। हकीकत पता चलने पर युवती ने उससे दूरियां बढ़ाई तो वह आगबबूला हो गया। आरोपित ने पीड़िता का मोबाइल हैक करके उसकी फोटो ले लीं और उन्हें आपत्तिजनक बनाकर वायरल कर दिया। साथ ही पीड़िता को जान से मारने की धमकी भी दी। आरोपित की हरकत के कारण सदमे से रिटायर्ड जज की मौत हो गई। चिनहट पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चिनहट इलाके में रिटायर्ड जज की 6 महीने पहले मौत हो चुकी है। उनकी पत्नी ने पुलिस को बताया कि इकलौती बेटी लॉ की पढ़ाई कर रही है। उसका परिचय सोशल साइट्स के जरिए बिहार के बरमडिया ईस्ट चंपारण निवासी दीपक से हुआ था। उसने युवती को बताया कि हरियाणा से बीटेक किया है। लोकसेवा आयोग में 2023-24 में आईएएस में सिलेक्ट हो गया है और दिल्ली में ट्रेनिंग कर रहा है।

काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस की कोच का शीशा टूटा, दी गई लिखित चेतावनी

बरेली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस पर पथराव की घटना सामने आई है। यह घटना धनेता क्रॉसिंग के पास की है, जहां ट्रेन पर पत्थर फेंके जाने से ट्रेन की एक कोच का कांच टूट गया। जांच में यह सामने आया कि ट्रेन के पास स्थित एक घर की छत पर बच्चे खेल रहे थे और उनमें से एक बच्चे ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। बरेली के सर्कल ऑफिसर (सीओ) संदीप कुमार के ने बताया कि चूंकि यह बच्चा छोटा था, उसे और उसके परिवार को लिखित चेतावनी दी गई है। साथ ही उन्हें भविष्य में ऐसी घटना दोहराने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। अधिकारी ने कहा कि यदि इस तरह की घटना फिर से हुई, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

10 रुपये के टिकट से रेलवे को लगाया चूना

25 रुपये सस्ता बेचकर करते थे खेला दिमाग घुमा देगी ठगी की ये कहानी

मुजफ्फरपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में मुजफ्फरपुर आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार शातिर ठगों को दबोचा है। मुजफ्फरपुर आरपीएफ ने मास्टरमाइंड सहित चार ठगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक सभी ठग नकली रेल टिकट बनाकर रेलवे को चूना लगा रहे थे। रेलवे टिकटों में छेड़छाड़ कर यात्रियों को ठगने का काम कर रहे थे। दो सालों से ये लोग कम दूरी के जनरल टिकट में हेरफेर करके लंबी दूरी के टिकट बनाकर बेच रहे थे। मुजफ्फरपुर आरपीएफ ने इनके पास से 30 असली और टेंपरिंग किए हुए जनरल टिकट बरामद किए गए।

अधिकतर टिकट मुजफ्फरपुर से बेंगलुरु के थे। पूछताछ में मास्टरमाइंड सरगना से चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। ये लोग 10 रुपये के सामान्य टिकटों को खरीदते थे और फिर उनकी जानकारी को बदलने के लिए टिकट पर खुरच कर, एक छोटी सी मुहर से स्टेशनों, दूरी और किराया की जानकारी भरते थे। बाद में इन्हीं टिकटों को 400 रुपये तक में बेच दिया करते थे। मुजफ्फरपुर आरपीएफ ने गिरफ्तार शातिरों के पास से 135 मुहर बरामद किए हैं, जिन पर स्टेशनों के नाम, दूरी और किराया लिखा हुआ था। गिरफ्तार लोगों में मुजफ्फरपुर के उमेश साहनी, दशरथ साहनी,संतोष शाह और वैशाली के विगु राम शामिल हैं।

एक्शन में आए जिलाधिकारी, गलत आख्या लगाने पर लेखपाल को नाप दिया

कानपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की निगाह अब आइजीआरएस यानी जनसुनवाई पोर्टल पर आने वाली शिकायतों में गलत आख्या लगाने, कार्यों में गड़बड़ी करने वालों पर टेढ़ी हो गई है। सोमवार को उन्होंने बिल्हौर के एक लेखपाल को निलंबित कर दिया, जबकि सदर तहसील के सचेंडी में लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित कर 15 दिन में रिपोर्ट मांगी है। जिलाधिकारी ने बताया कि कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान शिकायत मिली कि बिल्हौर तहसील के लेखपाल देवेंद्र कुमार ने अवैध कब्जा नहीं हटाया, जबकि सरकारी बंटवारे के लिए दाखिल बाद में लापरवाही की। आइजीआरएस पोर्टल पर शिकायत में गलत आख्या लगा दी। उन्होंने उपजिलाधिकारी बिल्हौर को संबंधित लेखपाल के तत्काल निलंबन के निर्देश दिए। इसके बाद लेखपाल को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू हुई है। बिल्हौर तहसील में इससे पहले भी कई अनदेखी के मामले सामने आ चुके हैं। इसी तरह दूसरे मामले में रामपुर भीमसेन के संदीप सिंह ने शिकायत की थी कि तहसील सदर में तैनात लेखपाल अरुणा द्विवेदी व तहसील राजस्व कर्मचारी आलोक दुबे के साथ मिलकर गलत ढंग से वरासत बनाकर स्वयं भूमि खरीद ली। दोनों को ये पता था कि जमीन वसीयत व पंजीकृत दान पत्र से संबंधित है।

आर्म्स लाइसेंस पर पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जज ने डीएम के आदेश को गलत बताया

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आर्म्स लाइसेंस पर पटना हाईकोर्ट का एक और फरमान जारी हुआ है। अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में शस्त्र के आवेदन को किस आधार पर रिजेक्ट नहीं किया जा सकता है, उसे स्पष्ट किया है। खगड़िया में पेट्रोल पंप की सुरक्षा के लिए आर्म्स लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले एक रिटायर्ड फौजी की याचिका पर सुनवाई करते हुए जज ने डीएम के आदेश को गलत बताया। वहीं अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि किस आधार पर मूल्यांकन की जरूरत आर्म्स लाइसेंस जारी करने के लिए होनी चाहिए।

पटना हाईकोर्ट का अहम फैसला

पटना हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में साफ किया है कि कोई व्यक्ति अगर आर्म्स लाइसेंस लेना चाहता है तो उसका आवेदन इस आधार पर केवल खारिज नहीं किया जा सकता है कि आवेदक को जान का खतरा नहीं है। न्यायमूर्ति मोहित कुमार शाह की एकलपीठ ने रंजन कुमार मंडल की रिट याचिका को मंजूर किया और यह फैसला सुनाया है।

क्या था पूरा मामला?

याचिकाकर्ता के वकील रंजीत कुमार सिंह ने कोर्ट को बताया कि आवेदन करने वाले रंजन एक रिटायर्ड फौजी हैं और भारतीय सेना से सेवानिवृत होने पर उन्हें केंद्र सरकार ने एक पेट्रोल पंप मुहैया कराया था। खगड़िया के परबत्ता थाने के पास उन्होंने हाइवे पर पेट्रोल पंप की सुरक्षा के लिए आर्म्स लाइसेंस का आवेदन खगड़िया डीएम को दिया था। लेकिन डीएम ने इस आवेदन को खारिज कर दिया। पुलिस रिपोर्ट में बताया गया कि रंजन को जान का कोई खतरा नहीं है। वहीं डीएम के आदेश के खिलाफ मुंगेर के आयुक्त के पास अपील की गयी थी। लेकिन पुलिस रिपोर्ट को आधार बताकर उक्त अपील को भी खारिज कर दिया गया।

हाईकोर्ट ने क्या दिया फैसला?

पटना हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि केवल जान के खतरे को केंद्र में रखकर आर्म्स लाइसेंस के आवेदन को खारिज नहीं किया जा सकता।यह केंद्र सरकार की नयी शस्त्र नियमावली के खिलाफ है। आवेदक के पेशे और व्यापार का मूल्यांकन करना जरूरी है जिसकी सुरक्षा के लिए आर्म्स जरूरी होता है।

पहले भी डीएम के आदेश को बताया था गलत

बता दें कि इसी साल अक्टूबर महीने में भी पटना हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस से जुड़े एक मामले में अहम फैसला दिया था। एक मामले की सुनवाई में अदालत ने कहा था कि केवल इस आधार पर किसी का आर्म्स लाइसेंस रद्द नहीं हो सकता कि उसके ऊपर कोई एफआईआर दर्ज हुआ है। सुपौल के डीएम ने एक व्यक्ति का आर्म्स लाइसेंस रद्द किया था। उसी आदेश के खिलाफ अदालत ने फैसला दिया था।

अवैध संपत्ति की मालकिन निकली आईएफएस निहारिका सिंह

नोएडा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर में करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति की मालकिन निकली आईएफएस अफसर निहारिका सिंह। उनको धन दोगुना करने के नाम पर ठगी करने वाली एनआई बुनियन कंपनी के आरोपियों में शामिल किया जा चुका है। लखनऊ के एसजीपीजीआई थाने में 4 साल पहले दर्ज हुए ठगी के 144 केसों में से करीब 100 में निहारिका भी सह अभियुक्त है। पति के साथ ठगी में शामिल इस महिला अधिकारी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की सिफारिश के बाद डीएसपी डॉ. बीनू सिंह को पद से उसी समय हटा दिया गया था। सत्ता के गलियारों से प्रशासनिक हलके में ऊंची पहुंच के चलते निहारिका के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की सिफारिश 4 साल से उच्चाधिकारियों की मेज पर धूल खा रही है।

ए फॉर अजीत, एन फॉर निहारिका से बना एनआई

एक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा ठगी के इस प्रकरण में गिरफ्तार हो चुके आईएफएस के पति अजीत कुमार गुप्ता से जांच के दौरान विवेचक ने कंपनी के नाम एनआई के बारे में पूछा था। अजीत ने बताया कि ए फॉर अजीत, एन फॉर निहारिका व आई से इंटरनेशनल जोड़कर बनी एनआई कंपनी। ठगी के इस मामले में निदेशकों में शुमार अजीत कुमार गुप्ता, अनिल गुप्ता, प्रदीप गुप्ता इस समय सलाखों में हैं।

350 करोड़ शेल कंपनियों में भेजे

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में सामने आया कि इस कंपनी के संचालकों ने निवेशकों से ठगे गए लगभग 1350 करोड़ रुपये विभिन्न शेल कंपनियों में भेजे थे। आईएफएस अफसर के नाम पर मिली अवैध संपत्ति को सीज करने की कार्रवाई की तैयारी शुरू हो चुकी है। ईडी ने अब तक 7.07 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त कर लिया है। अभी तक की जांच में 30 करोड़ रुपये से ज्यादा की बेनामी संपत्ति के साथ दस फर्जी कंपनियों के बारे में भी पता चला है।

सीएचओ के 2000 पदों से नीतीश कुमार और बीजेपी को कमाने थे 100 करोड़?

तेजस्वी यादव बोले- युवाओं के साथ खेल

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) भर्ती परीक्षा में अनियमितता पाए जाने के बाद बीते सोमवार को इस एग्जाम को रद्द कर दिया गया है। तीन केंद्रों पर ऑनलाइन परीक्षा के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी पाए जाने के बाद यह एक्शन लिया गया है। इस मामले में 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें अभ्यर्थी, परीक्षा केंद्र के मालिक और कर्मचारी और आईटी प्रबंधक तक शामिल हैं। अब इस पर राजनीति भी शुरू हो गई है। मंगलवार (03 दिसंबर) को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर नीतीश सरकार पर हमला बोला।

मजबूरन पेपर रद्द करना पड़ाः तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने लिखा, 2000 पदों की बहाली परीक्षा में पेपर लीक कराकर मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और बीजेपी को 100 करोड़ रुपये कमाने थे, लेकिन एक ऑडियो वायरल हुआ, खबर छपी तो मजबूरन पेपर रद्द करना पड़ा। अब बीजेपी-जेडीयू सरकार कह रही है कि हमारे पेट पर लात मार दी, परीक्षा माफिया से लिए 100 करोड़ रुपये अब आगे की परीक्षाओं में पेपर लीक कराकर एडजस्ट करेंगे। एनडीए सरकार बिहार के युवाओं के वर्तमान और भविष्य के साथ खेल रही है। मुख्यमंत्री पेपर लीक पर कभी कुछ बोलेंगे नहीं। सीएचओ के 2000 पदों से नीतीश कुमार और बीजेपी को कमाने थे 100 करोड़? तेजस्वी यादव बोले- युवाओं के साथ खेल

सीएचओ के 4500 पदों पर होनी थी बहाली

बता दें कि सीएचओ के 4500 पदों पर बहाली के लिए यह परीक्षा हो रही थी। दो दिन परीक्षा होनी थी। रविवार को पहला दिन था। सोमवार को भी परीक्षा होनी थी लेकिन एग्जाम नहीं हुआ और पेपर को रद्द कर दिया गया। पहले दिन पटना के 12 ऑनलाइन केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया था। अब इस पूरे मामले में आर्थिक अपराध इकाई की टीम जांच कर रही है। गिरोह में शामिल लोगों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन भी किया गया है। अब जब पेपर रद्द कर दिया गया है तो विपक्ष सरकार को घेरने में लगा है। इससे पहले भी कई परीक्षाओं में बिहार में पेपर लीक हो चुका है। यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी को लेकर तेजस्वी यादव ने नीतीश सरकार पर निशाना साधा है।

नशे में टल्ली होकर आपस में भिड़े दो सरकारी कर्मचारी

मैनपुरी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आए दिन नशे में टल्ली होकर ड्यूटी पर आए सरकारी कर्मचारियों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। हाल में एक बार फिर से ऐसा ही एक और वीडियो सामने आया है। जिसमें दो सरकारी कर्मचारियों को नशे की हालत में एक दूसरे से लड़ते हुए देखा गया। जिसका वीडियो अब खूब वायरल हो रहा है। मामला उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले का बताया जा रहा है। जहां कलेक्ट्रेट में काम करने वाले बैनामा लेखक और मुंशी एक दूसरे से नशे की हालत में लड़ते हुए पाए गए। दोनों कर्मचारियों के ऊपर शराब का नशा इस कदर हावी हुआ कि दोनों एक-दूसरे के जानी-दुश्मन बन बैठे। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच किसी मामूली सी बात पर विवाद हुआ था। जिसके बाद वे एक-दूसरे से सड़क पर ही भिड़ गये और वहीं पर एक-दूसरे को पटक-पटक कर मारा।

शादी के दिन दूल्हा कर गया दुल्हन से खेला, दो लड़कियों के चक्कर में अब जाएगा जेल

हरदोई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश का हरदोई जिला कासिमपुर थानाक्षेत्र के कुतुबनगर में एक दुल्हन शादी का लाल जोड़ा पहने और हाथों पर मेहंदी लगाए दूल्हे राजा का इंतजार कर रही थी। परिवार वाले भी काफी उत्साहित थे। स्टेज लगा था और मंडप भी सजा था। लेकिन ये क्या हुआ, न तो दूल्हा आया और न बारात। दुल्हन और उसके घर वाले परेशान हो गए। उन्होंने दूल्हे और उसके घर वालों को फोन किया लेकिन किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। फिर जो सच्चाई सामने आई उससे सभी के होश उड़ गए। दूल्हा तो अपनी नाबालिग गर्लफ्रेंड के साथ भाग गया था। दुल्हन के परिवार को यह जानकर बहुत गुस्सा आया। रात बीत जाने के बाद दुल्हन का परिवार थाने पहुंचा। वहां दूल्हे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। वहीं, जिस लड़की को दूल्हा लेकर भागा था, उसके घर वालों ने भी दूल्हे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

बेगानी शादी में फ्री का खाना खाने पहुंचे लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र पकड़े गए, फिर चले बम, हुआ क्या?

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। फिल्म थ्री इडियट्स का वो सीन आपको अभी भी याद होगा। फिल्म में 3 दोस्त फ्री का खाना खाने के लिए शादी कार्यक्रम में पहुंच जाते हैं। वहां तीनों प्लेट उठाते हैं और उसमें खाना भरकर खाना खाना शुरू कर देते हैं। मगर उन्हें पहचान लिया जाता है और वह तीनों वहां से भाग जाते हैं। अब कुछ ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के लखनऊ से सामने आया है। मगर यहां कॉलेज छात्रों का शादी में खाना खाना काफी भारी पड़ गया है। दरअसल ये पूरा मामला लखनऊ के रामाधीन मैरिज हॉल से सामने आया है। यहां लखनऊ विश्वविद्यालय के कुछ छात्र रामाधीन मैरिज हॉल में आयोजित एक शादी समारोह में फ्री में खाना खाने पहुंचे। उन्हें लगा कि उनको कोई पहचानेगा नहीं। मगर बारातियों ने उन्हें पहचान लिया। बाराती समझ गए कि ये कॉलेज छात्र हैं और फ्री का खाना खाने के लिए, शादी में आए हैं। ऐसे में बारातियों ने छात्रों को पकड़ लिया और उन्हें पीटना शुरू कर दिया। काफी देर तक इसको लेकर वहां हंगामा होता रहा। आरोप है कि इस दौरान छात्रों ने बम और गोलियां भी चलाईं। मामले का पता चलते ही लखनऊ विश्वविद्यालय के कई छात्र भी अपने दोस्तों को बचाने के लिए मौके पर पहुंच गए। आरोप है कि इसके बाद छात्रों ने मिलकर बारातियों के साथ ही मारपीट शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि पुलिस मौके पर आ गई। किसी तरह से हसनगंज थाना क्षेत्र की पुलिस ने मामला शांत करवाया और आगे की कार्रवाई में जुट गई। बारातियों का कहना है कि 2 या 3 नहीं बल्कि कई छात्र खाना खाने शादी में पहुंच गए थे और पकड़े जाने पर छात्रों ने उनके साथ मारपीट भी की।

इस पूरे मामले पर एसपी नॉर्थ ज़ोन नेहा त्रिपाठी ने बताया, लखनऊ यूनिवर्सिटी के कुछ छात्र खाना खाने बारात में आ गए थे। इस दौरान उनका बारातियों से विवाद हो गया था। इस दौरान आपस में मारपीट हुई। मामले को सुलझा दिया गया है। आरोपियों के ख़िलाफ़ कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर भड़कीं बसपा चीफ, एनजीए सरकार से की ये मांग

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ अत्याचार हो रहा है, हिंदुओं को मारा-पीटा जा रहा है। उनके घरों पर कब्जा किया जा रहा है, उनकी दुकानें लूटी जा रही हैं। उन्हें नौकरी से निकाला जा रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा को लेकर भारत में विरोध तेज हो गया है। हिंदू संगठनों के साथ अब नेताओं ने भी इस मामले में भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने सरकार से कदम उठाने की मांग की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा पड़ोसी देश बांग्लादेश में तख्ता पलट होने के बाद वहाँ नई सरकार में ख़ासकर हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा व जुल्म-ज्यादती आदि तथा उससे वहाँ बिगड़ते हालात अति-दुखद व चिन्ताजनक।

इसको लेकर भारत के लोगों में काफी आक्रोश। सरकार इस पर संसद में वक्तव्य दे व उचित कदम भी उठाए। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और उनके धार्मिक स्थलों पर किये जा रहे हमले के विरोध में भारत के अलग-अलग राज्यों में बांग्लादेश के खिलाफ विरोध शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और बांग्लादेश सरकार की निंदा की।

अलीगढ़ में हिंदू समाज के लोगों ने किया प्रदर्शन का ऐलान

इधर, अलीगढ़ में हिंदू समाज के लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के विरोध में आज दोपहर 12 बजे प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन में 50 हजार से ज्यादा लोग बांग्लादेश सरकार के विरोध में सड़क पर उतर कर प्रदर्शन करेंगे और हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने की मांग करेंगे। यह प्रदर्शन बांग्लादेश अल्पसंख्यक सुरक्षा मंच के बैनर तले किया जाएगा। हिंदू समाज के लोगों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट हो गया है।

ईडी ने आईएएस और पूर्व विधायक की पत्नियों को भेजा समन, पूछताछ के लिए बुलाया

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आईएएस संजीव हंस और राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधायक गुलाब यादव की पत्नियों मोना हंस एवं अंबिका गुलाब यादव को पूछताछ का समन भेजा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय ने ईद दोनों को भेजे गए समन में निर्देश दिए हैं कि निदेशालय स्तर पर उनसे संजीव हंस और गुलाब यादव की संपत्ति के संबंध में पूछताछ होनी है। लिहाजा मोना और अंबिका को यह नोटिस दिया गया है। ईडी दफ्तर में दोनों को पूछताछ के लिए दो दिन के अंदर आने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी मिली है कि प्रवर्तन निदेशालय की अलग-अलग टीमों में शामिल अधिकारी इनसे पूछताछ करेंगे। मोना और अंबिका गुलाब यादव को आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपी बनाया गया है। पूछताछ के दौरान ईडी के अधिकारी इसे यह जानने के प्रयास करेंगे की आईएएस अधिकारी संजीव हंस और पूर्व विधायक गुलाब यादव ने किस प्रकार से इतनी अकूत संपत्ति जमा की।

संजीव हंस और गुलाब यादव को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था

बता दें कि ईडी ने संजीव हंस और गुलाब यादव को मनी लॉड्रिंग के साथ ही भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किया है। इसके पूर्व उनके यहां कई बार प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापे भी मारे थे। जांच का दौरान अवैध तरीके से अर्जित की गई अकूत संपति का पता चला था। इसी मामले में निदेशालय ने हंस और गुलाब की पत्नियों को भी आरोपित किया है। जिनसे अब पूछताछ होगी।

करीब चार महीने चली जांच और कार्रवाई के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने 18 अक्टूबर को संजीव हंस, गुलाब यादव व दो अन्य को पटना और दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल कराने के बाद इन आरोपियों को जेल भेज दिया गया था। इसके बाद ईडी ने संजीव हंस और गुलाब यादव को 14 दिनों रिमांड पर लेने के लिए कोर्ट में मंगलवार को आवेदन किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भारत सरकार की एक प्रमुख एजेंसी है, जो वित्तीय अपराधों की जांच और प्रवर्तन के लिए जिम्मेदार है।

'बीजेपी कैडर की तरह पर काम कर रहे अधिकारी', अखिलेश यादव ने की लोकसभा में चर्चा की मांग

लखनऊ, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संभल में हुई हिंसा को लेकर सदन में चर्चा किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे है। उन्होंने पूरी घटना को बीजेपी की सोची समझी रणनीति बताया और कहा कि कुछ लोग हर जगह को खोदना चाहते है। संभल में अधिकारी बीजेपी के कैडर के तौर पर काम कर रहे है। अखिलेश यादव ने कहा कि जिस दिन से सदन शुरू हुआ है उस दिन से हमारी पार्टी ने संभल पर चर्चा की मांग कर कर रही है। हमारी मांग अभी भी वही है कि सदन में संभल हिंसा को लेकर चर्चा की जाए।

डीसीएलआर मैडम ट्रांसफर के बाद भी घर से कर रही थीं 'खेल', जमीन सर्वे के बीच नीतीश सरकार ने नाप दिया

पटना, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पटना सदर की पूर्व डीसीएलआर मैत्री सिंह पर विभागीय कार्रवाई की तलवार लटक रही है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने उन्हें निलंबित कर दिया है। विभाग ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश भी की है। मैत्री सिंह पर दाखिल-खारिज के मामलों में जानबूझकर देरी करने, पक्षकारों से अवैध लाभ लेने और सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी करने जैसे गंभीर आरोप हैं। फिलहाल वे विश्वविद्यालय सेवा आयोग में विशेष कार्य पदाधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। मैत्री सिंह जब पटना सदर में डीसीएलआर थीं, तब उन्होंने कई गड़बड़ियां कीं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने इस मामले में एक पत्र लिखा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा

ममता बनर्जी के अचानक मुखर हो जाने के पीछे क्या ये 3 वजह?

कोलकाता, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हिंसा के बीच अचानक से पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मुखर हो गई हैं। ममता ने बंगाल विधानसभा का सत्र बुलाकर बांग्लादेश में यूएन शांति सेना की तैनाती की मांग कर दी है। बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद यह पहली बार है, जब भारत के किसी सदन में आधिकारिक तौर से इस तरह की मांग की गई है। ममता के इस स्टैंड की कोलकाता से दिल्ली तक चर्चा है। ममता ने कहा कि मैं अब तक चुप थी, लेकिन अब शांत नहीं रह पाऊंगी। इस पर केंद्र को फैसला करना ही होगा। सवाल उठ रहा है कि आखिर क्या मजबूरी है कि ममता को विधानसभा के भीतर बांग्लादेश के मुद्दे पर बयान देना पड़ गया?

बांग्लादेश के हालात से तृणमूल में डर

अगस्त 2024 में बांग्लादेश से शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट हो गया। मो। यूनुस के नेतृत्व में वहां अंतरिम सरकार चल रही है। हसीना के तख्ता पलट के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदू और उनके विचारकों पर नकेल कसा जा रहा है। बांग्लादेश के इस एक्शन ने ममता को डरा दिया है। डर की 3 वजहें भी हैं-

1 बांग्लादेश में जब-जब खूनी विद्रोह हुआ है, तब-तब उसका असर बंगाल की सरकार पर पड़ी है। 1964 में बांग्लादेश (तब के पाकिस्तान) में पहली बार बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। उस वक्त बंगाल में कांग्रेस की सरकार थी। मुख्यमंत्री प्रफुल्ल चंद्र सेन थे। बांग्लादेश में हिंसा की वजह से बड़े पैमाने पर शरणार्थी बंगाल आ गए। कांग्रेस की सरकार में शरणार्थी बड़ा मुद्दा बन गया। 1967 के चुनाव में बंगाल में इस मुद्दे की वजह से कांग्रेस चुनाव हार गई। अजय मुखर्जी के नेतृत्व में पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार का गठन बंगाल में हुआ। 1975 में बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद बड़े पैमाने पर बांग्लादेश में हिंसक घटनाएं हुई। हिंसक घटनाएं से बचने के लिए लोग बंगाल की ओर भागने लगे। कहा जाता है कि बांग्लादेश से भारत में उस वक्त करीब 1 करोड़ शरणार्थी आए थे, जिसमें अधिकांश बंगाल में ही रुके। 1977 के विधानसभा चुनाव में ज्योतिबा बसु के नेतृत्व में सीपीएम ने इन शरणार्थियों के रहने को बड़ा मुद्दा बनाया। कोलकाता के इर्द-गिर्द इसका असर हुआ और बंगाल में कांग्रेस की सरकार उखड़ गई। सीपीएम के ज्योति बसु सीएम बनाए गए।

2 बांग्लादेश मुद्दे पर डर की दूसरी वजह हिंदुत्व का मुद्दा है। पश्चिम बंगाल में मुसलमानों की आबादी करीब 28 प्रतिशत है। हिंदू यहां 70 प्रतिशत के आसपास है। 2021 के चुनाव में बीजेपी ने मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप ममता पर लगाया था, लेकिन उस चुनाव में ममता ने बीजेपी को पटखनी दे दी थी। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हिंसा को बीजेपी स्थानीय स्तर पर बड़ा मुद्दा बनाने की कवायद में जुटी है। ममता इसी डर से पहले ही इस मुद्दे को केंद्र के पाले में डाल दिया है।

3 बंगाल में संघ का विस्तार भी ममता की डर की प्रमुख वजह है। 2011 में पूरे पश्चिम बंगाल में संघ की मात्र 511 शाखाएं लगती थी, 2023 में यह संख्या बढ़कर करीब 3 हजार पर पहुंच चुकी है। संघ बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ लगातार मुखर है। ऐसे में ममता को लगता है कि इस मुद्दे पर अगर वे चुप रहती हैं तो इसका सीधा नुकसान उन्हें हो सकता है, इसलिए भी ममता ने विधानसभा सत्र बुलाकर बांग्लादेश मामले में दखल देने की मांग की है।

ममता ने ये रणनीति भी बनाई

बांग्लादेश मुद्दे पर बीजेपी को बैकफुट पर धकेलने के लिए ममता ने एक बड़ी रणनीति तैयार की है। ममता इस मुद्दे पर सिर्फ अकेले बात रखेंगी। कोर कमेटी और विधायक दल की बैठक में टीएमसी सुप्रीमो ने इस बाबत सभी नेताओं को निर्देश दिए। बांग्लादेश के मुद्दे पर कब और क्या बोलना है, इसका फैसला सिर्फ ममता करेंगी। नेता इसी बात को दोहराएंगे। कहा जा रहा है कि किसी एक पक्ष की पैरवी से बचने के लिए टीएमसी सुप्रीमो ने यह फैसला किया है। वहीं ममता इस मुद्दे पर बंगाल बीजेपी के नेताओं को भी घेर रही हैं। विधानसभा में उन्होंने कहा कि स्थानीय नेता केंद्र से इस पर वक्तव्य रखने की सिफारिश क्यों नहीं करते?

18 महीने बाद बंगाल में चुनाव

मई 2026 में बंगाल में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। यानी विधानसभा के चुनाव होने में अब सिर्फ 18 महीने का वक्त बचा है। बंगाल में बीजेपी और ममता के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। हालांकि, सीपीएम और कांग्रेस गठबंधन भी पूरे दमखम से मैदान में उतरेगी। ममता की कोशिश चौथी बार सत्ता में वापसी करने की है, तो बीजेपी पहली बार यहां भगवा लहराने की कवायद में जुटा है। बंगाल में विधानसभा की 294 सीटें हैं, जहां सरकार बनाने के लिए 148 विधायकों की जरूरत पड़ती है।

'बारात है पर दूल्हा नहीं, कौन सीएम बनेगा'

प्रियंका चतुर्वेदी का राज्यपाल पर भी निशाना, 'जो बीजेपी कर रही है, वो राज्यपाल को करना चाहिए'

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री का नाम फाइनल और सरकार का गठन नहीं होने को लेकर महायुती विपक्ष के निशाने पर है। शिवसेना-यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि जनादेश का अनादर हो रहा है। एक नाराज है। बारात है पर दूल्हा नहीं है। कौन सीएम बनेगा? कोई दिल्ली भाग रहा है, कोई ठाणे भाग रहा है। राज्यपाल संवैधानिक तौर पर काम नहीं कर रहे हैं, जो बीजेपी कर रही है, वो राज्यपाल को करना चाहिए,। तमाम मुद्दों पर संसद के अंदर चर्चा होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि एक गांव है, जहां बैलटे पेपर के माध्यम से चुनाव करना चाहता है, लेकिन प्रशासन ने रोक लगा दिया है। बांग्लादेश के मुद्दे पर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अटैक हो रहा है। बांग्लादेश में जो हो रहा है, उसको लेकर पीएम और विदेश मंत्री को बोलना चाहिए।

ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल मिलते ही अलर्ट हुई पुलिस; ताज पर बढ़ाई गई सुरक्षा

आगरा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सनसनी फैल गई। ई-मेल प्राप्त होने के बाद ही सुरक्षा एजेंसी अलर्ट हो गईं। ताज की सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत कर दिया गया। इसके साथ ही यहां बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड भी पहुंच गया। इस जांच के दौरान पर्यटकों में किसी तरह की अफरा-तफरी न फैले इसका भी विशेष ध्यान रखा गया। ताजमहल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरा ई-मेल आने के बाद ताज पर पुलिस अलर्ट हो गई है। बम निरोधक दस्ता सहित अन्य टीमें पहुंचकर जांच में लगी हुई हैं। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि वहीं ताजमहल के आसपास सुरक्षा पहले से ही रहती है। उसे और पुख्ता किया गया है। चेकिंग की जा रही है। किसी तरह की संदिग्ध वस्तु तो नहीं रखी गई है।

मोबाइल पर आधी रात को पत्नी से बात करते हुए पति ने नदी में लगा दी छलांग

शहडोल, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में आधी रात को हसबैंड-वाइफ मोबाइल फोन पर बात करत रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि पति फोन पर बात करते-करते बाइक से सोन नदी पर पहुंचा और पानी में छलांग लगा दी। नदी में कूदने से पति पानी में डूब गया और उसकी मौत हो गई। बड़ी मशक्कत के बाद गोताखोर की टीम ने मंगलवार सुबह नदी से शव को खोज निकाला। जानकारी के अनुसार, बुढ़ार थाना क्षेत्र के जरवाही सोन नदी पुल से एक युवक नदी में कूदकर आत्महत्या कर लिया। छांटा निवासी संतोष जोगी मोबाइल पर किसी से बात करते हुए देर रात बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहा था। तभी अचानक सोन नदी के पास बाइक खड़ी कर मोबाइल पर बात करते हुए कुछ ही मिनट में अचानक नदी में छलांग लगा दी। इसे देख आस-पास के लोगों ने उसे तुरंत बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

रामदास अठावले ने बता दिया महाराष्ट्र सीएम के लिए अपनी पसंद, इस नेता का लिया नाम

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।महाराष्ट्र के राजनीतिक घटनाक्रम पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि 4 दिसंबर को बीजेपी विधायक दल की बैठक होने जा रही है, जिसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक भी शामिल होंगे। बैठक में सभी विधायकों का ओपिनियन सुना जाएगा। मुझे लगता है कि कल (मुख्यमंत्री के तौर पर) देवेंद्र फडणवीस के नाम की घोषणा हो सकती है, क्योंकि 2014 से 2019 तक उनका कार्यकाल बहुत अच्छा रहा है और उपमुख्यमंत्री पद पर रहते हुए भी उन्होंने अच्छा काम किया है। अठावले ने कहा कि एकनाथ शिंदे पहले ही कह चुके हैं कि वो सीएम पद के रेस में नहीं हैं। इसी बीच गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और महाराष्ट्र के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि आज शाम को मैं मुंबई रवाना हो रहा हूं। आज 4

दिसंबर सुबह 11 बजे विधायक दल की बैठक होगी जहां हम लोग चर्चा करेंगे और उसके बाद सर्वसम्मति से नेता का चुनाव होगा। इसके बाद हम हाईकमान को नाम बताएंगे और घोषणा करेंगे। मुख्यमंत्री चेहरे पर रूपाणी ने कहा कि मुझे लगता है कि इस बार बारी बीजेपी के मुख्यमंत्री बनने की होगी।

शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां तेज

वहीं दूसरी तरफ 5 दिसंबर को होने वाले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर मुंबई के आज़ाद मैदान में तैयारियां तेज हो गई हैं। शिवसेना नेता संजय शिरसाट तैयारियों का जायजा लेने के लिए आजाद मैदान पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान संजय शिरसाट से पूछा गया कि मुख्यमंत्री को लेकर महायुति में शामिल तीनों पार्टियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। इस पर उन्होंने कहा कि कोई असमंजस नहीं सबकुछ अच्छे से हो रहा है। तीनों पार्टियों के नेता मिलकर इसपर बातचीत कर रहे हैं। 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा जब संजय शिरसाट से पूछा गया कि क्या एकनाथ शिंदे सरकार में रहेंगे। इसपर उन्होंने कहा कि इसके बारे में आज शाम को पता लगेगा। शाम या देर रात को इसको लेकर बैठक होगी।

नशे पर प्रहार: दिल्ली में पकड़ी गई एक करोड़ रुपये की हेरोइन, स्कूटी से करते थे सप्लाई; कपड़ों पर उड़ाते पैसा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एक करोड़ रुपये की कीमत की हेरोइन के साथ चार मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों रोशन लाल, धर्मबीर उर्फ धर्मू रोहित गुसाईं उर्फ मूसा और दुष्यंत चोपड़ा के कब्जे से बेहतरीन क्वालिटी की 310 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह के अनुसार शाखा की एएनटीएफ यूनिट को ड्रग तस्करों पर नजर रखने का काम सौंपा गया।

इस यूनिट को 19 नवंबर को मादक पदार्थ तस्करों के बारे में मिली एक सूचना पर एएनटीएफ राजकुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में एसआई सोम्या कुल्हार, ओमप्रकाश, एएसआई संदीप त्यागी, हवलदार दीपक, सम्राट, प्रमोद, शरवन की टीम ने सेक्टर 23, रोहिणी, दिल्ली में घेराबंदी कर दो आरोपियों अमन विहार, दिल्ली निवासी रोशन लाल।

अयोध्या से लौट रहे श्रद्धालुओं की बस चौरई के पास अनियंत्रित होकर पलटी, 21 घायल, कई गंभीर

छिंदवाड़ा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे छिंदवाड़ा जिले के चौरई में एक बड़ा हादसा हुआ। श्रद्धालुओं से भरी एक बस पलटने से 21 लोग घायल हो गए, इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा चौरई के केंद्रीय विद्यालय के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, सामने से आ रहे ट्राले ने बस को कट मारा, जिससे बस अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे पलट गई। बस में सवार सभी यात्री छिंदवाड़ा के निवासी हैं और अयोध्या दर्शन के बाद वापस लौट रहे थे। श्रद्धालु 27 नवंबर को छिंदवाड़ा से काशी विश्वनाथ और अयोध्या दर्शन के लिए निकले थे। हादसे में घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए सिविल और जिला अस्पताल भेजा गया। घटना स्थल पर नवागत एसपी अजय पांडेय पुलिस टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने जानकारी बताया कि हादसे में कुल 21 लोग घायल हुए हैं। 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया है। छिंदवाड़ा एडिशनल एसपी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस छिंदवाड़ा की राहुल बस है, जो श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या दर्शन से लौट रही थी। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। बस अभी भी मौके पर फंसी हुई है।

एआई की नहीं, एक्यूआई की बात करनी होगी

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने दिल्ली प्रदूषण का उठाया मुद्दा, पराली पर भी बोले

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सर्दियां शुरू होते ही दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण एक गंभीर समस्या बन जाती है। इसके साथ ही इस पर सियासत भी शुरू हो जाती है। इस बीच, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मंगलवार को राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि हम एआई की तो बहुत बात करते हैं, लेकिन एक्यूआई की बता करनी होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली से ज्यादा प्रदूषण आज भागलपुर, भिवानी, मुजफ्फरनगर, हापुड़, नोएडा, विदिशा, आगरा, फरीदाबाद जैसे कई इलाकों में है, लेकिन प्रदूषण का सारा दोष देश के किसानों के ऊपर मढ़ जाता है। उन्होंने कहा, मैं आज देश के किसानों की बात उठाना चाहता हूं। आईआईटी ने बताया है कि पराली जलाना प्रदूषण का सिर्फ एक कारण है, लेकिन यह वायु प्रदूषण का इकलौता कारण नहीं है।

उन्होंने कहा कि पूरा साल तो हम कहते हैं कि किसान हमारा अन्नदाता है, लेकिन जैसे ही नवंबर का महीना आता है, तो हम कहने लगते हैं कि किसान पर जुर्माना लगाया जाए। किसान मजबूरी में पराली जलाते हैं। राघव चड्ढा ने कहा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पराली जलाए जाने की घटनाएं बढ़ी हैं। पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक की कमी देखी गई। पंजाबियों की खुराक चावल नहीं है, देश की आवश्यकता पूरी करने के लिए पंजाब ने धान की खेती की। इससे हमारा नुकसान हुआ है, जलस्तर नीचे चला गया। धान की फसल काटने के बाद जो पराली बचती है उसे हटाने के लिए केवल 10 से 12 दिन होते हैं, क्योंकि अगली फसल बोनी होती है।

मशीनों से पराली निकलने पर प्रति एकड़ 2 से 3 हजार रुपये का खर्च आता है, इसलिए किसान को मजबूरन पराली जलानी पड़ती है। राघव चड्ढा ने कहा, इसके लिए मैं एक समाधान लेकर आया हूं। पराली हटाने के लिए केंद्र सरकार किसानों को प्रति एकड़ 2000 रुपये की मदद दे और राज्य सरकार इसमें 500 रुपये की मदद देगी, तो इस समस्या का अल्पकालीन समाधान निकाला जा सकता है।

क्राइम को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आप को घेरा कर दिया ये दावा

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपराध के मामलों को लेकर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने आम आदमी पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य कि बात क्या है कि दिल्ली पुलिस की जो कमजोरी है वो तो है ही आम आदमी पार्टी सरकार होने के बावजूद हर चीज में अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रही। आप अपनी जिम्मेदारी तो निभाइए। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा, दिल्ली में अपराध और दिल्ली की जो अपराधिक स्थिति रही है वो ऐसा कुछ नहीं है कि आज बहुत ज्यादा खराब हो गई है कल कुछ कम थी। कांग्रेस में हम लोग हमेशा से इस मुद्दे को लेकर सजग रहे हैं और लगातार इसे उठाते रहे हैं। आपने देखा होगा कि जब भी इस तरह के गंभीर अपराध या घटनाएं होती हैं, हम हमेशा मौके पर पहुंचते हैं। पिछले चार-पांच सालों में मैंने कभी नहीं देखा कि आप ने प्रशासनिक तरीके से क्राइम के मुद्दे को उठाया हो।

'भारी बहुमत के बाद भी सीएम फाइनल नहीं ये सब दिल्ली का खेल', संजय राउत ने कसा तंज

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति को प्रचंड मिलने के बावजूद अभी तक मुख्यमंत्री के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों के नेता महायुति को निशाने पर ले रहे हैं। इस बीच शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने सीएम फाइनल नहीं होने पर महायुति पर तंज कसा है। संजय राउत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के केयर टेकर मुख्यमंत्री हैं, वो कैसे गायब हैं? भारी बहुमत है उनके पास फिर भी वो नाम नहीं घोषित कर पा रहें हैं। ये सब दिल्ली का खेल है। महाराष्ट्र में एक मरकत लीला चल रही है, दिल्ली में बैठ के डमरू बजा रहें हैं। वहीं शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फिल्म साबरमती रिपोर्ट देखने को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के पास साबरमती फिल्म के लिए समय है लेकिन, अडानी फाइल पर चर्चा करने के लिए टाइम नहीं है।

किसानों पर बात करने के लिए समय नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि फिल्मों को सजेशन तो हम भी दे सकते हैं। कश्मीर फाइल, साबरमती फाइल, बहुत फाइल हैं सब खुलेंगे। इनके परिवार के जो प्रोडूसर है उनसे बोले एक फिल्म मणिपुर फाइल भी बनाएं। वो भी जरूरी है।

पीएम मोदी ने देखी फिल्म साबरमती रिपोर्ट

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनडीए सांसदों के साथ फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखी। संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में मूवी की खास स्क्रीनिंग रखी गई थी। फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' देखने के बाद पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें भी शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म के मेकर्स की तारीफ भी की।

चोरी में क्रिप्टो एक्सचेंजों की बाप निकली ये कंपनियां, एक भी पैसा वसूल नहीं पाई सरकार!

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।आम आदमी मेहनत करके कमाई करता है। सरकार उस कमाई पर टैक्स लगाकर देश के विकास के लिए धन जुटाती है। इसी तरह विभिन्न कंपनियों पर भी अलग-अलग टैक्स लगते हैं और उससे प्राप्त आय को भी सरकार विकास के लिए खर्च करती है। लेकिन, अगर बड़े-बड़े बिजनेस ही टैक्स चोरी करने लगें तो क्या होगा? हाल ही में सरकार ने क्रिप्टो एक्सचेंजों द्वारा 824.14 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का खुलासा किया है। लोकसभा में दी गई जानकारी के मुताबिक, क्रिप्टो एक्सचेंज जैसे बिनांस वजीरएक्स कॉइन डीसीएक्स और कॉइन स्विच कुबेर पर जीएसटी चोरी का आरोप लगा है। इन मामलों में कुल 824.14 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी पाई गई है। हालांकि, सरकार अब तक केवल 122.29 करोड़ रुपये ही वसूल पाई है, जिसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। यह जानकारी वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लिखित में दी। सबसे बड़ा दोषी बिनांस ग्रुप माना गया है, जिस पर अकेले 722.43 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का आरोप है। अन्य कुछ एक्सचेंजों से तो सरकार ने रिकवरी भी कर ली है, मगर बिनांस से अभी तक कोई रिकवरी नहीं हो पाई है। वज़ीरएक्सः इसने 40.51 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की, लेकिन सरकार ने ब्याज और जुर्माने सहित 49.18 करोड़ रुपये की वसूली की। क्रिप्टोकरेंसी से होने वाली आय पर भारत सरकार 30 फीसदी का फ्लैट टैक्स लगाती है। इसके अलावा, सालाना 50,000 रुपये से ज्यादा के लेन-देन पर 1 फीसदी टीडीएस भी लागू होता है। मौजूदा जीएसटी अधिनियम में क्रिप्टो या डिजिटल एसेट्स की स्पष्ट परिभाषा नहीं है। हालांकि, वित्त बजट में वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को एक नया टर्म शामिल किया गया है। मार्च 2023 से, क्रिप्टो एसेट्स को प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत लाया गया है। इसके चलते सभी क्रिप्टो एक्सचेंज और सर्विस प्रोवाइडर्स द्वारा तय मानकों का पालन करना जरूरी कर दिया गया है।

युवक ने पुलिस में की थी शराब पीने की शिकायत, फिर देर रात आए आरोपी और लगा दी कार में आग

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लाजपत नगर में एक व्यक्ति की कार देर रात कुछ युवकों ने मिलकर जला दी। इस घटना के पीछे 2 कारण बताए जा रहे हैं। पहला कहा जा रहा कि आरोपी और पीड़ित युवक के बीच पार्किंग को लेकर विवाद था, दूसरा कहा जा रहा कि पीड़ित ने कुछ दिन पहले आरोपी की पार्क में शराब पीने की शिकायत पुलिस में की थी। लाजपत नगर के रहने वाले रंजीत सिंह ने दिल्ली पुलिस को शिकायत दी कि उनकी सियाज कार में रात में कुछ लोगों ने आग लगा दी।

इसके बाद पुलिस ने शिकायत पर जांच शुरू की जब इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की, तो उन्हें पता चला कि टेंट का बिजनेस करने वाले राहुल भसीन ने इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने बताया कि राहुल और उसके 6 दोस्तों को दिल्ली पुलिस ने करीब 700 किलोमीटर पीछा करने के बाद अमेठी से गिरफ्तार किया।

पुलिस की जांच में यह भी पता चला कि राहुल और उसके दोस्त नेपाल भागने की फिराक में थे, इसलिए उन्होंने इस रास्ते को चुना था।

प्रियंका के जीतने से बहुत खुश हूं

रॉबर्ट वाड्रा का एक और नया ऐलान राजनीति में जल्द करूंगा एंट्री

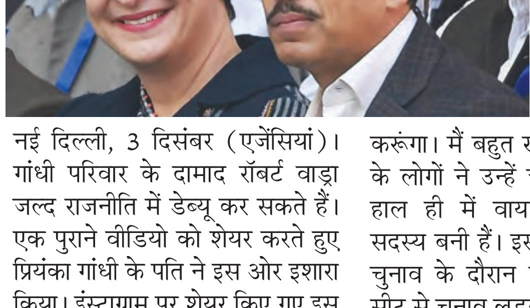

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा जल्द राजनीति में डेब्यू कर सकते हैं। एक पुराने वीडियो को शेयर करते हुए प्रियंका गांधी के पति ने इस ओर इशारा किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो के साथ कैप्शन में रॉबर्ट वाड्रा ने लिखा, 'मैं जल्द ज्वाइंन करूंगा।' वीडियो में रॉबर्ट वाड्रा से पूछा गया आप इतना काम करते हैं। सोशल वर्क करते हैं। चुनावी राजनीति में हम रॉबर्ट वाड्रा को देखेंगे? क्योंकि मैडम तो आ गई हैं। इसपर वाड्रा ने कहा- अभी जो जनता चाहेगी वही होगा। मेरे चाहने से कुछ नहीं होगा। ये प्रियंका का समय है। मेरा समय नहीं है। मैं प्रियंका के लिए करूंगा। अपने लिए बाद में करूंगा। मैं बहुत खुश हूं कि वायनाड के लोगों ने उन्हें चुना। प्रियंका गांधी हाल ही में वायनाड से लोकसभा सदस्य बनी हैं। इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान रॉबर्ट वाड्रा अमेठी सीट से चुनाव लड़ने का दावा कर चुके हैं। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने तब उन्हें टिकट नहीं दिया था। ऐसे में अब देखना होगा कि वाड्रा का यह ताजा बयान कितना सही साबित होता है। बीजेपी पहले ही कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाती रही है। अगर ऐसा होता है तो बीजेपी को बैठे-बिठाए मुद्दा मिल जाएगा। रॉबर्ट वाड्रा पहले भी कई बार भविष्य में राजनीति ज्वाइन करने की बात कह चुके हैं लेकिन अभी तक इसका औपचारिक ऐलान नहीं किया गया है। उधर, राजनीतिक पंडित कई बार यह साफ कह चुके हैं कि राहुल गांधी नहीं बल्कि प्रियंका गांधी कांग्रेस पार्टी की अगली उत्तराधिकारी साबित हो सकती हैं। राजनीतिक तौर पर कांग्रेस फिलहाल रसातल में है। अगर ऐसे वक्त पर रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री राजनीति में होती है तो पार्टी को इसका नुकसान होना तय है। इसके बावजूद रॉबर्ट वाड्रा अपनी राजनीति को चमकाने में जुटे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा के लोकसभा की सदस्यता ग्रहण करने पर रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था, 'प्रियंका के सांसद बनने से मेरा सपना हुआ पूरा। मैं भी सक्रिय राजनीति के लिए तैयार हूं। कांग्रेस जब चाहेगी तब मैं भी राजनीति में आ जाऊंगा। बीजेपी जिन मुद्दों को छुपाती है, उन सवालों को प्रियंका गांधी संसद में उठाएंगी। एजेंसियों के दुरुपयोग और महिलाओं से जुड़े मसले को प्रियंका गांधी उठाएंगी।'

डूब प्रभावित किसानों के बालिग बेटों को भी मिलेगा मुआवजा! हाईकोर्ट ने सरकार से पूछे सवाल

जबलपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ओंकारेश्वर बांध के डूब प्रभावित किसानों के बालिग बेटों को मुआवजा देने के मामले में सरकार को निर्देशित किया है। जस्टिस विशाल मिश्रा और जस्टिस अवनिंद्र कुमार सिंह की युगलपीठ ने इस पर विचार करने के लिए सरकार को दो माह का समय दिया है। नर्मदा बचाओ आंदोलन की ओर से दायर याचिका पर 7 जून 2013 को हाईकोर्ट ने सरकार को डूब प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज प्रदान करने का आदेश दिया था। हालांकि, याचिकाकर्ताओं ने आवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार ने विस्थापितों को पैकेज पर 15% का लाभ तो दिया, लेकिन इसे सभी पात्र व्यक्तियों तक नहीं पहुंचाया गया। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि प्रभावित किसानों के बालिग बेटों को विशेष पैकेज का लाभ नहीं दिया गया, जबकि वे इसके पात्र थे। यह कार्रवाई न केवल अवैधानिक है, बल्कि न्यायालय के आदेश का उल्लंघन भी है। युगलपीठ ने सुनवाई के बाद पाया कि प्रभावित किसानों के बालिग बेटों को मुआवजा देने में सरकार ने लापरवाही बरती है। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि वह इन बालिग बेटों को भी विशेष पैकेज का लाभ प्रदान करने पर विचार करे। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता मनोज शर्मा ने पैरवी की।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 4 दिसंबर- 2024

ट्रंप की धमकी का उद्देश्य

डॉनल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में पदग्रहण करेंगे लेकिन उन्होंने अभी से ब्रिक्स देशों को चेतावनी देना शुरू कर दिया है कि यदि वे अमेरिकी डॉलर का विकल्प तैयार करने की कोशिश करेंगे तो उन्हें अमेरिकी बाजार इसका मजा चखाए बिना नहीं रहेगा। ट्रंप की यह चेतावनी ब्रिक्स देशों के अक्टूबर सम्मेलन के जवाब में है, जिसमें नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन पर चर्चा हुई थी। दूसरी पारी की औपचारिक शुरुआत से पहले ही डॉनल्ड ट्रंप का यह रुख देख कर ही ब्रिक्स देशों के हाल बेहाल होने लगे हैं। बता दें कि ब्रिक्स में अमेरिका विरोधी माने जाने वाले रूस और चीन जैसे देश तो हैं ही भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका के साथ ही अब इजिप्ट, ईरान और यूएई जैसे देश भी हैं। देखा जाए तो ट्रंप का यह बयान ब्रिक्स देशों के अक्टूबर में हुए शिखर सम्मेलन का जवाब माना जा रहा है, जिसमें नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई थी। यह बात अलग है कि सम्मेलन के आखिर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कर दिया था कि सिस्टम सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशल टेलिकम्युनिकेशन (स्विफ्ट) जैसी वित्तीय संरचना का विकल्प खड़ा करने की दिशा में कुछ ठोस नहीं किया गया है। तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि ब्रिक्स को ऐसा कुछ नहीं करना चाहिए जिससे उसकी छवि ऐसी बने कि वह वैश्विक संस्थानों की विदाई चाहता है। इसके बावजूद अगर ट्रंप इतने आशंकित हैं कि ब्रिक्स देशों से डॉलर का विकल्प खड़ा न करने की गारंटी मांग रहे हैं तो वह अकारण नहीं है। हकीकत तो यही है कि समय-समय पर कई देशों ने नॉन-डॉलर ट्रांजेक्शन की गुंजाइश तलाशने का हर तरह से प्रयास किया है। खासकर, अमेरिका ने जिस तरह से 2012 में ईरान और 2022 में रूस को स्विफ्ट से बाहर करके अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन की इस व्यवस्था पर अपना दबदबा साबित किया, उसके बाद ऐसे प्रयासों की जरूरत ज्यादा महसूस की जाने लगी। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डॉनल्ड ट्रंप ने यह धमकी किसी सौदेबाजी के मकसद से दी है या वह 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सचमुच इस पर अमल करने वाले हैं। इस पर जानकारों की राय बंटी हुई है। फिर भी इतना तय है कि यह काम ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। अगर वह अपनी इस घोषणा को अमली जामा पहनाने की जिद पर अड़े रहे तो संभव है कि फायदे के बदले अमेरिकी अर्थव्यवस्था का नुकसान न हो जाए। जहां तक भारत के रुख का सवाल है तो उसे इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम उठाना होगा। डॉलर की बजाय अपनी करेंसी में द्विपक्षीय लेनदेन की गुंजाइश बनाए रखना और जरूरत के मुताबिक उसका इस्तेमाल करना भारत के हक में तो है, लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि डॉलर के दबदबे में कमी प्रकारांतर से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन का प्रभाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ा सकती है। यदि ऐसा हुआ तो यह चीन के लिए तो फायदेमंद हो सकता है लेकिन भारत को काफी मशक्क्त करनी पड सकती है।

क्या टीएमसी, सपा और आप गठबंधन से किनारा करेंगी

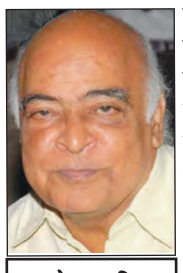

अशोक भाटिया

सोमवार को संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले इंडिया गठबंधन के नेताओं की एक बैठक राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के कमरे में हुई, जिसमें लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी पहुंचे। हालांकि उस बैठक में तृणमूल कांग्रेस के सांसद नदारद रहे। इसकी आशंका पिछले शुक्रवार को ही हो गयी थी, जब चार दिन तक अडानी प्रकरण को लेकर संसद संसद का कामकाज बाधित रहा। टीएमसी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस को पहले ही पार्टी ने अपने रुख से अवगत करा दिया था। इस प्रकरण से कहा जा सकता है कि लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने के इरादे से बनाए गए इंडिया गठबंधन में बिखराव देखने मिल रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र के लिए कई मुद्दों को लेकर विपक्षी गठबंधन में आपसी सहमति नहीं बन पा रही है। एक तरफ जहां कांग्रेस चाहती है कि गौतम अडानी और ईवीएम के मुद्दे को सदन में उठाया जाए तो वहीं कई दल चाहते हैं कि ऐसे मुद्दों को सदन में उछाला जाए, जिसका जनता से सीधा सरोकार हो। सूत्रों ने कहा कि जब केवल कॉरपोरेट को लाभ होता है और चुनावी प्रक्रिया में खामियां हैं और विकल्पों को नकार दिया जाता है, तो यह लोगों का मुद्दा कैसे नहीं हो सकता है। इस बैठक में इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्य तृणमूल कांग्रेस ने हिस्सा न लेना ही एक बड़ा मुद्दा बन गया है । तीसरी बार बैठक में भाग न लेने वाली पार्टी का कहना है कि यह स्पष्ट हैं कि हम लोगों के मुद्दों पर मोदी सरकार से भिड़ना चाहते हैं।टीएमसी के मुताबिक, क्रोनी कैपिटलिज्म और ईवीएम जैसे मुद्दे लोगों को पसंद नहीं आते। पार्टी ने सवाल करते हुए कहा, ₹उन इलाकों को देखिए जहां राहुल गांधी ने प्रचार किया है। अगर उन्होंने जो कहा वह लोगों के लिए मायने रखता तो कांग्रेस क्यों हारी? वहीं, टीएमसी, समाजवादी पार्टी (एसपी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे सहयोगी दल कांग्रेस के ईवीएम और क्रोनी कैपिटलिज्म के प्रति ₹जुनून₹ को लेकर उत्साहित नहीं हैं। जबकि कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो' की तर्ज पर 'ईवीएम जगाओ यात्रा' की योजना बनाई है और इंडिया ब्लॉक पार्टियों को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है, उनमें से अधिकांश ने बहुत कम रुचि दिखाई है। कुछ लोगों ने यह भी पूछा कि क्या यह यात्रा उन राज्यों से होकर गुजरेगी जहां कांग्रेस ने चुनाव जीता है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान किया है। अरविंद केजरीवाल ने बीते रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में 2025 के विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस के साथ किसी भी गठबंधन से इनकार किया है। टीएमसी का साफ कहना है कि उनकी पार्टी के सांसद जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर मोदी सरकार से भिड़ना चाहते हैं जिनमें- महंगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक और मणिपुर हिंसा जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही सपा चाहती है कि इन मुद्दों के साथ-साथ संभल हिंसा को भी जोड़ दिया जाए। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा भी कि हमारे लिए अडानी से बड़ा मुद्दा किसान हैं और संभल हिंसा है। इंडिया गठबंधन ब्लॉक में विभाजन के पीछे असली राजनीति भी छिपी है। उदाहरण के लिए, दिल्ली में यह स्पष्ट है कि आप और कांग्रेस सहयोगी नहीं होंगे। बंगाल में टीएमसी और कांग्रेस कभी एक दूसरे से सहमत नहीं हो सकते। यूपी में अखिलेश यादव ने कहा है कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है। दरअसल गठबंधन में शामिल दलों के अपने अलग-अलग मुद्दे हैं, लेकिन कांग्रेस सिर्फ अडानी प्रकरण पर प्रधानमंत्री को घेरने की कोशिश में लगी है। अन्य दलों को अब लग रहा है कि वे अपने मुद्दे को कांग्रेस के कारण सदन में नहीं उठा रहे हैं। सपा अपना फोकस यूपी पर करना चाहती है, लेकिन सदन नहीं चलने के कारण संभल सहित प्रश्न पत्र लीक प्रकरण को वह अब तक नहीं उठा पायी है। राजद भी बिहार से संबंधित कई मुद्दों को संसद में उठाना चाह रहा है। यही हाल डीएमके का भी बताया जा रहा है। सबसे ज्यादा समस्या उन सांसदों के सामने है, जो अब तक अपना मेडन स्पीच भी संसद में नहीं दे पाये है। पहली बार चुनकर आये कई सांसदों ने अपने-अपने दल के नेताओं से अपनी पीड़ा व्यक्त की है। कांग्रेस के कई सांसद भी यह मानने लगे हैं कि संसद न चलने का ज्यादा नुकसान उन्हें ही हो रहा है। सरकार को कटघरे में खड़ा करने का समय उनके हाथ से निकल रहा है।क्योंकि सरकार से कोई सवाल नहीं पूछा जा रहा है और सरकार आंकड़ों में हेर-फेर कर सदन के बाहर देश को गुमराह कर रही है। जबकि संसद में सरकार की ओर से कोई आंकड़ा दिया जाता है, तो सरकार को उसके लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है। सोमवार को जब लोकसभा अध्यक्ष की ओर से सर्वदलीय बैठक बुलायी गयी, तो संविधान पर चर्चा भाग न लेने का विकल्प विपक्ष के पास नहीं था। कांग्रेस लोगों के बीच यह संदेश नहीं देना चाहती कि संविधान की रट लगाने वाले पार्टी संविधान पर होने वाली चर्चा में भाग लेने से पीछे हट रही है। यही कारण रहा कि संविधान पर चर्चा को लेकर सभी दलों ने हामी भरी, लेकिन संसद के सुचारू संचालन में अभी कई बाधाएं है, जिसे दूर करने की जरूरत होगी। कुछ कांग्रेस सांसद तो अब यहां तक कहने लगे है कि प्रियंका गांधी के लोकसभा में आने से रणनीति में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। उनके मुताबिक प्रियंका ज्यादा प्रैक्टिकल हैं, वे वायनाड में भी जनता के ही मुद्दों पर फोकस कर रही थीं, ऐसे में यहां भी उनकी प्राथमिकता ऐसी ही देखने को मिल सकती है। अब समझने वाली बात यह है कि कांग्रेस के कई सांसदों में रोष है, लेकिन राहुल गांधी के खिलाफ जाने की हिम्मत किसी में नहीं। यह बात अब जगजाहिर हो चुकी है कि राहुल गांधी के लिए अडानी मुद्दा सबसे ज्यादा प्रिय है, वे इसी के सहारे चुनावों में उतरते हैं और सीधे पीएम मोदी को निशाने पर लेते हैं। संसद में भी वे सिर्फ इसी मुद्दे के दम पर केंद्र को पूरी तरह आइसोलेट करना चाहते हैं। लेकिन अब जब सदन कई दिनों से नहीं चल पा रहा है, कांग्रेस के ही सांसद मानने लगे हैं कि इस तरह से संसद को बाधित रखना ठीक नहीं। ऐसी स्थिति में सरकार की जवाबदेही तय करना और ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। उधर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी हार के बाद टीएमसी ने उसके नेतृत्व पर ही सवाल उठाने शुरू कर दिए है। तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल के सभी 6 विधानसभा उपचुनावों में जीत हासिल की है वहीं महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार को लेकर INDIA अलायंस के नेतृत्व परिवर्तन की मांग भी उठा दी है। पार्टी के सीनियर लीडर और सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा है कि कांग्रेस को अहंकार अपना किनारे रखना चाहिए और ममता बनर्जी को INDIA ब्लॉक का लीडर घोषित किया जाए। उन्होंने कहा कि गठबंधन को एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व की जरूरत है। टीएमसी सांसद ने दावा किया कि ममता बनर्जी के पास मजबूत नेतृत्व है। साथ ही, उनके जमीनी स्तर से जुड़ाव ने उन्हें विपक्षी गठबंधन के लिए सबसे कारगर व्यक्ति बना दिया है। रक्तदान शिविर में बोलते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, 'कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को हाल के चुनावों में मिली विफलता को स्वीकार करना होगा। अब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं पर एकता को प्राथमिकता देने की जरूरत है। उन्हें अपना अहंकार छोड़ देना चाहिए और ममता बनर्जी को इंडिया गुट के नेता के रूप में स्वीकार करना होगा।' तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने मुख्यमंत्री ममता के भाजपा से लड़ने के ट्रैक रिकॉर्ड का जिक्र किया। उन्होंने ममता बनर्जी को सिद्ध नेता बताते हुए कहा, 'वह पूरे देश में एक लड़ाकू के रूप में पहचानी जाती हैं। उनका नेतृत्व और जनता से जुड़ने की क्षमता उन्हें आदर्श चेहरा बनाती है। इसलिए एकजुट और व्यावहारिक दृष्टिकोण के बिना विपक्ष के प्रयास लड़खड़ाते रहेंगे।'

निरंतर मजबूत हो रही है भारतीय नौसेना

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना के जांबाजों को याद करते हुए 'भारतीय नौसेना दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय नौसेना की शानदार जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। दरअसल 3 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना ने हमारे हवाई और सीमावर्ती क्षेत्र में हमला कर दिया था। दुष्ट पाकिस्तान को उस हमले का मुहतोड़ जवाब देने के लिए पाकिस्तानी नौसेना के कराची स्थित मुख्यालय को निशाने पर लेकर 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' चलाया गया था और भारतीय नौसेना की मिसाइल नाव तथा दो युद्धपोतों के आक्रमणकारी समूह ने कराची के तट पर जहाजों के समूह पर हमला कर दिया था। हमले में पाकिस्तान के कई जहाज और ऑयल टैंकर तबाह कर दिए गए थे। भारतीय नौसेना का वह हमला इतना आक्रामक था कि कराची बंदरगाह पूरी तरह बर्बाद हो गया था और कराची तेल डिपो पूरे सात दिनों तक धू-धूकर जलता रहा था। तेल टैंकरों में लगी आग की लपटों को 60 किलोमीटर दूर से भी देखा जा सकता था। उस हमले में कराची हार्बर फ्यूल स्टोरेज तबाह होने के कारण पाकिस्तानी नौसेना की कमर टूट गई थी। भारतीय नौसेना द्वारा किए गए हमले में तीन विद्युत क्लास मिसाइल बोट, दो एंटी-सबमरीन और एक टैंकर शामिल थे और युद्ध में भारतीय नौसेना ने पहली बार जहाज पर मार करने वाली एंटी शिप मिसाइल से हमला किया था। ऑपरेशन ट्राइडेंट की सफलता के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में जीत हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को सलाम करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाने की शुरूआत हुई। नौसेना दिवस हर साल एक खास थीम के साथ मनाया जाता है और 2024 के नौसेना दिवस का विषय है 'नवाचार और स्वदेशीकरण के माध्यम से शक्ति और शक्ति'। नौसेना दिवस समारोह में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की योजना विशाखापट्टनम स्थित भारतीय नौसेना कमान द्वारा तैयार की जाती है। समारोह की शुरुआत युद्ध स्मारक पर पुष्प अर्पित करके की जाती है, उसके बाद नौसेना की पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों आदि की ताकत और कौशल का प्रदर्शन किया जाता है। नौसेना के मुंबई स्थित मुख्यालय में इस अवसर पर नौसैनिक अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हैं और गेटवे ऑफ इंडिया बीटिंग रीट्रिट सेरेमनी का आयोजन किया जाता है। भारतीय नौसेना मुख्य रुप से तीन भागों (वेस्टर्न नेवल कमांड, ईस्टर्न नेवल कमांड तथा दक्षिणी नेवल कमांड) में बंटी है। वेस्टर्न नेवल कमांड का मुख्यालय मुंबई में, ईस्टर्न नेवल कमांड का विशाखापत्तनम में और दक्षिणी नेवल कमांड का कोच्चि में है। वेस्टर्न तथा ईस्टर्न कमांड ऑपरेशनल कमांड है, जो अरब सागर और बंगाल की खाड़ी को संभालती है जबकि दक्षिणी नेवल कमांड ट्रेनिंग कमांड है। केरल स्थित एझिमाला नौसेना अकादमी एशिया की सबसे बड़ी नौसेना अकादमी है। भारत के राष्ट्रपति भारतीय नौसेना के सुप्रीम कमांडर हैं। वॉइस एडमिरल राम दास कटारी 22 अप्रैल 1958 को भारतीय वायुसेना के पहले भारतीय चीफ बने थे। भारतीय नौसेना का नीति वाक्य है 'शं नो वरूणः' अर्थात जल के देवता वरूण हमारे लिए मंगलकारी रहें।

भारतीय नौसेना का कार्य भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा करना है और इसके गठन का इतिहास ब्रिटिश काल से जुड़ा है। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने भारतीय नौसेना की स्थापना वर्ष 1612 में ब्रिटिश व्यापारियों के जहाजों की सुरक्षा के लिए 'ईस्ट इंडिया कम्पनी मरीन' के रूप में की थी। वर्ष 1686 तक ब्रिटिश व्यापार पूरी तरह से बॉम्बे में स्थानांतरित हो जाने के बाद इस दस्ते का नाम 'ईस्ट इंडिया मरीन' से बदलकर 'बॉम्बे मरीन' कर दिया गया, जिसने मराठा, सिंधी युद्ध के साथ-साथ वर्ष 1824 में बर्मा युद्ध में भी हिस्सा लिया था। वर्ष 1892 में इसका नाम 'रॉयल इंडियन नेवी' रखा गया। देश की आजादी के बाद वर्ष 1950 में नौसेना का गठन फिर से किया गया और 26 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के बाद इसका नाम रॉयल इंडियन नेवी से बदलकर इंडियन नेवी (भारतीय नौसेना) कर दिया गया। भारतीय नौसेना वर्तमान में विशालकाय और एडवांस फीचर से लैस अपने युद्धक पोतों, सबमरीन्स इत्यादि के बलबूते दुनियाभर में चौथे स्थान पर है। मौजूदा समय में भारतीय नौसेना की ताकत पर नजर डालें तो भारतीय नौसेना के बेड़े में दो विशाल विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य तथा आईएनएस विक्रांत के अलावा अनेक अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट, वॉरफेयर शिप, सबबमरीन तथा अन्य सैन्य साजो-सामान हैं, जो इसे दुनिया में चौथी सबसे मजबूत नौसेना बनाते हैं।

बहरहाल, यह गर्व की बात है कि हिन्द महासागर में ड्रैगन के कब्जे की रणनीति को नाकाम करने के लिए भारत अपनी समुद्री ताकत बढ़ाने के लिए लगातार विध्वंसक युद्धपोतों और पनडुब्बियों के निर्माण में लगा है। इसी कड़ी में आईएनस कलवरी, खंडेरी और आईएनएस करंज के बाद स्वदेशी पनडुब्बी आईएनएस वेला को नौसेना में शामिल किया जा चुका है, जो अत्याधुनिक मशीनरी और टैक्नोलॉजी के साथ-साथ घातक हथियारों से भी लैस है। इस सबमरीन को 'साइलेंट किलर' कहा जाता है, जो दुश्मन को उसकी मौत की भनक तक नहीं लगने देती। कुल मिलाकर, भारतीय नौसेना की ताकत दिनों-दिन बढ़ रही है और वर्तमान में इसकी ताकत के आगे पाकिस्तानी नौसैना कहीं नहीं ठहरती तथा चीन की चुनौतियों का भी हमारी नौसेना डटकर मुकाबला कर रही है।

मंडरा रहा है ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ़्लड का खतरा?

सुनील कुमार महला

ग्लोबल वार्मिंग आज भारत ही नहीं , संपूर्ण विश्व की एक बड़ी समस्या है। आज धरती पर ग्रीन हाउस गैसों में निरंतर बढ़ोत्तरी हो रही है। प्रदूषण में भी बढ़ोत्तरी का क्रम लगातार जारी है। ग्रीन हाउस गैसों की अधिकता, बढ़ते प्रदूषण से धरती पर कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सीएफसी की मात्रा लगातार बढ़ रही है और धरती के तापमान में लगातार इजाफा हो रहा है। तापमान में वृद्धि के कारण देश में बारिश का पैटर्न प्रभावित हुआ है और आज लगातार जलवायु में अनेक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। बारिश के पैटर्न में बदलाव से जहां चक्रवाती तूफानों का जन्म हो रहा है वहीं पर धरती पर भूस्खलन जैसी घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण आज कहीं सूखे की स्थितियां उत्पन्न हो रहीं हैं तो कहीं अतिवृष्टि की। हाल फिलहाल चिंता की खबरें हिमालयन ग्लेशियल लेक्स से आ रही हैं। ग्लेशियन लेक्स के कारण आज पड़ोसी चीन की सीमा से बाढ़ का खतरा बढ़ा है। यह चिंताजनक इसलिए है क्यों कि पिछले एक दशक में 544 ग्लेशियल झीलों और 358 जल निकायों में 10.81% के कुल क्षेत्रफल वृद्धि देखने को मिली है। इस संबंध में सबसे ज़्यादा वृद्धि चीन में देखी गई है, भारत में भी इसी तरह के पैटर्न उभर रहे हैं, जहां 67 झीलों के आकार में वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की सितंबर 2024 की रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है कि अब भारतीय क्षेत्र में ग्लेशियल झीलों के बढ़ने से बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इस खतरे का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग को बताया गया है। यह बहुत ही गंभीर और संवेदनशील है कि हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर झीलों में 13 साल के अंतराल में 33.7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य समेत पांच राज्यों में हालात और ज्यादा चिंताजनक व गंभीर नजर आ रहे हैं। यहां ग्लेशियर झीलों का आकार 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जल आयोग ने हिमालयी ग्लेशियर झीलों के क्षेत्रफल में बदलाव के आकलन के लिए वर्ष 2011 से सितंबर 2024 तक की स्थिति का अध्ययन किया, जिसमें चौंकाने वाले खुलासे में यह पता चला है कि भारत में ग्लेशियर झीलों का क्षेत्रफल 1,962 हेक्टेयर था, जो सितंबर 2024 में बढ़कर 2,623 हेक्टेयर हो गया है, जो 33.7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी है। ग्लेशियर लेक्स का दायरा बढ़ने के कारण अन्य जल निकायों में भी पानी की मात्रा में बढ़ोतरी हुई है। क्या यह गंभीर और संवेदनशील नहीं है कि वर्ष 2011 में ग्लेशियर झीलों समेत अन्य जल निकायों का कुल क्षेत्रफल 4.33 लाख हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 10.81 प्रतिशत बढ़कर 5.91 लाख हेक्टेयर हो गया है। भारत ही नहीं पड़ौसी नेपाल, चीन और भूटान में भी खतरा बढ़ा है। यहां उल्लेखनीय है कि चीन में, 50 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल वाली दो झीलों और 14 जल निकायों में 40% से अधिक की वृद्धि हुई है जिससे सीमा पर खतरा पैदा हो गया है। सीवीसी रिपोर्ट में सामने आया है कि 67 झीलों के सतही क्षेत्र में 40 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोत्तरी हुई है।उत्तराखंड समेत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में यह सर्वाधिक है। वास्तव में ऐसी लेक्स से ' ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड' यानी कि जीएलओएफ का खतरा सर्वाधिक है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ को ही ग्लेशियल झील विस्फोट बाढ़ कहते हैं।

नन्हे बच्चों का कुपोषण एक अभिशाप

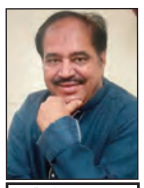

संजीव ठाकुर

बच्चे देश के भविष्य होते है। यदि देश का भविष्य ही कुपोषित रहेगा, कमजोर रहेगा तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना करना बेमानी होगा। भारत में बच्चों के भुखमरी तथा कुपोषण एक बड़े अभिशाप की तरह सामने आ रहे हैं यह देश की एक प्रमुख समस्या भी है। देश में कुपोषण से बच्चे यानी आने वाले कल के जिम्मेदार नागरिकों की हालत बहुत ज्यादा चिंताजनक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश के 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में 33 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार है और इनमें 50% बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित होकर बीमारी को झेल रहे हैं। देश में भले ही जोर शोर से बाल दिवस हर साल मनाया जाता है और उसी पर करोड़ों खर्च कर दिया जाता है। देश में एक महिला तथा बाल विकास मंत्रालय अलग खोल के रखा गया है, पर बच्चों के कुपोषण पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। ऐसी क्या वजह है की नौनिहालों के पोषण के लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास इतने संसाधन होने के बावजूद धन मुहैया नहीं हो पाता है। मलेरिया, टीबी और ना जाने अन्य कितनी बीमारियों पर भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने अरबों रुपए खर्च कर दिए हैं, पर जो भारत की मुख्य रीढ़ की हड्डी है यानी कि आने वाले कल के नागरिक वर्तमान के बच्चे यदि कुपोषित हैं तो यह अत्यंत चिंतनीय सोचनीय तथा विचारणीय पहलू है। सरकारी एजेंसियों द्वारा एक आर,टी,आई के जवाब में बताया गया कि 34 राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों संकलित आंकड़ों के मुताबिक 34 लाख बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्यप्रदेश है।

विगत दिनों करोना संक्रमण के कारण भी बच्चे कुपोषित हुए हैं और आने वाले कल के दिन में भी और बच्चों के कुपोषण कथा मृत्यु की आशंका बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 18 लाख बच्चे बहुत ज्यादा कुपोषित है एवं शेष 16लाख बच्चे अल्प कुपोषित हैं। जब अरबों रुपए अन्य बीमारियों के संक्रमण में लगाए जा सकते हैं तो एक अभियान के तहत बच्चों के कुपोषण को दूर करने के लिए भी मैराथन प्रयास किए जाने चाहिए ।जिससे बच्चे तो कम से कम कुपोषित ना हो वैसे भारत कुपोषण के मामले में वैश्विक स्तर पर बांग्लादेश तथा पाकिस्तान से भी पीछे है उसका नंबर 101वां है, ऐसे हालात में महिला तथा बाल विकास को महिलाओं तथा बच्चों के लिए ही एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें कुपोषित होने से बचाना होगा। पोषण ट्रैकर के हवाले से बताया गया कि सिर्फ महाराष्ट्र में ही कुपोषित बच्चों की संख्या छह लाख दर्ज की गई है जिनमें 1,57 लाख बच्चे अल्प कुपोषित तथा 4,58 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। दूसरे नंबर पर बिहार प्रदेश आता है जहां 5लाख कुपोषित बच्चे और तीसरे नंबर पर गुजरात प्रदेश होता है जहां 3:30 लाख बच्चे कुपोषित हैं। महाराष्ट्र बिहार गुजरात और मध्य प्रदेश बहुत सक्षम और देश के बड़े राज्य हैं, यहां पर स्वास्थ्य विभाग पर अरबों रुपए खर्च किए जाते हैं, फिर ऐसी क्या वजह है कि बच्चों के कुपोषण की दर इतनी ज्यादा तथा चिंताजनक हो गई है। कुपोषित बच्चे भी बड़े होते हैं तो वह कई बीमारियों को लेकर धीरे-धीरे बढ़ते हैं और इससे उनकी लंबाई तथा स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है देश के 34% कुपोषित बच्चों का कद औसत कद से बहुत कम हो जाता है। 21% बच्चे जो कुपोषण के कारण यदि वह बच भी जाते हैं तो उनका वजन अत्यंत कम हो जाता है। ऐसे कम लंबाई तथा कम वजन के बेचारे बच्चे देश का क्या भविष्य बना पाएंगे या देश में अपना योगदान क्या दे पाएंगे। इसीलिए भारत सरकार राज्य सरकारों को कम से कम बच्चों की तरफ तो ज्यादा से ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

वैश्विक भूख सूचकांक(ग्लोबल हंगर इंडेक्स) के आंकड़ों के हिसाब से 2021 में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर पहुंच गया है इस मामले में वह अपने पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल से काफी पीछे है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों पर उठते सवाल

प्रियंका सौरभ

भारतीय संस्थानों से एसटीईएम स्नातकों के एक बड़े प्रतिशत में आवश्यक कौशल का अभाव है, जो उद्योग और अनुसंधान प्रगति में बाधा डालता है। संस्थागत रैंकिंग को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान आउटपुट पर ध्यान केंद्रित करने से कई शिक्षण-केंद्रित संस्थानों ने अक्सर निम्न-गुणवत्ता वाले आउटलेट में प्रकाशन पत्र और पेटेंट को प्राथमिकता दी है, कई संस्थानों में संकाय पर अत्यधिक बोझ है, पेशेवर विकास के लिए बहुत कम समय या प्रोत्साहन है। संकाय भर्ती अक्सर स्थानीयकृत होती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन और दृष्टिकोण की विविधता सीमित हो जाती है। क्वांटम कंप्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी पहलों के लिए कुशल पेशेवरों की आवश्यकता होती है, लेकिन सीमित योग्य कर्मियों और अपर्याप्त प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे के कारण इन पहलों का उपयोग कम होने का ख़तरा है। वर्तमान संरचना संसाधनों, पाठ्यक्रम या संकाय के आदान-प्रदान की सुविधा नहीं देती है, जिससे शिक्षा और अनुसंधान के बीच विभाजन मज़बूत होता है, विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी में योगदान के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, भारत अब एक ऐसे महत्त्वपूर्ण मोड़ पर है जहाँ देश में (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) शिक्षा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जैसे-जैसे दुनिया तेजी से डिजिटल होती जा रही है, शिक्षा में प्रौद्योगिकी का समावेश केवल एक चलन नहीं बल्कि एक आवश्यकता बन गया है। प्रौद्योगिकी छात्रों और शिक्षकों के बीच सहयोग को सुगम बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म और उपकरण परियोजनाओं पर वास्तविक समय में सहयोग को सक्षम करते हैं, टीमवर्क और संचार कौशल को प्रोत्साहित करते हैं। ये सहयोगात्मक अनुभव पेशेवर दुनिया में वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की सहयोगात्मक प्रकृति को दर्शाते हैं। शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण कई लाभ लाता है, यह चुनौतियों को भी सामने लाता है जिन्हें व्यापक परिवर्तन के लिए सम्बोधित करने की आवश्यकता है। डिजिटल डिवाइड एक महत्त्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिसमें प्रौद्योगिकी और इंटरनेट तक पहुँच में असमानताएँ हैं। इस अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है कि सभी छात्रों को, उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, प्रौद्योगिकी के उपयोग से लाभ उठाने के समान अवसर मिलें। शिक्षकों को भी अपने शिक्षण विधियों में प्रौद्योगिकी को प्रभावी ढंग से एकीकृत करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करना सुनिश्चित करता है कि वे प्रौद्योगिकी के उपयोग को समझने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। इसके अतिरिक्त, शिक्षा में प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग, जिसमें डेटा गोपनीयता और सुरक्षा शामिल है, को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। छात्रों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपायों को लागू करना और शिक्षा प्रौद्योगिकी उपकरणों के विकास में नैतिक प्रथाओं को सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण क़दम हैं। शिक्षण-केंद्रित संस्थानों के मूल्यांकन को अनुसंधान मेट्रिक्स से अलग करके, रैंकिंग अनुसंधान आउटपुट पर शिक्षण गुणवत्ता को प्रतिबिंबित कर सकती है, जिससे इन संस्थानों पर निम्न-गुणवत्ता वाले अनुसंधान को आगे बढ़ाने का दबाव कम हो सकता है। शिक्षण संस्थानों को मूलभूत कौशल को मज़बूत करने के लिए, विशेष रूप से प्रारंभिक वर्षों में, अनुसंधान पर शिक्षाशास्त्र को प्राथमिकता देनी चाहिए। एक समर्पित शिक्षण ट्रैक शुरू किया जा सकता है, जिससे शिक्षाशास्त्र में रुचि रखने वाले संकाय सदस्यों को अकेले अनुसंधान आउटपुट के बजाय अपने शिक्षण कौशल के आधार पर आगे बढ़ने की अनुमति मिल सके। अनुसंधान संस्थान संयुक्त डिग्री कार्यक्रम बनाने के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ साझेदारी कर सकते हैं, जिससे उच्च प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अपना काम पूरा करने में मदद मिलेगी अनुसंधान-केंद्रित संस्थानों में अध्ययन। इस दृष्टिकोण का एक उदाहरण एनआईटी सूरत और आईआईटी बॉम्बे के बीच सहयोग है, जो छात्रों को एक प्रमुख संस्थान में उन्नत अध्ययन पूरा करने की अनुमति देता है। सरकारी फंडिंग को शिक्षण संस्थानों के भीतर शिक्षाशास्त्र में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की दिशा में निर्देशित किया जाना चाहिए।

खम्मम के येल्नाडू मंदिर में हनुमान जी के साथ विराजमान हैं उनकी पत्नी!

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी की पूजा अराधना करने से व्यक्ति के जीवन में आ रहे सभी कष्ट व दुख दूर होते हैं। इसलिए हनुमान जी का एक नाम संकटमोचन भी है। धर्म शास्त्रों के अनुसार हनुमान बाल ब्रह्मचारी थे और भगवान राम की भक्ति में ही उन्होंने अपना सारा जीवन बिताया। लेकिन दुनिया में एक ऐसा मंदिर भी जहां हनुमान अकेले नहीं बल्कि अपनी पत्नी के साथ विराजित हैं और उनका जोड़े में पूजन किया जाता है। पराशर संहित में भी हनुमान जी के विवाह का जिक्र किया गया है। आइए जानते हैं कब और कैसे हुआ था हनुमान जी का विवाह? कहां है हनुमान जी और उनकी पत्नी का मंदिर?

हनुमान जी थे ब्रह्मचारी

रामायण व रामचरित मानस दोनों ही ग्रंथों में हनुमान जी को बाल ब्रह्मचारी बताया गया है। लेकिन पराशर संहिता के अनुसार हनुमान जी ने भी विवाह किया था और विवाह के बाद भी वह ब्रह्मचारी ही रहे। ऐसी क्या वजह थी जिसके लिए हनुमान को ब्रह्मचारी होते हुए भी विवाह करना पड़ा? आइए जानते हैं इसके पीछे छिपी एक बेहद ही रोचक पोराणिक कथा के बारे में। हनुमान जी के विवाह की कहानी पौराणिक कथाओं के अनुसार हनुमान जी ने अपने गुरु सूर्य देव से 9 विद्याओं की शिक्षा लेना शुरू किया। सूर्य देव ने उन्हें 5 विद्याएं तो सिखा दीं लेकिन जब अन्य 4 विद्याओं की बारी आई तो वह परेशान हो गए। क्योंकि ये 4 विद्याएं केवल विवाहित होने पर ही प्राप्त की जा सकती थीं। ऐसे में भगवान सूर्य ने हनुमान जी को विवाह करने का सुझाव दिया। लेकिन हनुमान तो बाल ब्रह्मचारी थे और वह जीवनभर ब्रह्मचारी ही रहना चाहते थे।

हनुमान की इस परेशानी को देखते हुए भगवान सूर्य ने अपनी तपस्वी पुत्री सुवर्चला के साथ उनका विवाह करने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि सुवर्चला तपस्या में लीन रहती हैं और उनके साथ विवाह कर हनुमान जीवनभर ब्रह्मचारी रह सकेंगे। सूर्य देव की बात मानकर हनुमान राजी हो गए और उनका विवाह सुवर्चला से हो गया। विवाह के बाद सुवर्चला वापस तपस्या में लीन हो गई और हनुमान जी ने अपनी 4 विद्याएं प्राप्त कीं।

हनुमान जी और उनकी पत्नी का मंदिर

तेलंगाना के खम्मम जिले के येल्नाडू में हनुमान जी का एक ऐसा मंदिर स्थित है जहां वह अपनी पत्नी सुवर्चला के साथ विराजमान हैं। हनुमान जी और उनकी पत्नी का यह दुनिया में इकलौता मंदिर है। लोगों के बीच इस मंदिर की काफी मान्यता है। यहां हर साल ज्येष्ठ शुद्ध दशमी के दिन माता सुवर्चला और हनुमान जी के विवाह का उत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

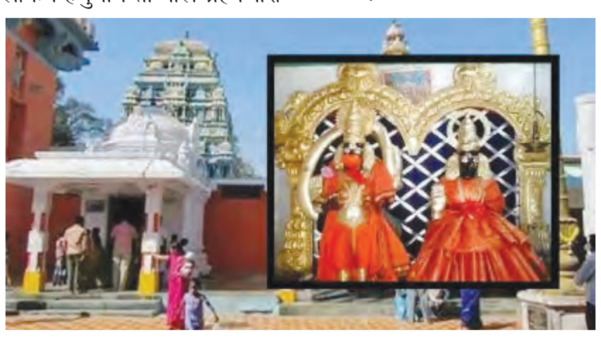

सबके पाप गंगा में धुल जाते हैं तो क्या गंगा पापी हो गई?

पौराणिक कथा

हिंदू पौराणिक कथाओं में मनुष्य की हर जिज्ञासा का जवाब मिल जाता है। ऐसी ही एक कथा मनुष्य और उसके पापों को लेकर है। एक बार एक ऋषि के मन में सवाल आया कि अगर गंगा में स्नान करने से सबके पाप धुल जाते हैं तो पाप आखिर जाता कहां है, क्या गंगा पापी हो गईं? ऋषि अपने सवाल के जवाब की खोज में निकल जाते हैं।

अपने सवाल का जवाब पाने के लिए ऋषि ने देवताओं का तपस्या की। जब देवताओं ने दर्शन दिया तो ऋषि ने पूछा कि गंगा में जो पापा धोया जाता है वह कहां जाता है? देवताओं ने कहा कि चलो गंगा जी से ही पूछते हैं।

ऋषि और देवता दोनों ने गंगा से पूछा कि लोग आप में स्नान कर के अपना पाप धोते हैं। तो इसका मतलब क्या आप भी पापी हुईं? गंगा ने जवाब दिया कि मैं तो सब कुछ ले जाकर समुद्र को दे देती हूं। मेरा लोगों के पाप से कुछ लेना-देना नहीं है।

अब ऋषि और देवता समुद्र के पास जाते हैं। समुद्र से पूछते हैं कि अगर गंगा समस्त लोगों का पाप लाकर आप के पास छोड़ देती हैं तो क्या आप पापी हुए?

समुद्र ने जवाब दिया कि वो सभी पाप को भाप बनाकर बादल बना देता है। इसलिए मेरा लोगों के पाप से कुछ लेना-देना नहीं है।

अब ऋषि और देवता बादल के पास जाते हैं। बादल से भी वही सवाल पूछते हैं। बादल जवाब देता है कि वह तो सभी के पाप को पानी बनाकर फिर से धरती पर बारिश कर देता हूं। इसी पानी से अन्न उगता है और लोग खाते हैं।

बादल का जवाब सुनकर देवता कहते हैं कि धरती पर अन्न को जिस मानसिक स्थिति से उगाया जाता है और जिन विचारों के साथ खाया जाता है वैसा ही मनुष्य का स्वाभाव बनता है।

जैसा अन्न, वैसा मन की कहावत इसी कथा से निकली है। मान्यता है कि मनुष्य को हमेशा सात्विक भोजन करना चाहिए। इससे विचार अच्छे बनते हैं और व्यक्ति सत्कर्म करता है।

रावण और कुम्भकर्ण पिछले जन्म में थे वैकुंठ के द्वारपाल, क्यों लेना पड़ा राक्षस कुल में जन्म?

पौराणिक कहानियों के अनुसार जय और विजय नाम के दो भाई भगवान विष्णु की नगरी वैकुंठ के द्वारपाल थे। एक बार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र सनक, सनंदन, सनातन और सनत कुमार वैकुंठ पहुंचे। चारो भाइयों ने भगवान विष्णु के दर्शन के लिए अंदर जाना चाहा। लेकिन, जय-विजय ने उन्हें रोक दिया। ब्रह्मा जी के मानस पुत्रों से जय-विजय ने कहा कि इस समय किसी को भी अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।

द्वार पर रोके जाने से सनक, सनंदन, सनातन और सनत कुमार बेहद क्रोधित हुए। उन्होंने जय-विजय को धरती पर जन्म और मृत्यु के चक्र में बंध जाने का श्राप दे दिया। श्राप देकर ब्रह्म कुमार तो चले गए लेकिन जय-विजय जोर-जोर से रोने लगे। उनके रोने की आवाज सुनकर भगवान विष्णु बाहर आए और कारण पूछा। जय- विजय ने पूरी बात बताई।

भगवान विष्णु ने कहा कि मैं श्राप को तो खत्म नहीं कर सकता लेकिन इससे शीघ्र मुक्त होने दो तरीके बता सकता हूं। इसमें से एक को चुनना होगा। भगवान विष्णु ने कहा कि तुम दोनों या तो सात बार मेरे भक्त के रूप में जन्म लो या तीन बार मेरे शत्रु के रूप में। शत्रु के रूप में जन्मे तो मेरे हाथों मारे भी जाओगे। जय-विजय इस चक्र से जल्दी मुक्त होकर फिर से वैकुंठ की सेवा में आना चाहते थे। इसलिए उन्होंने शत्रु के रूप में तीन बार धरती पर जन्म लेने का विकल्प चुना।

हिरणाक्ष और हिरण्यकश्यपु के रूप में पहला जन्म

जय-विजय का पहला जन्म हिरणाक्ष और हिरण्यकश्यपु नाम के भाइयों के रूप में हुआ। दोनों अति बलवान थे। एक बार हिरणाक्ष ने धरती को खींचकर समुद्र में डूबो दिया। धरती की उद्धार करने के लिए विष्णु ने वाराह अवतार लिया और हिरणाक्ष का अंत किया। भाई की मृत्यु का समाचार सुनकर हिरण्यकश्यपु क्रोधित हुआ और भगवान के भक्तों को सताने लगा। उसने अपने नारायण भक्त पुत्र प्रह्लाद को भी बहुत कष्ट दिया। हिरण्यकश्यपु का अंत विष्णु ने नरसिंह अवतार लेकर किया।

रावण और कुम्भकर्ण के रूप में दूसरा जन्म

जय-विजय का दूसरा जन्म त्रेता युग में रावण और कुम्भकर्ण के रूप में हुआ। इस जन्म में भी दोनों भाई महाबलि थे। अपने पराक्रम के दम पर रावण ने धरती से लेकर स्वर्ग तक हाहाकार मचा दिया। दोनों के अंत के लिए भगवान विष्णु को राम के रूप में अवतार लेना पड़ा।

शिशुपाल व दंतवक्र के रूप में तीसरा जन्म

धरती पर तीसरी बार जय और विजय शिशुपाल व दंतवक्र के रूप में जन्में। यह द्वापर युग था। द्वापर में भगवान विष्णु कृष्ण के रूप में अवतरित हुए। इस बार शिशुपाल व दंतवक्र के रूप में जय-विजय ने कृष्ण की बुआ के घर जन्म लिया। लेकिन, दोनों ने अधर्म का मार्ग चुना और कृष्ण को अपना दुश्मन बना लिया। द्वापर में भी दोनों का कृष्ण के हाथों वध हुआ। इस तरह तीसरी बार भगवान के हाथो अंत होने से जय-विजय को श्राप से मुक्ति मिल गई और दोनों द्वारपाल के रूप में वैकुंठ लौट गए।

दूसरों को गलती से भी न बताएं ये 4 बातें नहीं तो जिंदगी हो जाएगी बर्बाद

आचार्य चाणक्य के अनुसार जीवन में कुछ ऐसी बातें होती है जिन्हें हमेशा छिपाकर रखने में ही भलाई होती है। अगर ये राज किसी को पता चल जाए तो आपका जीवन तबाह हो सकता है।

आचार्य चाणक्य ने अपनी चाणक्य नीति में कई महत्वपूर्ण बातों का जिक्र किया है जो कि बेहतर जीवन जीन में मददगार साबित होती हैं। चाणक्य नीति में बताई गई नीतियों का पालन कर मनुष्य सफलता की सीढ़ी चढ़ सकता है और धोखा खाने से बच सकता है। आचार्य चाणक्य का कहना है कि मनुष्य को अपने जीवन में कुछ राज हमेशा राज ही रखने चाहिए। आइए जानते हैं कौनसी बातें हमेशा राज रखनी चाहिए।

न बताएं अपनी कमजोरी

आचार्य चाणक्य के अनुसार कभी भी भाव में बहकर अपनी कमजोरी किसी के सामने व्यक्त नहीं करनी चाहिए। क्योंकि आपकी कमजोरी का फायदा उठाकर लोग आपको मौका मिलने पर नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए अपनी कमजोरी अपने तक ही सीमित रखने में भलाई है।

किसी अन्य का रहस्य

अगर कोई व्यक्ति अपना कोई रहस्य आपके साथ शेयर करता है तो भूलकर भी किसी और के सामने इस बात का जिक्र न करें। क्योंकि कोई आप पर भरोसा करके ही रहस्य शेयर करता है और अगर आप किसी और को यह बात बता देंगे तो उस व्यक्ति का भरोसा टूट जाएगा।

अपनी इनकम

अपनी या अपने परिवार की इनकम व धन सं जुड़ी जानकारी भी कभी किसी को नहीं बतानी चाहिए। क्योंकि इसकी वजह से लोग आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति कैसी भी हो लेकिन किसी के सामने इसका जिक्र नहीं करना चाहिए।

भविष्य की प्लानिंग

अगर आप भविष्य में सफल होने के लिए कोई प्लानिंग कर रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि इसके बारे में अपने परिवार के अलावा किसी और को न बताएं। क्योंकि कई लोग सफल होते हुए व्यक्ति से जलन महसूस करते हैं और उसके रास्ते में परेशानियां खड़ी करने की कोशिश करते हैं। इसलिए अपनी प्लानिंग के बारे में किसी को नहीं बताएं।

कब और कैसे होगा कल्कि भगवान का अवतार ? दिखने लगेंगे ये संकेत

कलियुग को लेकर विभिन्न पुराणों में कई तरह के संकेत और भविष्यवाणियाँ दी गई हैं। महाभारत में भी इसका विस्तृत वर्णन है, जिसमें कहा गया है कि कलियुग में धर्म का ह्रास होगा और अधर्म का प्रचार होगा। यह माना जाता है कि कलियुग में लोगों के आचार-व्यवहार में गिरावट आएगी, और समाज में कई विकृतियाँ फैलेंगी। इस युग में चार धर्म – सत्य, दया, पवित्रता और संयम – धीरे-धीरे समाप्त होते जाएंगे, और लोग अधिक स्वार्थी और हिंसक हो जाएंगे। इस युग को लेकर कई लोगों का ये मानना है कि यह लाखों वर्षों तक चलेगा, और वर्तमान में इसका पहला चरण (सतत बढ़ते अधर्म के साथ) चल रहा है। कलियुग की समाप्ति पर भगवान विष्णु के दसवें अवतार कल्कि भगवान का आगमन होगा। कल्कि अवतार के माध्यम से भगवान विष्णु पृथ्वी पर आकर सभी अत्याचारों और अधर्म को नष्ट करेंगे और सत्य, धर्म और न्याय की पुनर्स्थापना करेंगे। इस प्रकार, कलियुग की समाप्ति के बाद एक नया युग (सतयुग) प्रारंभ होगा, जिसमें शांति, समृद्धि और धर्म का राज होगा। यह विचार धार्मिक मान्यताओं और ग्रंथों पर आधारित है, और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसे प्रतीकात्मक रूप में भी देखा जाता है। ऐसे में अक्सर कई लोगों ने कलियुग को लेकर कई तरह के सवाल आते हैं जैसे कलियुग कि शुरुआत कब हुई? कलियुग कब ख़त्म होगा? और कलियुग का जब खात्मा होगा तो किस तरह के संकेत दिखने लगेंगे? इसी तरह के कई सवाल अक्सर लोगों के मन में आते हैं जिनका जवाब आज हम लेकर आए है।

कलियुग क्या है?

कलियुग का शाब्दिक अर्थ है काला युग या कलह-क्लेश का युग। यह सत्य, धर्म, और संतोष के लोप का प्रतीक है। कलियुग में झूठ और पाखंड का बोलबाला होता है। इसमें हर प्राणी के मन में असंतोष, द्वेष और अकारण कलह की भावना रहती है।

पुराणों में इसे इस प्रकार परिभाषित किया गया है:

सत्य और धर्म का पतनः सत्य मिथ्या जैसा प्रतीत होता है, और धर्म का पालन करने वाले अल्पसंख्या में होते हैं।

लालच और स्वार्थ का युगः मनुष्य लालच और स्वार्थ के वश में होकर अपने नैतिक मूल्यों को त्याग देता है।

पापों का विस्तारः समाज में पाप और अन्याय तेजी से बढ़ते हैं।

कलियुग कब शुरू हुआ?

महाभारत के बाद कई घटनाओं ने कलियुग के आगमन का संकेत दिया, जैसेः-

श्रीकृष्ण का वैकुंठ गमनः जब भगवान श्रीकृष्ण ने अपना मानव शरीर त्याग दिया।

पांडवों का स्वर्गारोहणः महाभारत के मुख्य पात्रों का पृथ्वी से प्रस्थान।

यदुवंश का नाशः यदुवंश के विनाश के साथ कलियुग का औपचारिक आरंभ हुआ।

इन घटनाओं के बाद पृथ्वी पर अधर्म और पाप बढ़ने लगे, जो कलियुग की शुरुआत के संकेत थे। माना जाता है कि कलियुग का आरंभ 3102 ईसा पूर्व हुआ था।

कलियुग की अवधि और अंत का समय

विष्णु पुराण और भागवत पुराण के अनुसार, कलियुग की कुल अवधि 4,32,000 वर्ष है। अब तक केवल 5,126 वर्ष (3102+2024) बीते हैं। इसका मतलब यह है कि कलियुग के अंत में अभी 4,26,882 वर्ष शेष हैं। कलियुग के अंत के समय को महाप्रलय कहा जाता है, जो त्रेता, द्वापर, और सत्ययुग के बाद फिर से चक्र की शुरुआत करेगा।

कलियुग के अंत में क्या होगा?

जैसा कि पुराणों में उल्लेख है, जब कलियुग अपनी चरम सीमा पर होगा, तो स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाएगी।
मनुष्य की औसत आयु घटकर 20 वर्ष रह जाएगी।
बच्चे 5 वर्ष की आयु में ही प्रौढ़ हो जाएंगे।
स्त्रियां 5-7 वर्ष की आयु में गर्भवती हो जाएंगी।

बीमारियों का प्रभावः

साधारण बीमारियां भी जानलेवा बन जाएंगी।
लोग छोटी-छोटी बीमारियों से मरने लगेंगे।

प्राकृतिक आपदाएंः

अत्यधिक सूखा, भीषण गर्मी, और विनाशकारी बारिश होगी।
मौसम का संतुलन पूरी तरह से बिगड़ जाएगा।

अन्न और जल की कमीः

धरती पर अन्न उगना बंद हो जाएगा।
पानी के स्रोत सूख जाएंगे।

धार्मिक और नैतिक पतनः

धर्म और सत्य का नामोनिशान मिट जाएगा।
लोग केवल भौतिक सुख के लिए एक-दूसरे से छल करेंगे।

कलियुग का अंत कैसे होगा?

भगवान का अवतार

पुराणों में बताया गया है कि जब पाप अपने चरम पर होगा, तब प्रभु श्री विष्णु कल्कि अवतार लेकर आएंगे। वे पापियों का नाश करेंगे और फिर से धर्म और सत्य की स्थापना करेंगे। तत्पश्चात, सतयुग की शुरुआत होगी। भले ही कलियुग के अंत में हजारों वर्ष शेष हैं, किन्तु इसकी चुनौतियां हमें आत्ममंथन का अवसर देती हैं। जैसे जैसे समय बीत रहा हैं इंसानियत का खात्मा हो रहा हैं, भाई भाई का दुश्मन हो रहा हैं, नारियों को हीन भावना देखा जा रहा हैं, अपनी ही संतान को माता-पिता छोड़कर जा रहे हैं। इस तरह के कपट विचारों का त्याग कर यदि मानव जीवनयापन करें तो शायद काफी चीजों बदल सकती हैं।

रिव्यू पढ़कर जाते हैं सिनेमाघर तो लग सकता है झटका क्या बैन लगाने की तैयारी में केंद्र सरकार?

अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म 'पुष्पा 2' 5 दिसंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। हालांकि, बीते दिनों रिलीज हुईं बिग बजट साउथ फिल्मों का हाल बेहाल रहा। 'कंगुवा' और 'इंडियन 2' जैसी बहुप्रतीक्षित फिल्में दर्शकों का दिल नहीं जीत पाईं और टिकट खिड़की पर संघर्ष करती देखी गईं। तमिल फिल्म एक्टिव प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (टीएफएपीए) ने इसका जिम्मेदार खराब रिव्यू को ठहराया। वहीं, अब टीएफएपीए ने मद्रास उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है। इसमें राज्य और केंद्र सरकार से खास मांग की गई है।

टीएफएपीए ने दायर की रिट याचिका

तमिल फिल्म एक्टिव प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (टीएफएपीए) ने मद्रास उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर कर खास अपील की है। टीएफएपीए ने राज्य के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी सोशल मीडिया जैसे एक्स, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख से तीन दिनों के लिए फिल्म समीक्षाओं पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने की मांग ।

राज्य और केंद्र सरकार से की यह मांग

जानकारी के अनुसार, याचिकाकर्ता एसोसिएशन ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की भी मांग की है कि वे ऑनलाइन फिल्म समीक्षकों के लिए दिशानिर्देश तैयार करें ताकि वे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब चैनल, एक्स हैंडल और फेसबुक पेज पर नई फिल्मों की समीक्षा करते समय इसका पालन कर सकें।

हालिया रिलीज फिल्मों के खराब प्रदर्शन ने किया सचेत

यह याचिका ऐसे समय में दायर की गई है जब बड़े बजट की तमिल फिल्में कथित तौर पर फिल्मों की रिलीज के तुरंत बाद ऑनलाइन दिखाई देने वाली नकारात्मक समीक्षाओं के कारण विफल हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण सूर्या की हालिया रिलीज फिल्म 'कंगुवा' है। सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' नकारात्मक ऑनलाइन समीक्षाओं के कारण बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष करती दिखाई दी थी। इसके चलते फिल्म इंडस्ट्री में किसी फिल्म की रिलीज के तीन दिनों के भीतर ऑनलाइन फिल्म समीक्षा पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी ताकि फिल्म निर्माताओं को भारी नुकसान न उठाना पड़े।

टीएनपीसी ने भी जारी किया था बयान

वहीं, 20 नवंबर को, तमिलनाडु प्रोड्यूसर्स काउंसिल (टीएनपीसी) ने एक बयान जारी कर थिएटर मालिकों से फिल्म स्क्रीनिंग के बाद थिएटर परिसर के अंदर वीडियो रिव्यू और पब्लिक रिव्यू रिकॉर्ड करने वाले यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने को कहा। 2024 में रिलीज होने वाली फिल्मों 'कंगुवा', 'इंडियन 2' और 'वेट्टैयन' को मिले विरोध के बारे में बात करते हुए, एसोसिएशन ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग हो रहा है जो फिल्म समीक्षाओं की आड़ में निर्देशकों और निर्माताओं के खिलाफ 'व्यक्तिगत नफरत' को बढ़ावा देता है।

विक्रांत मैसी ने रिटायरमेंट से लिया यू-टर्न लोगों पर ही फोड़ दिया ठीकरा

विक्रांत मैसी ने बीते दिन अपने सोशल मीडिया पोस्ट से प्रशंसकों को सकते में डाल दिया। अभिनेता ने एलान किया कि वह फिल्मों से ब्रेक ले रहे हैं। लोगों ने इसे विक्रांत का रिटायरमेंट मान लिया और तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। अपने प्रशंसकों को सकते में डालने के ठीक एक दिन बाद, अभिनेता विक्रांत मैसी ने इस व्यापक धारणा को स्पष्ट करने के लिए कदम आगे बढ़ाया है कि वह अभिनय की दुनिया से संन्यास नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके बयान का कई लोगों ने गलत मतलब निकाला है।

'रिटायरमेंट' पोस्ट पर विक्रांत की प्रतिक्रिया

उनके मुताबिक, उनका इरादा रिटायरमेंट लेना नहीं था बल्कि इंडस्ट्री से कुछ समय के लिए ब्रेक लेना था। एक लेटेस्ट इंटरव्यू में विक्रांत ने सोमवार को वायरल हुए 'रिटायरमेंट' पोस्ट पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने साझा किया है कि उनका अभिनय की दुनिया से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। लेकिन फिलहाल वह अपनी पर्सनल लाइफ पर फोकस करना चाहते हैं।

विक्रांत मैसी ने साफ किया, 'मैं रिटायर नहीं हो रहाहूं। बस थक गया हूं। एक लंबे ब्रेक की जरूरत है।' विक्रांत ने कहा, 'घर की याद आ रही है और स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। लोगों ने सोशल मीडिया पोस्ट का गलत मतलब निकाला।'

बीते दिन बने फिल्म स्क्रीनिंग का हिस्सा

इस बीच, विक्रांत ने सोमवार शाम संसद के बालयोगी ऑडिटोरियम में अपनी नवीनतम फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' की स्क्रीनिंग में भाग लिया। यह उनके इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। स्क्रीनिंग के दौरान उन्होंने फिल्म के बारे में बात की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसदों के साथ फिल्म देखने को लेकर चर्चा की। हालांकि, उन्होंने फिल्में छोड़ने के बारे में पूछे गए सवालों को टाल दिया।

विक्रांत की इस पोस्ट ने बढ़ाई थी हलचल

विक्रांत ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर 2025 के बाद अभिनय से ब्रेक लेने की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'पिछले कुछ साल और उससे पहले का समय अद्भुत रहा है। मैं आप सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने मुझे हमेशा समर्थन दिया, लेकिन जैसे ही मैं आगे बढ़ा तो मुझे यह एहसास हुआ कि एक पति, पिता, बेटे और एक अभिनेता के रूप में भी अब खुद को पुनः संरेखित करने और घर लौटने का समय आ गया है।'

'20 साल से कोई संपर्क नहीं...,' बहन आलिया पर लगे हत्या के आरोपों से दंग हैं नरगिस फाखरी?

नरगिस फाखरी किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। अभिनेत्री ने इम्तियाज अली की फिल्म 'रॉकस्टार' में काम कर खूब वाहवाही बटोरी। हालांकि, अब नरगिस किसी अन्य वजह से सुर्खियों में आ गई हैं। कथित तौर पर नरगिस की बहन आलिया फाखरी पर अमेरिका में अपने पूर्व प्रेमी की हत्या का आरोप लगा है। जानकारी के मुताबिक, आलिया ने गैराज में आग लगा दी जिससे उनके पूर्व प्रेमी और उनकी महिला मित्र की मौत हो गई। अब हर किसी को इस मामले पर अभिनेत्री की प्रतिक्रिया का इंतजार है। हालांकि, उनकी ओर से रिएक्शन आने की उम्मीद बेहद कम हैं। आखिर क्यों?

नरगिस फाखरी भी थीं मामले से अंजान

खबरें हैं कि नरगिस फाखरी के पास इस मामले में स्पष्टीकरण के लिए कुछ भी नहीं है। अभिनेत्री से जुड़े एक करीबी सूत्र ने पुष्टि की कि वह 20 वर्षों से अधिक समय से अपनी बहन के संपर्क में नहीं हैं। हर किसी की तरह नरगिस को भी समाचार के माध्यम से घटना के बारे में पता चला। इससे साफ होता है कि नरगिस भी इस बात से पूरी तरह अंजान थीं और आम लोगों की तरह उन्हें भी इस घटना का पता न्यूज चैनल और समाचार पत्रों से चला।

आलिया ने पूर्व प्रेमी को उतारा मौत के घाट

अभियोजकों का दावा है कि 43 वर्षीय आलिया फाखरी ने 23 नवंबर को क्वींस में एक गैरेज में जानबूझकर आग लगा दी। इसके परिणामस्वरूप उनके पूर्व प्रेमी 35 वर्षीय एडवर्ड जैकब्स और उनकी दोस्त 33 वर्षीय अनास्तासिया एटियेन की मौके पर मौत हो गई।

क्यों उठाया इतना बड़ा कदम?

आरोपों के अनुसार, आलिया, जैकब्स के साथ अपने रिश्ते को फिर से शुरू करना चाहती थीं, लेकिन जैकब्स ने ऐसा करने से मना कर दिया। इस वजह से आलिया ने अपना आपा खो दिया और आगजनी का सहारा लिया। फाखरी पर फर्स्ट डिग्री हत्या के चार मामले, सेकंड-डिग्री हत्या के चार मामले और आगजनी का आरोप लगाया गया है। क्वींस डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय के अनुसार, अगली अदालती सुनवाई 9 दिसंबर को होगी।

फाखरी की मां ने दी यह प्रतिक्रिया

आलिया फाखरी की मां ने इस घातक आग में अपनी बेटी की संलिप्तता पर अविश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने एक बयान में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वह किसी की हत्या कर सकती है। वह हर किसी की देखभाल करने वाली लड़की है।' आलिया फाखरी वर्तमान में न्यूयॉर्क शहर की सबसे बड़ी जेल, रिकर्स द्वीप में हिरासत में हैं, और उन्होंने आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया है। अगर उन्हें इस गंभीर अपराध का दोषी पाया गया तो उन्हें संभावित आजीवन कारावास की सजा का सामना करना पड़ेगा।

अनन्या पांडे पापा चंकी पांडे की फिल्में नहीं देखती

अभिनेत्री अनन्या पांडे और उनके पापा चंकी पांडे बहुत ही खूबसूरत रिश्ते साझा करते हैं। हाल ही में चंकी पांडे ने अनन्या पांडे को फिल्म फेयर मिलने पर उनकी तारीफ की है। चंकी पांडे और अनन्या पांडे की बातचीत का एक वीडियो इन दिनों काफी चर्चा में हैं।

अनन्या पांडे को लेकर बोले चंकी पांडे

एक चैनल पर अनन्या पांडे और चंकी पांडे ने बातचीत की। इस दौरान चंकी पांडे ने कहा वे फिल्मों में कुछ बेहतरीन दृश्य तो कर सकते हैं, लेकिन पूरे शो को संभालना उनके बस की बात नहीं है। उन्होंने मजाक में कहा कि ऐसी प्रतिभा के लिए उन्हें शायद अपने डीएनए की जांच करवानी होगी। उन्होंने कहा, मैं फिल्मों में कुछ बेहतरीन दृश्य तो कर सकता हूं, लेकिन अपने साथ पूरी फिल्म या शो को ले जाना थोड़ा मुश्किल है इसलिए मैं आपका डीएनए जांच करवाना चाहता हूं।

अनन्या ने भी किया दिलचस्प खुलासा

अनन्या पांडे ने भी इस बातचीत में कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि वे अपने पापा चंकी पांडे की फिल्में नहीं देखती। अनन्या ने कहा कि वे अपने पापा की बहुत कम फिल्में देखती थीं क्योंकि उन्हें डर रहता था कि इसमें उनके पापा मर जाएंगे। अनन्या ने कहा कि जब वे छोटी थीं, उन्होंने डी कंपनी फिल्म देखी, इसमें उनके पापा को गोली मार दी गई थी और फिल्म में उनकी मौत हो गई थी।

अनन्या को नहीं लगता था अच्छा

अनन्या पांडे ने अपने पापा से बातचीत में खुलासा किया। उन्हें लगा कि यह सब सच में हो रहा है, भले ही आप मेरे बगल में बैठे थे लेकिन मैं सदमे में थी, इसलिए मैंने पापा की बहुत सारी फिल्में नहीं देखीं क्योंकि मुझे लगा कि आप उन सभी में मर जाएंगे। इसलिए मुझे अच्छा नहीं लगता था और मैं फिल्म नहीं देखती थी।

आंध्र प्रदेश सरकार का तोहफा पाकर गदगद हुए अल्लू अर्जुन ने पोस्ट कर जताया आभार

अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल जैसे सितारों से सजी फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' दो दिन बाद यानी 5 दिसंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। सुकुमार निर्देशित यह फिल्म साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आंध्र प्रदेश में टिकट के दाम में बढ़ोतरी की गई है। यह एलान बीते दिनों आंध्र प्रदेश सरकार ने किया था। वहीं, अब सरकार के इस फैसले पर अभिनेता अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार का 'पुष्पा' को तोहफा

बढ़ती प्रत्याशा के बीच, आंध्र प्रदेश सरकार ने 'पुष्पा 2: द रूल' के लिए टिकट की कीमत में बढ़ोतरी की घोषणा की है। इस फैसले से अभिनेता अल्लू अर्जुन गदगद हो उठे हैं। उन्होंने तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के विकास और समृद्धि के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए माननीय मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और माननीय उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण को धन्यवाद दिया है।

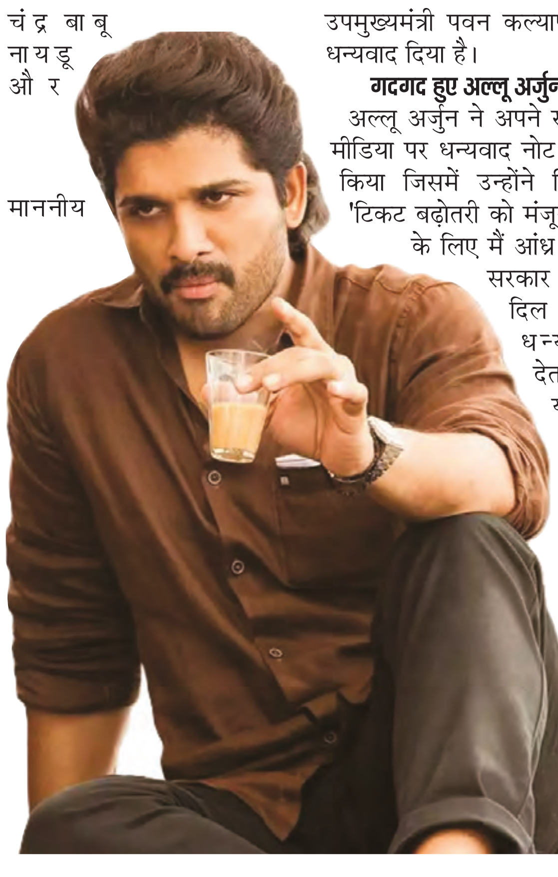

गदगद हुए अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया पर धन्यवाद नोट साझा किया जिसमें उन्होंने लिखा, 'टिकट बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए मैं आंध्र प्रदेश सरकार को दिल से धन्यवाद देता हूं। यह प्रगतिशील निर्णय तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के विकास और समृद्धि के लिए आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

अभिनेता ने जताया आभार

उन्होंने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए आगे लिखा, 'मैं माननीय मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और माननीय उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गारू को धन्यवाद देता हूं। फिल्म इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में अमूल्य समर्थन।' 'पुष्पा 2' की एडवांस बुकिंग जोर शोर से शुरू हुई।

एडवांस टिकट बुकिंग पर गौर फरमाएं तो फिल्म पहले दिन भारत में 49.31 करोड़ रुपये की कमाई कर सकती है। तेलुगु भाषा में 'पुष्पा 2' ने 4 लाख, 86 हजार और 860 टिकट बेचे हैं। वहीं, हिंदी में 4 लाख, 21 हजार और 496 टिकटों की बिक्री हुई हैं। दिलचस्प बात यह है कि हिंदी डब 3डी संस्करण तेलुगु 3डी से अधिक बिका है।

ऑफ शोल्डर ड्रेस में नोरा ने दिखाया हॉट अंदाज

इंडस्ट्री में 'दिलबर गर्ल' के नाम से मशहूर डांसर नोरा फतेही इन दिनों अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपने हॉट अंदाज की तस्वीरें शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं। अब हाल ही में हसीना ने अपने किलर अंदाज की तस्वीर शेयर कर इंटरनेट पर आग लगाई हैं। उनकी ये तस्वीर खूब वायरल हो रही हैं।

बात करें नोरा फतेही के लुक की तो इस दौरान वह काले कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में बेहद हॉट लग रही हैं। इस ड्रेस में वह उनके क्लीवेज साफ नजर आ रहे हैं। नेक पर बारीक चेन उनकी हॉटनेस का पॉयंट बनी हुई हैं। न्यूड मेकअप और ओपन हेयर्स उनके लुक को कम्पलीट कर रहे हैं। इस दौरान हसीना कैमरे के सामने कातिल अंदाज में जबरदस्त पोज दे रही हैं।

जैकी श्रॉफ ने देव आनंद को दिया ट्रिब्यूट, 'स्वामी दादा' में अभिनेता ने साथ में किया था अभिनय

जैकी श्रॉफ एक अच्छे अभिनेता होने के साथ एक बेहतरीन इंसान भी हैं। वह जीवन से जुड़ी गहरी बातें करते हैं। साथ ही जिन लोगों ने उनके करियर को बनाने में अहम योगदान दिया, उन्हें भी हमेशा याद करते हैं। कुछ देर पहले उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक पोस्ट की है। इसमें वह अभिनेता देव आनंद को ट्रिब्यूट दे रहे हैं। क्यों खास हैं, देव आनंद, जैकी श्रॉफ के लिए, जानिए।

स्टोरी में 'स्वामी दादा' फिल्म का जिक्र

जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर जो पोस्ट स्टोरी सेक्शन में लगाई है, उसमें पहले तो वह देव आनंद जी को याद करते हैं। इसके बाद उन्होंने देव आनंद की फिल्म 'स्वामी दादा' से जुड़ा वीडियो शेयर किया है। जिसमें देव आनंद बेहतरीन अभिनय करते हुए नजर आ रहे हैं। यह फिल्म देव आनंद की बेहतरीन फिल्मों में से एक रही है। साथ ही जैकी श्रॉफ के लिए भी यह फिल्म काफी खास है।

जैकी की डेब्यू फिल्म

देव आनंद की फिल्म 'स्वामी दादा (1982)' के जरिए ही जैकी श्रॉफ को बड़े पर्दे पर आने का मौका मिला था। देव आनंद ने उनकी मॉडलिंग की कुछ तस्वीरें देखी थीं और तय कर लिया था कि जैकी को फिल्म में रोल देंगे। इस फिल्म में उन्होंने जैकी को एक छोटा रोल दिया। इसी फिल्म के बाद जैकी श्रॉफ को फिल्म 'हीरो' मिली, जिसने उन्हें स्टार बना दिया। इस तरह देखा जाए तो बॉलीवुड में जैकी श्रॉफ को लाने का श्रेय देव आनंद को जाता है।

एक्शन करने का मौका मिला

फिल्म में जैकी श्रॉफ एक गैंग का हिस्सा नजर आए। फिल्म में उन्होंने एक्शन सींस भी दिए थे। रोल छोटा होने के बावजूद भी जैकी श्रॉफ को दर्शकों के बीच पहचान मिली। इसके बाद उनके लिए बॉलीवुड के दरवाजे पूरी तरह से खुल गए थे। आगे चलकर बतौर अभिनेता जैकी ने भी अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया था।

शादी की पहली सालगिरह को इन यूनिक आइडिया से बनाएं खास

शादी किसी भी व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण है। हालांकि जीवन की नई शुरुआत शादी के बाद होती है। इस रिश्ते में बंधने के बाद हर साल लोग अपनी शादी को सेलिब्रेट करते हैं यानी शादी की सालगिरह मनाते हैं। शादी की सालगिरह एक जोड़े के प्यार और प्रतिबद्धता को याद करने का दिन होता है। रोजाना की व्यस्त जीवनशैली से अलग इस दिन कपल अपने रिश्ते पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक दूसरे को खास महसूस कराने का प्रयास करते हैं। ऐसा करने के लिए वह अपने जीवनसाथी को तोहफा देते हैं, उनके साथ वक्त बिताते हैं। एक दूसरे की प्रशंसा करते हैं और जीवन में आने के लिए कृतज्ञता दिखता हैं। अगर आपकी भी शादी की सालगिरह आने वाली है, तो इस दिन को अपने जीवनसाथी के साथ खास तरीके से मनाएं। पहली शादी की सालगिरह हो या पांचवी और 15वीं कुछ यूनिक आइडियाज के साथ दिन को स्पेशल बनाया जा सकता है।

शादी की सालगिरह मनाने के लिए कपल अक्सर एक दूसरे को तोहफे देते हैं। वह मूवी देखने जाते हैं या शाम को कहीं बाहर खाना खाने जाते हैं। ज्यादातर कपल अपने इस खास दिन को इसी तरह से सेलिब्रेट करते हैं। अगर आपकी शादी को कई साल बीत गए हैं और आप भी हर साल सालगिरह मनाने के लिए कुछ कॉमन तरीके अपनाते आ रहे हैं तो इस बार यूनिक आइडिया से जीवनसाथी को सरप्राइज दे सकते हैं।

ट्रिप पर जाएं

सालगिरह के मौके पर आप घर और शहर से दूर कहीं ट्रिप पर जाने की योजना बना सकते हैं। ट्रिप दो दिन की या फिर आपकी छुट्टियों के मुताबिक कई दिन की हो सकती है। इस तरह आप हर वक्त एक दूसरे के साथ रहेंगे। शादी की सालगिरह के मौके पर घूमेंगे, व्यस्त जीवनशैली की परेशानियों से अलग सिर्फ एक दूसरे के साथ वक्त बिताएंगे। ये आपके सेकेंड हनीमून की तरह भी हो सकता है। यकीनन आपके पार्टनर को ये आइडिया काफी पसंद आएगा। इसे भी ट्विस्ट देने के लिए सरप्राइज ट्रिप प्लान कर सकते हैं। जैसे पार्टनर की पसंदीदा जगह के लिए फ्लाइट या ट्रेन टिकट पहले से बुक कर लें। पार्टनर को कोई अन्य वजह बोलकर छुट्टी के लिए दफ्तर में अप्लाई करने को बोल दें और ट्रिप के दिन उन्हें ये बोलकर सरप्राइज दें कि आप एनिवर्सरी ट्रिप पर जा रहे हैं।

सरप्राइज पार्टी प्लान करें

अगर आप अपने जीवनसाथी के साथ लंच या डिनर के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो रेस्तरां में बात करके पहले से वहां डेकोरेशन करवा सकते हैं। चाहें तो अपने और उनके दोस्तों, करीबी रिश्तेदारों या परिवार के लोगों को पार्टी में आमंत्रित कर सकते हैं और पार्टनर को सरप्राइज पार्टी देकर खुश कर सकते हैं।

ऑफिस भेजें तोहफे

शादी की सालगिरह को खास बनाता है आपका दिया तोहफा। हर पार्टनर उम्मीद में रहता है कि उनके जीवनसाथी इस मौके पर उन्हें कुछ यादगार उपहार देंगे। लेकिन हर साल इस अलग इस बार तोहफा देते समय कुछ अलग कर सकते हैं। जैसे सीधे गिफ्ट देने के बजाए सुबह उनके बिस्तर के पास तोहफा रखें ताकि नींद खुलते ही सबसे पहले उन्हें आपका गिफ्ट मिले। चाहें तो जब शादी दफ्तर पहुंच जाए तो उनके दफ्तर में गिफ्ट पार्लर कराएं ताकि वह तोहफा देकर सरप्राइज हो जाएं। इसके अलावा दिन भर इंतजार कराने के बाद रात में सोने से पहले उन्हें तोहफा देकर चौंका सकते हैं।

घर की सजावट

अगर दफ्तर से छुट्टी नहीं मिल रही या आप घर से बाहर नहीं जा सकते हैं तो शादी की सालगिरह के मौके पर खास सजावट भी इस दिन को यादगार बना सकती है। साथी के दफ्तर जाने के बाद आप घर या अपने कमरे की सुंदर सी सजावट करें। इसके लिए आप दोनों की तस्वीरों का वॉल हेंगिग, सुंदर रंग बिरंगी लाइट्स, फूल या कैंडिल का उपयोग कर सकते हैं। जब जीवनसाथी घर आएंगे तो आपकी सजावट देखकर इम्प्रेस हो जाएं। अपनी छत या बालकनी में डेकोरेशन करके घर पर ही डिनर डेट का लुत्फ उठा सकते हैं।

एक हफ्ते में कितनी बार करें शैंपू का इस्तेमाल ?

बाजार में आजकल तमाम तरह से शैंपू मिल रहे हैं, जोकि बालों से संबंधित हर समस्या का समाधान करते हैं। पर, बावजूद इसके कई बार ये देखने को मिलता है कि बाल कमजोर होते जा रहे हैं और रूखे दिख रहे हैं। ऐसा बालों में ज्यादा शैंपू के इस्तेमाल से भी होता है।

जी हां, भले ही ये सुनने में अजीब लगे लेकिन अगर आप अपने हेयर टाइप के हिसाब से बालों में शैंपू का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इससे बाल झड़ने लगेंगे। आपको इस बारे में भी जानकारी होना बेहद जरूरी है कि एक हफ्ते में कितनी बार बालों को धोया जाए। इसके लिए भी आपको अपने बालों के प्रकार पर ध्यान देने की जरूरत है।

तैलीय बाल हैं तो क्या करें

यदि आपके बाल काफी ज्यादा तैलीय हैं तो आपको इसे सही से साफ रखने की बेहद जरूरत है। इसके लिए आपको बार-बार शैंपू की जरूरत हो सकती है। आप चाहें तो हफ्ते में तीन से चार बार शैंपू से अपने बालं धोएं। हर दिन शैंपू से बचें, क्योंकि इससे स्कैल्प पर अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

रूखे बाल हैं तो क्या करें

बहुत से लोगों के बाल रूखे होते हैं। खासतौर पर रूखे बालों की समस्या सर्दी के मौसम में शुरू होती है। ऐसे बालों को यदि बार-बार शैंपू से धोया जाएगा तो स्कैल्प और ड्राई हो जाएगी। इसके साथ ही इसकी वजह से बाल कमजोर होने लगते हैं। ऐसे में ड्राई बाल वाले लोग अपने बालों को हफ्ते में दो बार धो सकती हैं। सर्दी के मौसम में आपको ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

सामान्य बाल हैं तो क्या करे

यदि आपके बाल मौसम के

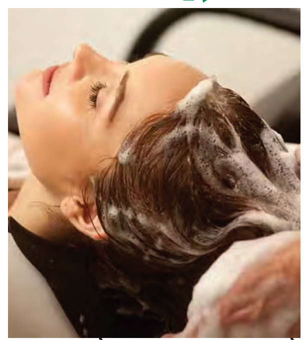

अनुकूल हैं, यानी कि सामान्य हैं तो अच्छी बात है। ऐसे लोग अपने बालों तो हफ्ते में दो से तीन बार धो सकते हैं। बस ध्यान रखें कि जिस शैंपू का इस्तेमाल आप कर रहे हैं, वो ज्यादा माइल्ड नहीं हो। उसमें कोई हानिकारक तत्व नहीं होने चाहिए, वरना बालों को नुकसान पहुंच सकता है।

जिनके सिर में डैंड्रफ हैं वो क्या करें

यदि आपके सिर में काफी ज्यादा रूसी है तो हमेशा डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा सुझाए गए शैंपू का इस्तेमाल करें। इसमें एंटी-डैंड्रफ या मेडिकेटेड शैंपू शामिल हो सकता है, जिसे सप्ताह में 2-3 बार उपयोग करने की सलाह दी जाती है। कई बार लोगों को लगता है कि रूसी दूर करने के लिए किसी भी शैंपू से हर रोज बाल धो सकते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। ऐसा करने से भी बाल खराब हो सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अपने लिए शैंपू ले रहे हैं तो ध्यान रखें कि ये आपके हेयर टाइप के हिसाब से ही होना चाहिए। इसके अलावा ये बात ध्यान रखें कि बाल धोते समय ज्यादा शैंपू लगाने से कभी बाल साफ नहीं होते, बल्कि कई बार शैंपू बालों में रह जाता है तो गंदगी जमा करने लगता है। ऐसे में शैंपू इस्तेमाल करते वक्त इसकी मात्रा का ध्यान रखें और सही से इसे साफ भी करें।

इन छोटे-छोटे टिप्स को अपनाकर बढ़ा सकते हैं खाने का स्वाद

खाना पकाना एक कला है। जिसने इस कला को जान लिया, वह पाक कला में माहिर हो गया। मगर जब भी आप रेसिपी बुक खोलती हैं, आपको विभिन्न प्रांतों, देशों और संस्कृतियों की ढेर सारी रेसिपी देखने को मिलती हैं। आप किसी एक रेसिपी को पढ़ती हैं, किचन में जाती हैं और लग जाती हैं उसे बनाने में। लेकिन जब वह तैयार हो जाती है तो उसमें वह स्वाद नहीं आता, जो आपने कभी चखा था।

ताजी सामग्री का चयन

खाना बनाने की सबसे पहली और महत्वपूर्ण प्रक्रिया है- सही और ताजी सामग्रियों का चुनाव। ताजी और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री न केवल खाने का स्वाद बेहतर बनाती है, बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत करती है। इसलिए किसी भी रेसिपी को बनाते समय सुनिश्चित करें कि सभी सामग्री ताजी हों, ताकि आपका खाना न केवल स्वादिष्ट बने, बल्कि सेहत को भी लाभ पहुंचाए।

सही आकार में कटी और धुली

खाना स्वादिष्ट बने, इसके लिए सब्जियों का सही आकार में कटा होना जरूरी है। सब्जियों को सही तरीके से काटने से भोजन का स्वाद बेहतर होता है, पकाने की प्रक्रिया भी प्रभावी होती है और पोषक तत्व भी

अधिक मात्रा में बरकरार रह पाते हैं। साथ ही हर तरह की सब्जी को उसके आकार और बनावट के अनुसार काटकर बनाने से उसमें सभी मसाले और अन्य फ्लेवर बेहतर तरीके से रम पाते हैं और भोजन का स्वाद भी बढ़ जाता है।

तेल और मसाले पकाने का समय

किसी भी तरह का व्यंजन बनाते समय तेल या घी को अधिक गरम करके उसमें सब्जी या कोई भी खाद्य पदार्थ तलने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं और उसमें तला गया खाना अधिक वसा अवशोषित करता है, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। वहीं अगर तेल कम गरम होगा तो खाना ठीक से नहीं पक सकेगा और उसका स्वाद भी खराब हो जाएगा। इसलिए तेल या घी को मध्यम आंच पर गरम करना चाहिए और तलते वक्त उसे बार-बार गरम करने से बचना चाहिए।

स्वाद और पोषण

हर रेसिपी में मसाले, नमक, मिर्च और पानी का सही संतुलन होता है। अगर आप किसी भी तत्व को अधिक या कम डालती हैं तो खाना बहुत तीखा, खट्टा या स्वादहीन बन सकता है। खाना पकाने की प्रक्रिया में अगर आप एक भी तत्व को अधिक या कम करती हैं तो इससे उनमें मौजूद विटामिन, खनिज, कैलोरी और स्वास्थ्यवर्धक तत्व नष्ट हो सकते हैं। इसलिए जब रेसिपी में कहा जाता है कि एक छोटा चम्मच मिर्च या गरम मसाला डालें तो इसका मतलब है कि आपको उतना ही इस्तेमाल करना है। साथ ही पोषक तत्वों के नष्ट होने की भी आशंका भी बढ़ जाती है।

पानी और तरल का संतुलन

जब आप कोई रेसिपी देखकर करी, सूप या स्टू जैसी चीज बनाती हैं तो रेसिपी में दी गई पानी या अन्य तरल पदार्थों की मात्रा को ध्यान से फॉलो करना जरूरी है। बहुत अधिक पानी डालने से वह पतला हो सकता है और स्वाद में कमी आ सकती है। कम पानी डालने से वह जल सकता है या फिर ठीक से पक नहीं पाता, जिससे आपको सही पोषण प्राप्त नहीं हो पाते हैं। इसलिए दही, नारियल का दूध, टमाटर का पेस्ट और पानी जैसे तरल पदार्थों का सही समय पर और सही मात्रा में उपयोग करने से स्वाद में इजाफा होता है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा

रेसिपी के निर्देशों में बहुत ध्यान से खाना बनाने की प्रक्रिया को व्यवस्थित किया जाता है। इसमें कच्चे और पके खाद्य पदार्थों को अलग रखने, हाथ धोने और बर्तनों को साफ रखने जैसी बातें भी शामिल होती हैं। अगर हम खाने को उचित तापमान पर नहीं पकाते हैं तो उसमें बैक्टीरिया और वायरस विकसित हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इसलिए रेसिपी के स्टेप्स को फॉलो करना न केवल खाना बनाने की कला को बेहतर बनाता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी बहुत जरूरी है।

सास-ससुर के साथ क्यों नहीं रहना चाहती हैं आजकल की लड़कियां, ये हैं प्रमुख कारण

आज के समय में पारिवारिक संरचना में काफी बदलाव आ रहे हैं। पहले जहां संयुक्त परिवार में रहना आम बात थी, वहीं अब नई पीढ़ी, खासकर लड़कियां, सास-ससुर के साथ रहने से कतराने लगी हैं। भले ही अब समाज में संयुक्त परिवार कम ही देखने को मिलते हैं, लेकिन भारतीय परिवारों में अब भी माता-पिता और उनके बच्चे साथ ही रहते हैं। आम साधारण परिवारों में तो बेटा शादी के बाद अपनी पत्नी और माता पिता दोनों के साथ रहता है। हालांकि अधिकतर मामलों में आजकल की लड़कियां अपने ससुराल वालों व सास-ससुर के साथ रहना नहीं चाहती हैं। इसके पीछे कई सामाजिक, मानसिक और व्यावहारिक कारण होते हैं। यहां उन 5 प्रमुख संभावित कारणों के बारे में बताया जा रहा है, जिसकी वजह से लड़कियां शादी के बाद अपने सास ससुर के साथ रहना नहीं चाहती हैं।

स्वतंत्रता की कमी

आजकल की लड़कियों के अपने विचार, फैसले और जीवनशैली है, जिसमें उन्हें किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं चाहिए। लड़कियां शादी के बाद अपने घर को खुद की पसंद के मुताबिक, सजाना संवारना चाहती हैं। इसके अलावा उन्हें सुबह नाश्ते क्या खाना है, या लंच व डिनर में क्या पकाना है, यह भी लड़कियां अपने सहजता और पति की पसंद को ध्यान में रखकर करना चाहती हैं लेकिन अक्सर भारतीय परिवार में घर से जुड़े फैसले सास ससुर पर निर्भर करते हैं।

सास चाहती हैं कि बहु उनकी पसंद के अनुरूप घर का रखरखाव करे। आधुनिक लड़कियां खुद के परिधान से लेकर जीवनशैली तक से जुड़े फैसले खुद करती हैं लेकिन सास ससुर के साथ रहने के दौरान उन्हें उनके अनुरूप अपने रहन-सहन और जीवनशैली को ढालना होता है। भारतीय परिवारों में तो आज भी सास-ससुर से पूछकर लंच या डिनर तैयार किया जाता है। ऐसे में लड़कियों को उनकी स्वतंत्रता में कमी महसूस होने लगती है, चाहे वह उनके व्यक्तिगत जीवन से संबंधित हो या घर के कामकाज से।

पीढ़ीगत अंतर

लड़की जन्म से अपने माता पिता के साथ रही होती है, इसलिए अपने परिवार के रीति रिवाजों और परंपराओं से बचपन से ही अवगत होती है। उसे वहां एडजस्ट करने में समस्या नहीं आती लेकिन जब वह ससुराल आती है तो विचारधारा और परंपराओं को लेकर पीढ़ीगत अंतर को महसूस करती है।

सास समय-समय बहू को बताती हैं कि उनके घर में क्या नियम हैं, उनके परिवार में कैसे रहा जाता है, क्या किया जाता है और उनके दौर में क्या-क्या होता था। लड़की के लिए यह सारी जानकारी नई होती हैं और उनमें से कुछ बातें उसकी विचारधारा से मेल नहीं खाती। ऐसे में दोनों के बीच तालमेल बिठाना मुश्किल हो जाता है, जिससे तनाव उत्पन्न हो सकता है।

पति के साथ वक्त न बिता पाना

लड़कियां चाहती हैं कि वह अपने जीवनसाथी के साथ अधिक से अधिक वक्त बिताएं। उनके बीच एक निजी स्थान हो, जहां वे अपने रिश्ते को समय और महत्व दे सकें। सास-ससुर के साथ रहने पर इस व्यक्तिगत स्पेस में कमी महसूस होती है। अपने माता पिता का घर छोड़कर आई लड़की को सबसे पहले जीवनसाथी के साथ तालमेल बिठाना होता है लेकिन जब सास ससुर भी साथ होते हैं तो उस पर एक साथ सभी के साथ एडजस्ट करने की चुनौती आ जाती है। इससे लड़कियां तनाव महसूस करने लगती हैं।

पति-पत्नी के रिश्ते में हस्तक्षेप

दो अनजान लोग जब शादी के बंधन में बंधते हैं तो उनके बीच प्रेम भी होता है और टकराव भी। दोनों जब साथ रहना शुरू करते हैं तो वह अपने रिश्ते से जुड़े फैसले खुद लेना चाहते हैं लेकिन जब सास-ससुर साथ रहते हैं तो पति-पत्नी के बीच की प्राइवेसी खत्म होने लगती है।

सास-ससुर अपने बेटे-बहू के रिश्ते में हस्तक्षेप करते हैं जो उनके रिश्तों में दूरी पैदा कर देता है। दोनों के बीच टकराव की स्थिति में वह खुद मिलकर मामला सुलझाना चाहते हैं लेकिन संयुक्त परिवार में अक्सर ये निर्णय सामूहिक रूप से या घर के बड़े लेते हैं, जिससे लड़कियों को अपनी भूमिका और अधिकार सीमित महसूस होते हैं। इसके अलावा सास-ससुर के हस्तक्षेप के कारण बेटा-बहू दिखावटी समझौता कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें खुद से एक दूसरे को मनाने-समझाने का मौका ही नहीं मिलता।

करियर और परिवार में चयन

आजकल की लड़कियां करियर को लेकर काफी गंभीर होती हैं। लड़कियां नौकरीपेशा होती हैं।

पति और पत्नी दोनों मिलकर नौकरी करते हैं और दोनों मिलकर घर संभालते हैं। लेकिन जब सास ससुर बहू बेटे के साथ रहते हैं तो लड़कियों पर इस बात का दबाव बना रहता है कि वह नौकरी और करियर के कारण घर नहीं संभाल रहीं। उनपर आरोप लगता है कि वह परिवार से पहले खुद को प्राथमिकता देती हैं।

सास ससुर बहू से उम्मीद करते हैं कि वह नौकरी और घर-परिवार दोनों संभालें। बेटे की थकान और परेशानी को वह समझते हैं पर बहू की नहीं। ऐसी स्थिति में भी लड़की शादी के बाद अपने ससुराल वालों के साथ रहना नहीं चाहती।

पति को रोमांटिक बनाना है तो अपनाएं ये तरीके, बेझिझक करेंगे प्यार का इजहार

कहते हैं कि लड़के ज्यादा एक्सप्रेशिव यानी अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति करने वाले नहीं होते। पार्टनर या पति के मामले में अधिकतर ये धारणा सही होती है। जहां पत्नी खुलकर पति के लिए प्यार और लगाव को जाहिर करती हैं, वहीं अक्सर पति कम बोलते हैं और अपने में ही मगन रहते हैं। पत्नी उम्मीद करती हैं कि पति उनकी तारीख करें, उनके लिए प्यार भरी बातें कहें, रोमांटिक डेट नाइट या डिनर पर जाएं। हालांकि ये सब पति किसी खास मौके पर तो कर देते हैं या फिर पत्नी के कहने पर करते हैं। खुद से रोमांस जाहिर करने में वह थोड़े फिसड्डी हो सकते हैं।

ज्यादातर महिलाओं की शिकायत होती है कि उनके पति उनसे दिल की बात नहीं कहते, ज्यादा बातें नहीं करते और टीवी या फोन में व्यस्त रहते हैं। बोरिंग या अनरोमांटिक पति से परेशान पत्नी उनसे प्यार की उम्मीद करती हैं। ऐसे में पत्नी को ही कुछ तरीके अपनाकर रोमांस में कमजोर पति को सुधारने की जरूरत होती है। अगर आपके पति में भी ऐसे ही लक्षण दिखते हैं तो रिश्ते में प्यार लाने के लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं।

खुलकर बातचीत करें

कई बार पति अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति खुलकर इसलिए

नहीं कर पाते, क्योंकि उनके बीच संवाद कम होता है। इसके लिए जरूरी है कि पत्नी अपने पति से खुद इच्छाओं और भावनाओं के बारे में बात करें। साथ ही प्यार से समझाएं कि आप रिश्ते में रोमांस की उम्मीद करती हैं। अपनी बात बिना किसी शिकायत के पेश करें। ताकि वह खुलकर अपनी भावनाएं आपके साथ साझा कर सकें।

सरप्राइज दें

रिश्तों में छोटे छोटे सरप्राइज जादू का काम करते हैं। अगर पति रोमांटिक नहीं है तो आप उनके लिए सरप्राइज प्लान करें। उनकी पसंद का खाना बनाकर या कोई गिफ्ट देकर सरप्राइज कर सकती हैं। इससे उन्हें महसूस होगा कि आप उनके बारे में कितना सोचती हैं। ऐसे में उनके दिल में आपके लिए प्यार का भावना मजबूत होगी और वक्त के साथ पति भी आपके साथ उसी लगाव व स्नेह से पेश आएंगे, जिसकी उम्मीद आप उनसे करती हैं।अगर आप चाहती हैं कि आपका पति रोमांटिक हो, तो आपको खुद भी रोमांटिक बनना होगा। आप अपने प्यार का इज़हार छोटे-छोटे प्यारे संदेशों, प्यार भरे इशारों या खूबसूरत गिफ्ट्स के जरिए कर सकती हैं। जब आपका पति आपके प्यार और रोमांस को महसूस करेगा, तो वो भी आपकी तरह प्यार जताने के लिए प्रेरित होगा।

रिश्ते में स्पेस दें

हर व्यक्ति रिश्ते में स्पेस चाहता है। पति पर ज्यादा दबाव डालने से वह रोमांटिक होने की जगह और दूर हो सकते हैं। उन्हें थोड़ा वक्त दें। शिकायत न करें, बल्कि रिश्ते में अपनी ओर से प्यार को जाहिर करें ताकि वह बिना दबाव और जबरदस्ती के आप से अपने तरीके से प्यार को जाहिर कर सकें। हर व्यक्ति का अपने प्यार को व्यक्त करने का तरीका अलग होता है। अगर आपके पति सीधे तौर पर रोमांटिक नहीं हैं, तो उनसे धैर्यपूर्वक व्यवहार करें। वक्त के साथ और आपकी समझदारी के साथ वो भी आपके प्रति ज्यादा रोमांटिक हो सकते हैं। उन्हें जबरदस्ती बदलने की कोशिश करने के बजाय अपने रिश्ते को स्वाभाविक रूप से आगे बढ़ने दें।

पसंद को अपनाएं

रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए आपसी साझेदारी जरूरी है। इसके लिए एक दूसरे की पसंद या शौक में दिलचस्पी लेना फायदेमंद हो सकता है। आप दोनों की साझा रुचि होगी तो उसे साथ में करने से आपके बीच संवाद बढ़ेगा और नजदीकियां आएंगी। जैसे मूवी देखना, गाने सुनना या कोई आउटडोर एक्टिविटी। साथ में ये एक्टिविटी आपको एक दूसरे के करीब लाएगा और पति का आपके लिए रोमांस बढ़ेगा।

सरलता में भी प्यार को पहचानें

कभी-कभी पुरुष अपने प्यार का इजहार रोमांटिक शब्दों या खास तरीकों से नहीं करते, लेकिन उनके छोटे-छोटे कामों में भी प्यार छिपा होता है। अगर वो आपके लिए कुछ करते हैं, जैसे आपकी मदद करते हैं, आपकी बातें सुनते हैं या आपके काम में हाथ बंटाते हैं, तो इसे भी प्यार का इज़हार मानें और शब्दों के इंतजार में रहें।

नए साल में सिगरेट-तंबाकू होगा महंगा!

महंगे कपड़ों पर भी बढ़ सकती है जीएसटी, काउंसिल लेगा आखिरी फैसला

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल में सिगरेट, तंबाकू और कोल्ड ड्रिंक्स का सेवन जेब पर भारी पड़ सकता है। जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के लिए गठित मंत्रियों के समूह ने इन उत्पादों पर जीएसटी दरों को मौजूदा लेवल 28 फीसदी से बढ़ाकर 35 फीसदी करने की सिफारिश की है। 21 दिसंबर 2024 को राजस्थान के जैसलमेर में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक होने जा रही है जिसमें सिगरेट, तंबाकू और कोल्ड ड्रिंक्स पर जीएसटी रेट बढ़ाने को लेकर अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सिगरेट-तंबाकू पर बढ़ेगा जीएसटी रेट

जीएसटी काउंसिल ने रेट्स को तर्कसंगत बनाने के लिए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स का गठन किया था। मंत्रियों के समूह ने आपसी सहमति के बाद सिगरेट, तंबाकू और उससे जुड़े प्रोडेक्ट्स के साथ एयरेटेड पेय पदार्थों (कोल्ड ड्रिंक) पर जीएसटी रेट को बढ़ाकर 35 फीसदी करने का प्रस्ताव दिया है जो अभी 28 फीसदी है।

महंगे कपड़ों पर लगेगा 28% जीएसटी!

मंत्रियों के समूह ने कपड़ों पर जीएसटी रेट्स को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की है। जीओएम ने 1500 रुपये तक के कपड़ों पर 5 फीसदी जीएसटी रेट बरकरार रखा है। लेकिन 1500 रुपये से 10000 रुपये तक के कपड़ों पर 18 फीसदी और 10000 रुपये से महंगे कपड़ों पर 28 फीसदी जीएसटी करने का प्रस्ताव दिया है। यानि 10000 रुपये से महंगे कपड़े भी लग्जरी आईटम्स की श्रेणी में आ जायेंगे। सम्राट चौधरी की अध्यक्षता वाली कमिटी ने 148 वस्तुओं पर जीएसटी रेट्स में बदलाव करने का सुझाव दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि जीएसटी रेट में बदलाव का राजस्व पर प्रभाव सकारात्मक रहेगा।

जीएसटी काउंसिल लेगा आखिरी फैसला

मौजूदा समय में जीएसटी दरों के चार स्लैब हैं। फिलहाल, 5, 12, 18 और 28 फीसदी की चार-स्तरीय जीएसटी रेट्स की स्लैब है जो आगे भी जारी रहेगी। और मंत्रियों के समूह ने 35 फीसदी के नए जीएसटी रेट का प्रस्ताव दिया है।

21 दिसंबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक में मंत्रियों के समूह के सिफारिशों पर चर्चा की जाएगी और इसके बाद काउंसिल इसपर आखिरी फैसला लेगा।

अनिल अंबानी की एक और कंपनी मुश्किल में, बैंक और डीमैट खाते कुर्क करने का आदेश

नई दिल्ली,3 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्ज में डूबे उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। उनकी एक और कंपनी मुसीबत में फंस गई है। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने 26 करोड़ रुपये का बकाया वसूलने के लिए रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के बैंक खातों के साथ-साथ शेयरों और म्यूचुअल फंड खातों को कुर्क करने का आदेश दिया है। सेबी ने इससे पहले 14 नवंबर को रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (आरबीईपी एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड) को एक नोटिस भेजकर रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के मामले में धन की हेराफेरी से संबंधित मामले में 15 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा था।रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट के जुर्माने का भुगतान नहीं करने को लेकर सेबी ने कुर्की नोटिस जारी किया। बाजार नियामक ने लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए कंपनी के बैंक, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड फोलियो को कुर्क करने का आदेश दिया है। नोटिस के अनुसार, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट पर 26 करोड़ रुपये का बकाया है, जिसमें ब्याज और वसूली लागत शामिल है। नोटिस के अनुसार, सेबी ने कहा कि यह मानने के लिए पर्याप्त कारण हैं कि डिफॉल्टर कंपनी बैंक खातों और डीमैट खातों या म्यूचुअल फंड फोलियो में प्रतिभूतियों का निपटान कर सकती है और इसलिए देय राशि की वसूली में देरी या बाधा उत्पन्न होगी।सेबी ने सभी बैंकों, डिपॉजिटरी और म्यूचुअल फंड से कहा कि वे खातों से किसी भी तरह की निकासी की अनुमति न दें। पिछले सप्ताह, नियामक ने कंपनी से धन के अवैध निकासी पर 78 करोड़ रुपये की कुल बकाया राशि वसूलने के लिए तीन कंपनियों को कुर्की नोटिस भेजे थे। ये कंपनियां हैं आधार प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, इंडियन एग्री सर्विस प्राइवेट लिमिटेड और मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड हैं।

अडानी पर बैन, आंध्र सरकार के लिए आसान नहीं

देना पड़ सकता है 1.61 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते यह खबर सामने आई थी कि आंध्र प्रदेश की सरकार गौतम अडानी के सरकार के साथ हुए सौर परियोजना कॉन्ट्रैक्ट को कैंसिल कर देगी। अडानी ग्रुप पर अमेरिका में रिश्वत लेने के आरोपों के बीच यह खबर सामने आई थी। लेकिन, सरकार के लिए ये फैसला लेना आसान नहीं होगा क्योंकि अगर सरकार अडानी ग्रुप पर 7,000 मेगावाट की सौर परियोजना पर प्रतिबंध लगाती है तो उसे दूसरे विकल्पों के लिए या तो 2,100 करोड़ रुपये का जुर्माना भरना होगा या फिर 1.61 लाख करोड़ रुपये का बिजली का बिल चुकाना होगा। दोनों ही विकल्पों से राज्य की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ सकता है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू खुद अडानी समूह के साथ 7,000 मेगावाट सौर ऊर्जा समझौते को लेकर समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें विरोधी वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) के खिलाफ 1,750 करोड़ रुपये के कथित रिश्वत के आरोप भी शामिल हैं।

मंगलवार को मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल की बैठक में इस बारे में जानकारी देंगे और रिपोर्ट के हिसाब से नायडू ने एक नोट तैयार किया गया है, जिसमें विभिन्न विकल्पों और वित्तीय सहायता की लिस्ट के बारे में जिक्र किया है।

टैरिफ पर फिर से हो सकती है बातचीत

राज्य सरकार एजीईएल के साथ टैरिफ पर फिर से बातचीत करने के लिए जांच का सहारा ले सकती है।

कंपनी ने 2.49 रुपये प्रति किलोवाट घंटा का टैरिफ ऑफर किया है। हालांकि, राज्य बिजली विभाग द्वारा दस्तावेजों को देखने से यह पता चलता है कि यह टैरिफ सबकी लिए मुफीद नहीं है।

एक बुनियादी सीमा शुल्क और जीएसटी आसानी से इसे 3.069 रुपये प्रति किलोवाट घंटा तक बढ़ा सकता है। इसके अलावा, सेंट्रल ट्रांसमिशन यूटिलिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा लगाए जाने वाले ट्रांसमिशन घाटे से टैरिफ में 80 पैसे की बढ़ोतरी होगी, जिससे प्रभावी टैरिफ 3.869रुपये प्रति किलोवाट हो जाएगा। इसका मतलब है कि 25 वर्षों के लिए राज्य का कुल बिजली बिल 1.61 लाख करोड़ होगा।

दूसरा विकल्प

इसके अलावा बिजली आपूर्ति के संकट से निपटने के लिए सरकार के पास एसईसीआई के साथ पीएसए को समाप्त करने का विकल्प भी मौजूद है। हालांकि, अगर पीएसए समाप्त किया जाता है, तो उसके लिए 2,100 करोड़ का भारी जुर्माना देना पड़ेगा।

एलन मस्क ने रच दिया इतिहास

पहली बार दौलत पहुंची 350 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क दौलत के उस पहाड़ पर जाकर खड़े हो गए हैं, जिसकी उम्मीद करना दुनिया के किसी दूसरे कारोबारी के लिए काफी मुश्किल है। एलन मस्क की कुल दौलत अब 350 अरब डॉलर के पार चली गई है। ऐसा पहली बार है जब किसी अरबपति की दौलत इस ऐतिहासिक मार्क पर पहुंची हो। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क की दौलत में 10 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है। खास बात तो ये है कि मौजूदा साल में उनकी नेटवर्थ में 124 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद तो एलन मस्क की नेटवर्थ में तेजी के साथ विस्तार देखने को मिला है। तब से अब तक उनकी नेटवर्थ में 89 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। खास बात तो ये है कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयर में 4 नवंबर के बाद से 47 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर एलन मस्क की कुल नेटवर्थ 350 अरब डॉलर से कितनी ऊपर चली गई है।

एलन मस्क ने रचा इतिहास

दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क की दौलत में इजाफा देखने को मिला है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार अब उनकी कुल नेटवर्थ 353 अरब डॉलर हो गई है। आज तक कोई भी अरबपति ऐसा नहीं कर सका है। कुछ दिन पहले उन्होंने अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ा था। खास बात तो ये है एलन मस्क 300 अरब डॉलर के मार्क को पार करते पर इकलौते शख्स हैं। पहली बार उन्होंने नवंबर 2021 में किया था। अब उन्होंने नवंबर 2024 में किया। जानकारों का मानना है कि अगर रफ्तार इसी तरह बरकरार रही तो ये साल खत्म होते-होते एलन मस्क 400 अरब डॉलर के बेंचमार्क को भी पार कर सकते हैं।

10 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा

ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार एलन मस्क की कुल दौलत में सोमवार को 10.3 अरब डॉलर यानी 4.3 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। वैसे मौजूदा साल में उनकी कुल नेटवर्थ में 124 अरब डॉलर यानी 54 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिल चुकी है। बीते करीब एक महीने यानी 5 नवंबर के बाद से एलन मस्क की कुल नेटवर्थ में 89 अरब डॉलर की बढ़ोतरी देखने को मिली है। 5 नवंबर को एलन मस्क की कुल नेटवर्थ 264 अरब डॉलर थी।

टेस्ला के शेयरों में बंपर तेजी

वहीं दूसरी ओर टेस्ला के शेयरों में बंपर तेजी देखने को मिली है। सोमवार को टेस्ला के शेयरों में 3.46 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। जिसके बाद कंपनी का शेयर 357.09 डॉलर पर आ गया है। जबकि 4 नवंबर के बाद से कंपनी के शेयर में 47 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिलेगा। 4 नवंबर को कंपनी के शेयर 242.84 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे। मौजूदा साल में टेस्ला ने निवेशकों को 43.74 फीसदी का रिटर्न दिया है।

राजपूताना बायोडीजल ने निवेशकों को झुमाया, एक दिन में पैसा हुआ डबल

मुंबई,3 दिसंबर (एजेंसियां)। इसे कहते हैं स्मार्ट इनवेस्टमेंट। जिन निवेशकों ने बायोडीजल बनाने वाली राजस्थान में फुलेरा की कंपनी राजपूताना बायोडीजल लिमिटेड में निवेश किया वे सब मालामाल हो गए। पिछले सप्ताह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई सेगमेंट में आईपीओ आया था। आज यह आईपीओ एनएसई में लिस्ट हो गया। निवेशकों को पहले ही दिन करीब दूने का मुनाफा हो गया। यही नहीं, इसका शेयर लिस्टिंग के एक मिनट के अंदर ही अपर सर्किट में फंस गया।

राजपूताना बायोडीजल आज सुबह 10 बजे एनएसई एसएमई में यह 247 रुपये पर लिस्ट हुआ। मतलब कि इश्यू प्राइस 130 रुपये से 117 रुपये या 90 फीसदी ज्यादा पर। इसके बाद यह चढ़ते हुए एक मिनट में पांच फीसदी चढ़ते हुए 259.35 रुपये पर चला गया जो कि आज के लिए ट्रेडिंग का अपर बैंड था। मतलब कि इसकी अपर सर्किट में बंद हो गई।

कंपनी ने प्राथमिक बाजार से 24.70 करोड़ रुपये जुटाई है। इसके तहत 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों का प्राइस बैंड 125 रुपये से 130 रुपये तय किया गया था। बिडिंग के बाद इसका दाम प्रति शेयर 130 रुपये तय हुआ है।

कंपनी ने प्राथमिक बाजार से सिर्फ 25 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था जबकि इसे निवेशकों ने 700 गुना ज्यादा मतलब कि 17500 करोड़ रुपये दे दिया। जुटाई

जा रही धनराशि का उपयोग कंपनी अपनी सहायक कंपनी को लोन देकर मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी के विस्तार करना चाहती है। इसके अलावा कंपनी अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी आईपीओ से मिले पैसों का उपयोग करेगी। कुछ अन्य सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए भी पैसों का उपयोग होगा। राजपूताना बायोडीजल बायो फ्यूल और उनके बाय प्रोडक्ट्स, जैसे ग्लिसरीन और फैटी एसिड आदि बनाती है। कंपनी की स्वीकृत प्रोडक्शन कैपेसिटी 30 किलोलीटर प्रति दिन है। इसकी इंस्टाल्ड प्रोडक्शन कैपेसिटी 24 किलोलीटर प्रति दिन है। मतलब कि इसकी प्रोडक्शन कैपिसिटी का ऑप्टिमम यूज किया जा रहा है। इसके प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में बायो-डीजल, क्रूड ग्लिसरीन, कास्टिक पोटाश फ्लेक्स, प्रयुक्त खाना पकाने का तेल, एस्ट्रिड फैटी एसिड, मेथनॉल, साइट्रिक एसिड, रिफाइंड राइस ऑयल, क्रूड सनफ्लावर ऑयल, सोडियम मेथाक्साइड, आरबीडी पाम स्टेरिन आदि शामिल है।

50% गिर गया विप्रो का शेयर, 50,000 के एक झटके में हो गए 25000

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। विप्रो के शेयरधारकों ने जैसे ही आज अपने पोर्टफोलिया पर नजर डाली तो उनका पोर्टफोलियो एक दिन में ही आधा रह गया। यानी जिस निवेशक के पास विप्रो के 50 हजार रुपए के शेयर थे, वो घटकर 25 हजार रुपए पर पहुंच गए। अगर आप भी विप्रो के शेयर धारक हैं तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है।

आपको बता दें विप्रो के शेयर 2 दिसंबर को जब मार्केट क्लोज हुआ था तब 585 रुपए प्रति शेयर थी, जो आज 291.80 रुपए प्रति शेयर पर पहुंच गई। दरअसल आज यानी 3 दिसंबर को विप्रो की स्टॉक बोनस इश्यू के लिए एक्स-डेट थी, जिस वजह से विप्रो के शेयर आज आधे हो गए। यहां हम इसके बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

क्या होता है बोनस इश्यू एक्स डेट?

शेयर बाजार में लिस्ट कंपनी बोनस इश्यू एक्स डेट टर्म को यूज करती है, इसमें कंपनी एक तारीख फिक्स करती हैं, जिस दिन कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस इक्विटी शेयर इश्यू करती है। जिसमें मौजूदा शेयर की कीमत आधी और जाती है और आपके पास पहले के मौजूद शेयर

की संख्या दो गुना हो जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो की कीमत एक दो दिन के लिए आधी होती है और जैसे ही ये अपडेट होता है तो फिर से आपके पोर्टफोलियो की प्राइस पहले जैसी हो जाती है। विप्रो ने इस बार 1:1 में बोनस शेयर इश्यू किया है, जिसमें किसी शेयरधारक के पास अगर 10 शेयर है तो उनकी संख्या बढ़कर अब बीस हो जाएगी। इससे पहले कंपनी ने 2019 में बोनस इश्यू जारी किया था जिसमें 1 शेयर के बदले 3 शेयर दिए गए थे। इक्विटी बोनस इश्यू होने के बाद आपके पोर्टफोलियो आधा जरूर हो गया होगा, लेकिन एक-दो दिन में ये अपडेट होकर पहले जितना हो जाएगा। साथ ही अब आपके पास पहले के मुकाबले दो गुने विप्रो के शेयर हो गए होंगे।

ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी से बाजार में तीसरे दिन भी तेजी, सेंसेक्स-निफ्टी भी उछली

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच मंगलवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगातार तीसरे सत्र में तेजी रही। मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 597.67 अंक या 0.74 प्रतिशत उछलकर 80,845.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 701.02 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 80,949.10 अंक पर पहुंचा। एनएसई निफ्टी 181.10 अंक या 0.75 प्रतिशत बढ़कर 24,457.15 अंक पर पहुंच गया। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया तीन पैसे चढ़कर 84.69 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर।सेंसेक्स के 30 शेयरों वाले

शेयरों में से अदाणी पोर्ट्स में करीब 6 फीसदी की तेजी आई। एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, लार्सन एंड टूब्रो, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी तेजी रही। भारती एयरटेल, आईटीसी, सन फार्मा, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक पिछड़ गए।एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में तेजी रही। यूरोपीय बाजार हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर सकारात्मक दायरे में बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 238.28 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,588.66 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.13 प्रतिशत बढ़कर 72.64 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद बीएसई का सेंसेक्स 445.29 अंक या 0.56 प्रतिशत चढ़कर 80,248.08 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 144.95 अंक या 0.60 प्रतिशत बढ़कर 24,276.05 अंक पर बंद हुआ था।

सोने-चांदी के दाम में आज तेजी

सोना 152 रुपए बढ़कर 76,460 रुपए पर पहुंचा, चांदी 90 हजार रुपए प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के भाव में आज यानी 3 दिसंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 152 रुपए बढ़कर 76,460 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,308 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी के दाम में भी आज तेजी है। ये 1,389 रुपए बढ़कर 90,000 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी 88,611 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,930 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की

कीमत 71,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,780 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 71,300 रुपये है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-34 सूर्यास्त. -17-36
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-14	बजे
चंद्र-	धनु	मे	धनु----	07-28	बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर....	09-33	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	11-25	बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	13-03	बजे
शुक्र-	मकर	मे	मेष---	14-38	बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	16-24	बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	18-24	बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	20-37	बजे
			सिंह---	22-48	बजे
			कन्या--	00-55	बजे
			तुला---	03-01	बजे

दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 13-09 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , बुधवार 04 December
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 17-14 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - गण्ड 13-55 तक उप वृद्धि
करण- गर 13-09 तक उप वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - नौसेना दिवस

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:06 से 13:30 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:34 - 07:57	शुभ	उत्पात	17:37 - 19:16	अशुभ
अमृत	07:57 - 09:20	शुभ	शुभ.	19:16 - 20:53	शुभ
काल.	09:20 - 10:43	अशुभ	अमृत	20:53 - 22:30	शुभ
शुभ	10:43 - 12:06	शुभ	चंचल.	22:30 - 00:07	शुभ
रोग	12:06 - 13:30	अशुभ	रोग	00:07 - 01:44	अशुभ
उत्पात	13:30 - 14:53	अशुभ	काल.	01:44 - 03:20	अशुभ
चंचल.	14:53 - 16:16	शुभ	लाभ	03:20 - 04:57	शुभ
लाभ	16:16 - 17:37	शुभ	उत्पात	04:57 - 06:34	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालंकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा । सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे । खूब प्रशंसा मिलेगी । इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें । इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे । आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी छोटी दिक्कतें हो सकती हैं।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप आज आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और किसी अधूरे पड़े काम को हाथ में लेंगे । समस्याएं आएँगी लेकिन आपका रास्ता नही रोक पाएंगी । कोई अच्छा दोस्त आपका साथ देगा । कार्यस्थल पर मिलने वाले एक महत्वपूरण सम्बन्ध की सहायता से नया मौका मिलेगा ।अतीत के फेर से निकलकर आगे की सोचें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । हालाँकि आपकी सेहत अच्छी है लेकिन इसके हिसाब से आपमें स्टैमिना कम है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज पैसे को संभलकर खर्च करें । सितारों के अनुसार आज आप बिना किसी बात के काफी खर्च कर सकते हैं । अगर आप ध्यान नही देंगे तो काफी बड़ी रकम आज आपसे खर्च हो सकती है । आज विवादो और टकराव से बचना ही बेहतर होगा । स्वास्थ्य सम्बन्धी कोई परेशानी नही होगी और आप बाहर घुमने का आनंद ले सकते हैं ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं । सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है । अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी । हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें । वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आज किसी परिजन को थोडा बीमार होने के कारण आपकी देखभाल की जरुरत पड़ सकती है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

इंजीनियरिंग छात्रा रेप-मर्डर केस

एससी ने फांसी पर लगाई रोक, रेप के बाद जलाकर मार डाला था, हाईकोर्ट ने कहा-फांसी से कम सजा ठीक नहीं

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा के साथ बलात्कार और हत्या के दोषी 30 वर्षीय युवक की मौत की सजा पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, पंकज मिथल और उज्ज्वल भुईयां की पीठ ने मामले में ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट का रिकार्ड पेश करने का निर्देश दिया है। निचली अदालत ने 2019 में घटना के दोषी बिहार के नवादा जिले के राहुल कुमार उर्फ राहुल राज को फांसी की सजा दी थी, जिसे रांची हाईकोर्ट ने भी बरकरार रखा था। राहुल ने इसी सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बीटेक की 19 वर्षीय छात्रा रांची की बूटी बस्ती में अपनी बहन के साथ रहती थी। उसके माता-पिता भी आते-जाते थे। 15 दिसंबर 2016 को छात्रा घर में अकेली थी। शाम छह बजे कॉलेज से लौटी थी। राहुल ने उसका दिनभर पीछा किया था। छात्रा को इसका एहसास नहीं था। 16 दिसंबर की सुबह करीब 4 बजे राहुल उसके

घर के ग्रिल का ताला किसी तरह खोलकर अंदर घुस आया। उसके साथ रेप किया और जब छात्रा अचेत हो गई तो तार से उसका गला घोंट दिया। छात्रा के शरीर से कपड़े उतारे और मोटर में डालने के लिए घर में रखा मोबिल बॉडी पर डालकर आग लगा दी। उसने छात्रा के कपड़े दूसरे कमरे में फेंक कर आग लगा दी। इसके बाद वह दरवाजा बंद कर भाग गया। इस जघन्य घटना के बाद रांची में लोग भड़क गए। कई दिनों तक प्रदर्शन हुए। बाद में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई। एजेंसी ने करीब 300 लोगों से पूछताछ की। मोबाइल कॉल के आधार पर राहुल का पता लगाया गया था।

राहुल नालंदा के एकंगरसराय थाना क्षेत्र के घुरगांव का रहने वाला है। जांच में पता चला कि वह (राहुल) आदतन अपराधी है। वह बूटी बस्ती में ही रहता था। उस पर पहले से पटना और लखनऊ में रेप के मामले दर्ज थे। सीबीआई जब राहुल की तलाश में उसके गांव पहुंची तो पता चला कि वह रेप के एक केस में लखनऊ जेल में बंद है। एजेंसी ने राहुल की मां के खून का सैंपल लेकर डीएनए टेस्ट कराया। छात्रा की बॉडी से उठाए गए स्वाब और नाखून के भीतरी अंश से डीएनए मैच कर गया। बाद में राहुल को लखनऊ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर रांची लाकर पूछताछ की गई। दिसंबर 2019 में ट्रायल कोर्ट ने राहुल राज को आईपीसी की धारा 302, 376, 449 और 201 के तहत दोषी ठहराया और उसे मौत की सजा सुनाई। 9 सितंबर 2024 को हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की सजा को बरकरार रखते हुए टिप्पणी की थी-'यदि ऐसे मामलों में फांसी की सजा नहीं दी जाएगी तो हम पीड़ित और समाज को निराश करेंगे।

मुंबई से देवघर तक सीधी हवाई सेवा शुरू

देवघर पहुंची पहली फ्लाइट, लोगों ने कहा- यह हवाई सेवा यात्रियों को काफी राहत पहुंचाएगी

देवघर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई से देवघर की सीधी हवाई सेवा शुरू हो चुकी है। मंगलवार को दोपहर एक बजे इंडिगो की पहली फ्लाइट मुंबई से देवघर पहुंची, जहां वाटर कैनन सैल्यूट से स्वागत किया गया।

एयरपोर्ट से बाहर निकले यात्रियों ने कहा-यह हवाई सेवा यात्रियों को काफी राहत पहुंचाएगी। करीब 180 यात्रियों को लेकर पहली फ्लाइट मुंबई से देवघर पहुंची। देवघर पहुंचने पर लोगों ने बाबा बैद्यनाथ की धरती को नमन किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण यह संभव हो पाया है। फ्लाइट से देवघर पहुंचे बम्पास टाउन निवासी मिथिलेश शर्मा ने बताया कि मुंबई की हवाई सेवा शुरू होने से देवघर समेत पूरे संथाल परगना, बिहार का भागलपुर-बांका, जमुई समेत आसपास के कई जिलों के यात्रियों को सहूलियत होगी।

सिमरटोली से मेकॉन 20 मिनट में

रांची को मिलेगा नया फ्लाईओवर, सीएम हेमंत सोरेन ने पत्नी कल्पना संग किया निरीक्षण

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची को जल्द एक ओर फ्लाईओवर मिलने वाला है। यह फ्लाईओवर सिरमटोली से मेकॉन के बीच बन रहा है। इसका काम लगभग पूरा हो चुका है। सिर्फ पटेल चौक से निवारणपुर के बीच बनने वाले केबल ब्रिज का काम बाकी है। सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार दोपहर पत्नी कल्पना सोरेन के साथ फ्लाईओवर का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इस फ्लाईओवर के बन जाने के बाद सुबह-शाम और दोपहर में स्कूल बसों वालों को आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। लगभग पांच किमी की दूरी 20 मिनट में पूरी हो जाएगी। अभी इसे तय करने में घंटे भर का समय लगता है। सिरमटोली चौक से मेकॉन चौक तक बन रहे इस फ्लाईओवर का एक हिस्सा राजेंद्र चौक में उतर रहा है। दूसरा हिस्सा मेकॉन चौक में उतरेगा। इस

फ्लाईओवर का पूरा प्रोजेक्ट 337 करोड़ रुपए का है। इसे एलएंडटी कंपनी बना रही है। इस फ्लाईओवर में पटेल चौक और निवारणपुर के बीच एक केबल स्ट्रीट ब्रिज बन रहा है। इस ब्रिज के नीचे से रांची रेलवे स्टेशन की लाइन गुजरी है। पूरे राज्य का यह पहला केबल स्ट्रीट ब्रिज होगा। कंपनी की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, ब्रिज की ऊंचाई 40 मीटर होगी, जो 7 मंजिले बिल्डिंग के बाराबर है। फिलहाल सिरमटोली से मेकॉन आने-जाने वालों को सुजाता चौक होकर आना-जाना पड़ता है। पिक ऑवर में आने-जाने में कई बार घंटे भर का समय लगता है। केबल स्टे ब्रिज का काम पूरा होने के बाद बिना किसी चौराहा पर रुके गाड़ियां 20 मिनट में आना-जाना कर सकेंगी। कांटाटोली फ्लाईओवर से सिरमटोली-मेकॉन एलिवेटेड कॉरिडोर को जोड़ने के लिए 1.25 किमी लंबे कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण भी होना है। विभागीय स्तर पर इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण करीब 180 करोड़ की लागत से होगा।

मलेशिया से वापस लौटेंगे झारखंड के 52 मजदूर

11 से 20 दिसंबर तक वापसी, एक साल पहले कमाने गए थे, अब खाने के भी पड़े लाले

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मलेशिया की राजधानी क्वालालांपुर में फंसे झारखंड के 52 मजदूरों और उनके परिजनों के लिए अच्छी खबर है। भारत सरकार ने इनकी वापसी की तैयारी शुरू कर दी है। कुछ कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद सबको 11 से 20 दिसंबर तक वापस देश लाया जाएगा। यह जानकारी गिरिडीह सांसद ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया X लिखा- मजदूरों के फंसने के मामले को सोमवार को संसद में नियम 377 के तहत सभा पटल पर रखा था। भारत सरकार ने संसद में बताया है- सभी मजदूरों को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर स्थित भारतीय दूतावास में रखा गया है। कुछ कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद तय तिथि पर इन मजदूरों को देश वापस लाया जाएगा।

मलेशिया में फंसे राज्य के 52

मजदूरों में सबसे अधिक मजदूर हजारीबाग जिले के हैं। हजारीबाग जिले के टाटी झरिया के 16 और बिष्णुगढ़ के 11 मजदूर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त गिरिडीह जिले के बगोदर के 7, बोकारो के गोमिया के 18 हैं। इनके अलावा इनके साथ ओडिशा, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना के मजदूर भी हैं। उनकी भी वापसी होगी।

दरअसल, झारखंड के ये मजदूर क्वालालांपुर में जुलाई 2023 में मास्टर इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन एसडीएन बीएचडी कंपनी में काम करने गए थे। शुरुआत में सब ठीक चल रहा था। सैलरी और सुविधाएं मिल रही थी। तीन महीना पहले कंपनी ने सैलरी देनी बंद कर दी। सारी सुविधाएं भी बंद कर दी गई। इसके बाद सब कंपनी के अंदर ही धरना पर बैठ गए। स्थिति बिगड़ी तो मजदूरों ने वीडियो बनाकर घरवालों को भेजा। इसके बाद घर वालों को भारत सरकार और राज्य सरकार से वापस लाने का अनुरोध किया। फिर लोगों ने वहां के दूतावास से संपर्क किया। इसके बाद दूतावास ने सबको कंपनी से निकालकर दूतावास में शिफ्ट किया। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने अपने X अकाउंट पर एक चिट्ठी जारी करते हुए बताया- उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर और उनसे मिलकर इन मजदूरों की देश वापसी का प्रयास किया। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय के अधिकारियों व केंद्र सरकार के आला अधिकारियों से संपर्क कर मजदूरों की वतन वापसी का रास्ता प्रशस्त कराया है।

प्रखंड प्रमुख कुमारी विनीता के पति की हत्या

एसडीओ आवास के सामने गली में मारी गोली, जमीन विवाद में मर्डर की आशंका

हजारीबाग, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग में सोमवार की रात कटकमदाग प्रखंड प्रमुख के पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली सिर में लगी, जिसकी वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना एसडीओ आवास के सामने एक गली में हुई।

पुलिस के अनुसार, घटना के पीछे जमीन विवाद हो सकता है। मृतक की पहचान कटकमदाग प्रखंड प्रमुख कुमारी विनीता के पति उदय साव के रूप में की गई। घटना के बाद स्थानीय लोग उदय साव को नजदीकी आरोग्यम असप्ताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अरविंद कुमार सिंह पहुंचे और मामले की जानकारी ली। साथ ही घटनास्थल पर पहुंचकर मौके का मुआयना किया। एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि एसडीओ आवास के सामने एक गली में उदय साव को गोली मारी गई है। एसपी ने यह भी कहा कि यह घटना जमीन से जुड़ा हो सकता है। जांच चल रही है।

उदय साव कटकमदाग के मुखिया भी रह चुके हैं। घटना की जानकारी मिलते ही कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह, समाज सेवी हर्ष अजमेरा भी अस्पताल पहुंच कर मामले की जानकारी ली। वहीं बरही विधायक मनोज यादव ने घटना की निंदा किया और घटना में शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है। हज़ारीबाग में एक माह के भीतर तीन घटनाएं हो चुकी है। एक माह के भीतर सिसरी निवासी मंजीत यादव, बड़कागांव निवासी प्रकाश ठाकुर की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

हेडमास्टर ने महिला बीईओ का गला दबाया, टेबल पर पटककर पीटा

ऑफिस के अंदर सिर पर पटकी फाइलें, सिग्नेचर कराने के दौरान मारपीट

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर के अभनपुर में एक हेडमास्टर का महिला बीईओ से मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। ऑफिस के अंदर पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई, फिर एक-दूसरे के सामने फाइलें पटक दी। अचानक हाथापाई हुई। हेडमास्टर ने महिला अधिकारी को टेबल पर पटककर गला दबा दिया।

बताया जा रहा है कि, सोमवार को परसदा गांव स्थित पूर्व माध्यमिक स्कूल के हेड मास्टर राजन बघेल अपने सीआर में श्रेणी की मार्किंग कराने के लिए बीईओ के ऑफिस पहुंचे थे। इस दौरान वो काम के लिए बीईओ धनेश्वरी साहू पर दबाव बनाने लगे। जिसे लेकर विवाद हो गया। राजन बघेल को स्टाफ कमरे के बाहर ले जाकर पानी पिलाया। कुछ देर बाद वो वापस अंदर आ गए।

वीडियो में दिख रहा है कि, हेडमास्टर राजन की बीईओ धनेश्वरी के साथ बहसबाजी हुई। इसके बाद गुस्साए हेड मास्टर ने टेबल पर फाइल पटकी। दोनों ने एक दूसरे के सामने फाइल पटक दिया। हेड मास्टर ने महिला बीईओ के साथ धक्कामुक्की करते हुए उनके सिर पर फाइल मार दिया और उनका गला दबा दिया। इस दौरान मौजूद स्टाफ ने बीच-बचाव कर मामले को शांत करवाया और हेड मास्टर को कमरे से बाहर लेकर गए। वहीं, घटना के बाद रायपुर संभागीय संयुक्त संचालक ने हेडमास्टर राजन कुमार बघेल को निलंबित कर दिया है।

इस मामले में महिला बीईओ की शिकायत के बाद अभनपुर पुलिस ने हेड मास्टर के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का एफआईआर दर्ज किया है। इस मारपीट में बीईओ को बाए गला में चोट आई है। फिलहाल पुलिस जांच में जुट गई है। वहीं, अभनपुर बीईओ धनेश्वरी साहू ने कहा कि, आरोपी ने जबरन दबाव पूर्वक काम कराने की कोशिश की। जब मैंने मना किया, तो उसने मुझ पर हमला कर दिया। उसने गला दबाकर मारने की भी कोशिश की है। स्टाफ ने बीच-बचाव कर बचाया। इस मामले में अभनपुर थाना प्रभारी सिद्धेश्वर प्रताप ने कहा कि, आरोपी हेड मास्टर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। आरोपी के खिलाफ मारपीट गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी पर मामला दर्ज किया गया है।

मरीज की मौत पर अस्पताल में हंगामा

परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप, जांच के आश्वासन पर माने

धनबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद में भारत कॉकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के केंद्रीय चिकित्सालय में मंगलवार को जमकर हंगामा हुआ। यहां एक महिला मरीज की मौत के बाद उसके परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ के खिलाफ खूब नारेबाजी की। पुटकी निवासी और बीसीसीएल कर्मी रविन्द्र हेम्ब्रम की पत्नी लक्ष्मी देवी को 26 नवंबर को निमोनिया के इलाज के लिए केंद्रीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। मंगलवार सुबह उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के कारण लक्ष्मी देवी की जान चली गई। इधर, मरीज की मौत की खबर सुनने के बाद उनके परिजनों ने अस्पताल परिसर में जोरदार हंगामा किया। गुस्से में आए परिजन डॉक्टरों और अस्पताल स्टाफ के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। अस्पताल प्रशासन के बार-बार समझाने के बाद भी परिजन शांत नहीं हुए और स्थिति तनावपूर्ण होती चली गई।

अस्पताल प्रबंधन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत सरायढेला पुलिस और सीआईएसएफ को सूचित किया। पुलिस और सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। अधिकारियों ने हंगामा कर रहे परिजनों से बात कर उन्हें समझाने की कोशिश की और मामले की जांच का आश्वासन दिया। अस्पताल प्रशासन ने परिजनों से यह वादा किया है कि पूरे मामले की गहन जांच की जाएगी। दोषी पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नहाते वक्त पानी भरे गड्ढे में फंसा बेबी-एलीफेंट

जंगल में शावक का इंतजार करता रहा हाथियों का दल, ग्रामीणों ने रास्ता बनाकर निकाला

रायगढ़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी का एक शावक पानी भरे खेत के गड्ढे में फंस गया। काफी देर तक वो गड्ढे से निकलने की कोशिश करता रहा, लेकिन इसमें वो सफल नहीं हो पाया। यहां के ग्रामीणों ने फावड़े से रास्ता बनाया, फिर शावक निकल सका। हाथियों का दल जंगल में इंतजार करता रहा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है। मामला लैलूंगा रेंज के बॉर्डर से लगे चिल्कागुड़ा गांव का है। जानकारी के मुताबिक लैलूंगा रेंज में 41 हाथी का दल विचरण कर रहा है। सोमवार की सुबह तकरीबन 7 बजे दल जंगल से निकलकर खेत में पहुंच गया। यहां एक बड़े गड्ढे में पानी भरा हुआ है, जहां सभी हाथी नहाने उतर गए। इस दौरान शावक भी नहाने के लिए उतर गया। काफी देर तक हाथियों का दल यहां रहा, लेकिन

बाद में हाथी गड्ढे से निकलकर जंगल की ओर चले गए। लेकिन शावक वहीं फंस गया। इस दौरान वो गड्ढे में इधर-उधर होता रहा। कोशिश करता रहा, लेकिन निकलने में नाकाम रहा। खेत में बने गड्ढे में फंसे शावक की जानकारी जब ग्रामीणों को लगी, तो उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग को दी। घरघोड़ा और लैलूंगा एसडीओ समेत वनकर्मी मौके पर पहुंचे। शावक को बाहर निकालने के लिए प्रयास शुरू किया। वनकर्मी और ग्रामीणों ने गड्ढे को फावडे से खोदकर बराबर किया, जिससे शावक बाहर निकल सका। इस दौरान जंगल किनारे दूर में हाथियों का दल भी था।

वीडियो में यह भी देखा जा रहा है कि जब ग्रामीण हाथी को निकालने के लिए मदद कर रहे थे, तो एक हाथी ग्रामीणों को देखते हुए आगे बढ़ रहा था, लेकिन उसने किसी पर हमला नहीं किया। जब शावक बाहर निकला, तो दौड़कर वह दूर चले गया। घरघोड़ा एसडीओ केपी डिंडोरे ने बताया कि शावक करीब 2 साल का होगा। वह बाहर निकलकर वापस अपने झुंड में चला गया है। हाथियों को लेकर ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

सीएम ने कराई 5 बेसहारा बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था

माता-पिता की मौत के बाद बच्चे हो गए थे बेसहारा, नानी को भी मिलेगी पेंशन

रांची, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद 5 बेसहारा बच्चों की शिक्षा, राशन, पोषण की व्यवस्था कर दी गई है। साथ ही बच्चों की नानी को अब पेंशन भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में चाईबासा डीसी को पीड़ित परिवार को हर

जरूरी सरकारी योजनाओं से जोड़ने और बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री को जानकारी मिली कि पश्चिमी सिंहभूम के झींकपानी स्थित असुरा गांव निवासी साहू पूर्ति और दुखी पूर्ति की मृत्यु 24 नवंबर 2024 को हो जाने के बाद उनके पांच बच्चे बेसहारा हो गए हैं। बच्चे को देखने वाली उनकी बुजुर्ग नानी सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित है। इसकी जानकारी के बाद मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और बच्चों को शिक्षा दिलवाने का आदेश दिया था। मामले में डीसी चाईबासा ने बताया कि बीडीओ ने असुरा गांव जाकर पीड़ित परिवार से भेंट की। इस दौरान पता चला कि बच्चों का ना तो आधार कार्ड है और ना ही जन्म प्रमाण पत्र। बुजुर्ग नानी को पहले पेंशन मिलता था, जो किसी कारण से बंद हो गया। पेंशन के कागजात भी कहीं खो गए हैं। बीडीओ द्वारा सभी बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र और आधार पंजीयन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, एक बच्चा चार माह का है, उसका पालन उसकी चाची द्वारा किया जा रहा है। इस पर प्रशासन ने आंगनबाड़ी से मिलने वाले पोषक पूरक आहार उपलब्ध करवाने के लिए सहायिका को कहा गया है। तीन बच्चों का नामांकन स्थानीय विद्यालय में और एक का नामांकन आंगनबाड़ी में करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

15 साल की गर्लफ्रेंड ने नाबालिग एक्स-बॉयफ्रेंड को पिटवाया

छत्तीसगढ़ में सूनसान जगह पर बुलाई, फिर दूसरे प्रेमी ने दोस्तों संग दौड़ा-दौड़ाकर बेसबॉल-बैट से पीटा

भिलाई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 15 साल की गर्लफ्रेंड ने नाबालिग एक्स बॉयफ्रेंड को सुनसान जगह पर मिलने बुलाया, फिर अपने दूसरे नाबालिग बॉयफ्रेंड से पिटवाया है। लड़की के लवर ने दोस्तों के साथ नाबालिग को बेसबॉल, बैट और लाठी से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा है। मामला वैशाली नगर थाना क्षेत्र के कैंप 1 स्थित मस्जिद के पास का है। लड़की के बॉयफ्रेंड ने पहले नाबालिग को जमकर पीटा और वीडियो भी बनाया। रुतबा दिखाने के लिए वीडियो को इंस्टाग्राम पर अपलोड भी कर दिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, भिलाई की रहने वाली नाबालिग लड़की और कैंप 2 संतोषी पारा निवासी 17 साल के लड़के के बीच प्रेम संबंध था। दोनों एक दूसरे से काफी बातें करते और मिलते थे, लेकिन इसी बीच लड़की को दूसरे नाबालिग लड़के से भी प्यार हो गया। इस बात की जानकारी पहले बॉयफ्रेंड को लग गई, तो उसने अपनी गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप कर लिया। झगड़ा किया और गाली गलौज कर भगा दिया। लड़की ने यह बात अपने नए (दूसरे) बॉयफ्रेंड को बताई। इस पर दूसरे लड़के ने उसे पीटने का प्लान बनाया। उसने लड़की को कहा कि वह पहले बॉयफ्रेंड को मिलने के लिए सुनसान जगह पर बुलाए।

लड़की ने पहले बॉयफ्रेंड को तीन दिन लगातार कॉल किया, उसे मिलने के लिए बुलाया, लेकिन वह उससे मिलने नहीं पहुंचा। इसके बाद लड़की ने 1 दिसंबर को शाम 6.30 बजे फिर से उसे फोन किया। कैंप 1 मस्जिद के पास बुलाया। लड़के का गुस्सा शांत हो चुका था, तो वह उससे मिलने पहुंच गया। इस दौरान उस जगह पर लड़की का दूसरा बॉयफ्रेंड और उसके 4 अन्य दोस्त चाकू, लाठी, बेसबॉल बैट लेकर खड़े थे। दूसरे बॉयफ्रेंड ने आते ही लड़की के एक्स बॉयफ्रेंड को गाली देते हुए पीटना शुरू कर दिया।

इसके बाद उसके साथियों ने उसे गिराकर बुरी तरह पीटा। पुलिस के मुताबिक जिन लड़कों ने मारपीट की उसमें 2 नाबालिग और 3 बालिग शामिल थे। आरोपियों में गुरजीत सिंह (22) निवासी कैंप 1 सुभाष चौक भिलाई, डिगेंद्र साहू उर्फ गुड्डू (21) निवासी उड़िया मोहल्ला कैंप 1 और आसिफ शेख (21) निवासी घासीदास नगर जामुल शामिल हैं। मारपीट में नाबालिग लड़के के सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य भागों में गहरी चोट आई है। सिर भी फट गया है।

दिव्यांग बोले-पुलिस ने रोड पर घसीटा, अंदर बंद किया

सीएम हाउस घेरने निकले, कहा-500 रुपए पेंशन है, इससे ज्यादा तो महतारी वंदन में मिल रहे

रायपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ रायपुर में प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस (3 दिसंबर) का बहिष्कार कर रहा है। प्रदर्शन के दौरान उनकी पुलिसकर्मियों में झूमा-झटकी भी हुई। इसके बाद पुलिस ने बड़ी संख्या में दिव्यांगों को टिकरापारा के साहू भवन में हाउस अरेस्ट किया है। दिव्यांगों का कहना कि सरकार हमारे साथ छलावा कर रही है। चुनावी वादे में 2500 रुपए देने की घोषणा की थी, लेकिन केवल 500 रुपए पेंशन दिया जा रहा है। इससे ज्यादा तो महतारी वंदन योजना के तहत घरेलू महिलाओं को 1000 रुपए मिल रहे हैं। वहीं बेमेतरा के पवन साहू ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि, पुलिस ने हम लोगों को रोड पर घसीटा है। पुलिस वाले गद्दारी कर रहे हैं। हम लोगों की मांगें पूरी नहीं होने दे रहे हैं। हम कैसे गुजारा करेंगे। हम लोगों के साथ बहुत गलत हो रहा है।

हमारी बातें सुनने वाला कोई नहीं हैं। वहीं रायपुर के नितीश सोनी ने कहा कि हम लोगों की मांगें पूरी नहीं हो रही है। सीएम साय ने हम लोगों को बुलाया था, जिसके बाद हम लोग ज्ञापन सौंपे थे। उन्होंने आश्वासन दिया था कि मांगें पूरी करें, लेकिन 3 महीने बीत गए। अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद परेशान होकर हम लोग सीएम हाउस घेरने निकले हैं। दिव्यांग संघ के अध्यक्ष बोहित राम ने कहा कि 2 महीने पहले दिव्यांग संघ ने प्रदेश में फर्जी दिव्यांगता सर्टिफिकेट से सरकारी नौकरी करने वाले अधिकारियों का खुलासा किया था। सीएम और मंत्रियों से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी। इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही, हमारे संघ के प्रतिनिधि मंडल ने सीएम से मुलाकात की थी, जिसमें 1 माह के अंदर और भी मांगों को पूरा करने को आश्वासन दिया गया था।

आश्वासन के चलते हमने अपने दिव्यांगजन स्वाभिमान पैदल को भी स्थगित किया था, लेकिन अब तक मांगे पूरी नहीं हुई। हम सभी दिव्यांगजन दुखी और आक्रोशित हैं।

छत्तीसगढ़ भाजपा नेता की हार्ट-अटैक से मौत

कोविशील्ड-वैक्सीन लगवाने के बाद रील में लिखा- अच्छे से खा पी लेता हूं, क्या पता कल क्या होगा

भिलाई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले खाने की थाली के साथ अपने सोशल मीडिया पर ये पोस्ट भिलाई के हाउसिंग बोर्ड में रहने वाले भाजपा नेता गुरमीत सिंह उर्फ हनी (42 साल) ने डाली थी। शनिवार रात हार्ट अटैक आने से उनकी मौत हो गई।

जब ये पोस्ट गुरमीत ने डाली थी तो कई लोगों ने इसे मजाक में लिया था। लेकिन 30 नवंबर की देर रात अटैक आने से हुई उनकी मौत ने सभी को चौंका दिया। जब उन्हें अटैक आया वो अपने घर पर अकेले थे। अगले दिन यानी रविवार को जब उनकी काम वाली बाई घर पहुंची। दरवाजा खटखटाया, पर किसी ने दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद उसने पूरी जानकारी आसपास के लोगों को दी। पड़ोसियों ने बाहर खिड़की से देखा तो गुरमीत अंदर कमरे पर बेसुध पड़े थे। इसके बाद लोगों ने डॉक्टर को बुलाया। जांच में पता चला कि उनकी मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी गई। गुरमीत की एक बेटी भी है। वो बाहर हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती है। गुरमीत घर पर अकेले रहते थे। बेटी और उनके रिश्तेदारों को फोन पर सूचना दी गई। जिसके बाद सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। गुरमीत की मौत से पूरा परिवार सदमे में हैं। हाउसिंग बोर्ड भिलाई निवासी गुरमीत सिंह उर्फ हनी लंबे समय तक कांग्रेस में भी सक्रिय थे। वो अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव रह चुके थे। कुछ महीने पहले ही उन्होंने भाजपा प्रवेश किया था।

चिन्मय प्रभु के वकील पर हमला, हालत गंभीर

कट्टरपंथियों ने घर में तोड़फोड़ की, चिन्मय की जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक टली

ढाका, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु के केस की पैरवी करने वाले वकील पर हमला हुआ है। यह दावा कोलकाता में इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने किया है। चिन्मय दास की जमानत पर सुनवाई 2 जनवरी तक के लिए टाल दी गई है। द डेली स्टार के मुताबिक यूनुस सरकार ने कोर्ट से समय मांगा जिसके बाद सुनवाई आगे बढ़ा दी गई। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कानूनी मदद न मिलने की वजह से चिन्मय दास की सुनवाई आगे बढ़ाई गई है। दरअसल, चिन्मय दास की पैरवी करने के लिए कोई भी वकील कोर्ट में पेश नहीं हुआ।

बांग्लादेश में सोमवार की रात ढाका यूनिवर्सिटी के कैंपस में सैकड़ों छात्रों ने भारत विरोधी नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन किया। ये छात्र सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश के असिस्टेंट हाई-कमीशन के कैंपस में तोड़फोड़ के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार के मुताबिक छात्रों ने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश के साथ नहीं बल्कि, पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना के साथ संबंधों को आगे बढ़ाया। भारत, शेख हसीना की सत्ता छिनने से खुश नहीं है।

बांग्लादेश के खुलना में सोमवार रात छात्रों और अन्य कट्टरपंथी संगठनों ने भारतीय सहायक उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन किया। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद नूर-ए-आलम ने कहा कि उच्चायोग के सामने अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। नियमित जांच के लिए चौकियां भी बनाई गई हैं।

बांग्लादेश के ढाका हाइकोर्ट में सभी भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए एक रिट याचिका दायर की गई है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक याचिका दायर करने वाले वकील अखलाक भुइयां की याचिका में स्टार प्लस, रिपब्लिक बांग्ला समेत सभी भारतीय चैनलों पर बैन लगाने की मांग की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारतीय चैनलों पर भड़काऊ खबरें प्रसारित हो रही हैं। बांग्लादेश में इस्कॉन के अनुयायियों में दहशत बनी हुई है। हमलों की आशंका के चलते इस्कॉन ने ढाका को छोड़कर चटगांव, कुश्तिया, खुलना और मयमनसिंह शहरों में मंदिर के बाहर अपने सभी कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। इस्कॉन के एक अनुयायी सुजान ने कहा कि मंदिर में पूजा-अर्चना जारी है लेकिन इस्कॉन के अनुयायी और संतों ने भगवा कपड़ों में मंदिर से बाहर निकलना बंद कर दिया है, वे अब सादे कपड़ों में ही बाहर जा रहे हैं। उन्हें डर है कि भगवा कपड़ों में देखकर उन्हें तरह-तरह की टिप्पणियों और हमलों का सामना करना पड़ेगा। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी का असली नाम चंदन कुमार धर है। वे चटगांव इस्कॉन के प्रमुख हैं।

हसीना बोलीं- मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यकों पर हमलों के जिम्मेदार

ढाका, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं का जिम्मेदार अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बताया है। न्यूयॉर्क के एक सेमिनार को वर्चुअली संबोधित करते हुए हसीना ने कहा-बांग्लादेश में सामूहिक हत्याओं का जिम्मेदार मुझे बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत में मोहम्मद यूनुस हैं जो छात्र नेताओं के साथ मिले हुए हैं और सामूहिक हत्याओं में शामिल हैं। दूसरी तरफ बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को समन जारी किया है। दरअसल, सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश मिशन पर हमला हुआ था, इस पर बांग्लादेश ने नाराजगी जताई थी। इस मामले पर आज शाम 4 बजे बांग्लादेश के विदेश सचिव रियाज हमीदुल्लाह ने प्रणय वर्मा से मुलाकात की।

इजराइल में मस्जिदों से स्पीकर हटाए जाएंगे

पुलिस को स्पीकर जब्त करने का आदेश, विरोधी बोले– इस फैसले से दंगे फैल सकते हैं

तेल अवीव, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल में मस्जिदों में स्पीकर से अजान पर रोक लगा दी गई है। रक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने पुलिस को मस्जिदों में लगे स्पीकर जब्त करने और शोर करने पर जुर्माना लगाने का आदेश दिया है। पूर्वी यरुशलम और कई दूसरे इलाकों में मस्जिदों से आने वाले तेज शोर की शिकायत की गई है। स्पीकर बैन की मांग करने वालों का कहना है कि इसकी तेज आवाज से सुबह की नींद में खलल पड़ता है। बेन ग्विर ने पुलिस कमांडरों से कहा- वह जल्द एक बिल पेश करेंगे जो शोर मचाने वाली मस्जिदों पर जुर्माना बढ़ाया जाएगा। इस फैसले के खिलाफ इजराइल में ही विरोध की आवाज उठने लगी है। कुछ शहरों के मेयर ने कहा- हम बेन ग्विर के इस कदम को मुस्लिमों के खिलाफ उकसावे की कार्रवाई के तौर पर देखते हैं, इससे दंगे फैल सकते हैं। अब्राहम इनिशिएटिव्स ऑर्गनाइजेशन, जो इजराइल में यहूदियों और अरबों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए काम करता है, ने भी इसका विरोध किया। संगठन ने कहा- ये पुलिस का राजनीतीकरण करने की कोशिश है। जबकि देश में अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं, बेन ग्विर पुलिस का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रहे हैं। वहीं, अरब इस्लामिस्ट पार्टी रा'आम के अध्यक्ष मंसूर अब्बास ने सरकार से अपील की कि वो बेन ग्विर को कंट्रोल करें। वो मुस्लिमों को भड़काने और जवाब देने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

बेन ग्विर को स्पीकर हटाने के फैसले पर गर्व

बेन ग्विर ने चैनल 12 से कहा कि उन्हें मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के अपने फैसले पर गर्व है। ये स्पीकर इजराइली नागरिकों के लिए खतरा बन गए हैं। उन्होंने कहा- ज्यादातर पश्चिमी देश और यहां तक कि कुछ अरब देश भी शोर को कंट्रोल रखते हैं और इस मामले पर कई कानून बनाते हैं। इसे सिर्फ इजराइल में ही नजरअंदाज किया जाता है। प्रार्थना करना एक बुनियादी अधिकार है, लेकिन किसी के जान की कीमत पर नहीं। दुनिया के अलग-अलग देशों में धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान स्पीकर के इस्तेमाल को लेकर अलग-अलग नियम हैं। नीदरलैंड, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और फ्रांस में अजान के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं होता है। कुछ साल पहले सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस (शासक) मोहम्मद बिन सलमान ने सभी मस्जिदों को अजान या अन्य मौकों पर लाउडस्पीकर धीमा करने के आदेश दिए थे। वहीं, बड़ी मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में भी 70 हजार मस्जिदों में लाउडस्पीकर की आवाज घटाई गई थी।

भारतीय मूल के फोटोग्राफर पर नस्लीय हमला

एलए एयरपोर्ट पर महिला ने भारतीयों को पागल कहा, एयरलाइन्स ने नो-फ्लाई लिस्ट में डाला

लॉस एंजिल्स, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। लॉस एंजिल्स एयरपोर्ट पर शटल बस में भारतीय मूल के अमेरिकी फोटोग्राफर परवेज तौफीक और उनके परिवार पर नस्लीय हमला किया गया। एक महिला ने तौफीक के परिवार पर नस्लीय टिप्पणी करते हुए कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है, भारतीय पागल हैं। महिला की इस हरकत पर यूनाइटेड एयरलाइन्स ने उसे नो-फ्लाई लिस्ट में डाल दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। मामले की शुरुआत तब हुई जब महिला ने तौफीक के बेटे पर नस्लीय टिप्पणी करना शुरू कर दिया। तौफीक ने जैसे ही इसका वीडियो बनाना शुरू किया तो महिला ने मिडिल फिंगर दिखाते हुए चिल्लाना शुरू कर दिया। महिला ने कहा- तुम्हारा परिवार भारत से है, तुम्हें रूल्स की कोई इज्जत नहीं है, तुम्हें लगता है कि तुम हर किसी को धक्का दे सकते हो। तुम लोग पागल हो। मामला बिगड़ता देख जब सिक्योरिटी गार्ड्स को बुलाया गया तो महिला खुद को ही पीड़ित बताने लगी। महिला ने कहा- वह (एयरलाइन कर्मचारी) इस बात की परवाह नहीं करते कि मैं नस्लवादी हूं, तुम मेरे लिए नस्लवादी हो, मैं अमेरिकन हूं। तौफीक ने कहा- हम भी अमेरिकन ही हैं। जवाब में महिला कहा- तुम अमेरिकी नहीं हो। ओरिजिनली नहीं। तुम भारत से हो। हालांकि, दूसरे पैसेंजर्स फोटोग्राफर का सपोर्ट किया। तौफीक ने घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- इस वक्त मेरा खून खौल रहा है। मैं इस पर यकीन भी नहीं कर सकता। वह मेरे बच्चों को चुप रहने के लिए कह रही थी, और मैं अपना आपा खो बैठा। मैंने कहा- तुम्हें मेरे बच्चों से इस तरह बात करने का हक नहीं है। अमेरिका में पिछले कुछ वक्त से भारतीयों के खिलाफ नस्लीय हिंसा में बढ़ोतरी देखी गई है। साल 2024 के शुरुआती तीन महीनों में ही भारतीय छात्रों की हत्या का आंकड़ा दहाई को पार कर गया था।

डी-डॉलरीकरण पर ट्रंप की धमकी को इजरायल का समर्थन

मंत्री नीर बरकत बोले- मुझे नहीं लगता भारत ऐसा करेगा

तेल अवीव, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को डी-डॉलरीकरण को लेकर धमकी दी है। अब इजरायल ने भी ट्रंप का इस मुद्दे पर समर्थन किया है और कहा है कि यही मुक्त विश्व के हित में है। इजरायल के मंत्री नीर बरकत ने ट्रंप की धमकी पर कहा कि मुझे लगता है कि यही मुक्त विश्व के हित में है। ये सही कदम है और मुझे नहीं लगता कि भारत किसी भी मुद्रा का हिस्सा बनने जा रहा है। इजरायल के मंत्री नीर बरकत ने कहा कि, 'मुझे लगता है कि यह (डॉलर में व्यापार) मुक्त विश्व के सर्वोत्तम हित में है। यह एक साहसिक और चतुराईपूर्ण कदम है और मुझे नहीं लगता कि भारत किसी भी तरह की मुद्रा का हिस्सा बनने जा रहा है, और न ही इजरायल ऐसा कुछ करेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ऐसी भू-राजनीतिक व्यवस्था बना रहे हैं और पश्चिम और लोकतंत्रों के हित में है और यह भी परिभाषित कर रहे हैं कि बुरे लोग, दुश्मन और जिहादी कौन हैं। ईरान, कतर, हमारे क्षेत्र में मौजूद छद्म देश जो शांति को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। यह न केवल इजरायल के हित में है बल्कि मुक्त विश्व के लिए भी हितकर है कि हम एकजुट हों।'

गौरतलब है कि ब्रिक्स समूह के सदस्य देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए डॉलर के विकल्प की संभावना तलाशी जा रही है। भारत भी ब्रिक्स का सदस्य है। हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को चेताया है कि उनकी सरकार डॉलर की प्रधानता को चुनौती देने वाले देशों के खिलाफ भारी टैरिफ लगाएगी। ट्रंप ने डी-डॉलरीकरण के दूरगामी परिणाम होने और इसे आर्थिक युद्ध के तौर पर पेश किया। नीर बरकत ने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रम्प अपनी अर्थव्यवस्था को भू-राजनीति के साथ जोड़ रहे हैं।'

सऊदी अरब के रेगिस्तानों में आएगी हरियाली

10 अरब पेड़ लगाने की तैयारी, रेत के टीलों में यूं फूल खिलाएंगे प्रिंस एमबीएस

रियाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब की सरकार अपने रेगिस्तानों में हरियाली लाने पर काम कर रही है। सऊदी ने इसके लिए बड़े पैमाने पर ग्रीन इनोवेशन में निवेश किया है, जिसके तहत अरबों की तादाद में पेड़ लगाए जाने हैं। सऊदी की ये कोशिशें ऐसे समय हो रही हैं, जब देश जलवायु परिवर्तन की वजह से कई तरह के मौसमी बदलावों का सामना कर रहा है। हालांकि यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या ये महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट वाकई जलवायु परिवर्तन का समाधान बन पाएंगे। हाल के वर्षों में सऊदी में जलवायु परिवर्तन एक बड़ा मुद्दा बन गया है।

अल्पसंख्यकों के लिए आवाज उठाने पर बिफरी यूनुस सरकार

भारतीय चैनलों पर रोक के लिए हाईकोर्ट पहुंची

ढाका, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अल्पसंख्यकों के लिए आवाज उठाने पर अब भारतीय चैनलों पर भी गाज गिरने वाली है। यहां की हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जिसमें बांग्लादेशी संस्कृति और समाज पर भारतीय मीडिया के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई है।

इतना ही नहीं, भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग की गई है। सोमवार को याचिका दायर करने वाले वकील एकलास उद्दीन भुइयां ने केबल टेलीविजन नेटवर्क ऑपरेशन एक्ट 2006 के तहत भारतीय टीवी चैनलों के प्रसारण पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। साथ ही यह भी पूछा है कि बांग्लादेश में भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश देने वाला नियम क्यों नहीं जारी किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति फातिमा नजीब और न्यायमूर्ति सिकदर महमूदुर रजी की पीठ याचिका पर सुनवाई कर सकती है। याचिका में सूचना मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सचिवों, बांग्लादेश दूरसंचार नियामक आयोग (बीटीआरसी) और अन्य को प्रतिवादी बनाया गया है।

ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, स्टार जलशा, स्टार प्लस, जी बांग्ला, रिपब्लिक बांग्ला जैसे भारतीय टीवी चैनलों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करती है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारतीय चैनलों पर भड़काऊ खबरें दिखाई जा रही हैं और बांग्लादेशी संस्कृति का विरोध करने वाली सामग्री से युवाओं पर गलत असर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह आरोप लगाया गया है कि ये चैनल किसी भी नियमों का पालन किए बिना चलाए जा रहे हैं।

नेपाल में जिनपिंग के मंसूबों को पूरा करने के लिए तैयार ओली

लेकिन बीआरआई को लेकर सता रहा डर, क्या बीजिंग में बनेगी बात?

बीजिंग, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा पर हैं। मंगलवार 3 दिसम्बर को उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की। इस यात्रा के दौरान ओली का जिनपिंग के साथ आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करने का कार्यक्रम है। चीन परस्त ओली बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत चीनी वित्तपोषित परियोजनाओं के लिए एक नया ढांचा चाहते हैं। जुलाई में पद संभालने वाले ओली की किसी पड़ोसी देश की पहली यात्रा है, जिसका उनके देश में ही विरोध हो रहा है। पारंपरिक रूप से नेपाल के नेता प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पहला दौरा भारत का करते रहे हैं।

साल 2017 में चीन के साथ एक समझौते के तहत नेपाल शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी बीआरआई प्रोजेक्ट का हिस्सा बना था। हालांकि, अभी तक देश में भी परियोजना पर काम शुरू नहीं हुआ है। नेपाल की प्रमुख

राजनीतिक पार्टियों के बीच चीन के साथ बीआरआई प्रोजेक्ट को लेकर मतभेद है। इसके साथ ही भू-राजनीतिक और चीनी कर्ज जाल संबंधी चिंताओं के चलते भी इसकी प्रगति बाधित हुई है। बीआरआई का उद्देश्य विकासशील देशों को बेहतर परिवहन और डिजिटल कनेक्टिविटी बनाने में मदद करना है। हालांकि, इसके बहाने चीन की योजना देशों को चीनी कर्ज के बोझ तले दबाने की है।

नेपाल नहीं चाह रहा चीनी कर्ज

ओली की बीजिंग यात्रा के दौरान बीआरआई परियोजनाओं को लागू करने की दिशा में प्रगति दिखाने और वादा किए गए चीनी विकास अनुदानों को जारी करने पर दांव बहुत ज्यादा है। बुधवार को चीनी राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान उनके बीआरआई सहयोग ढांचे का समर्थन करने का आग्रह करने की उम्मीद है।

दरअसल नेपाल चीन के कर्जजाल से बचने की कोशिश कर रहा है। डीडब्ल्यू ने नेपाली विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया कि बीआरआई प्रोजेक्ट की फंडिंग के लिए, नेपाल की प्राथमिकता कर्ज की तुलना में चीनी अनुदान हासिल करने की है। हालांकि, सॉफ्ट लोन और संयुक्त उद्यम जैसे दूसरे विकल्प खुले हैं।

नेपाल की कर्ज चिंता

बीआरआई प्रोजेक्ट में चीन के ऊंची ब्याज वाले कर्ज को लेकर नेपाल की चिंताएं भी हैं। चीनी ब्याज विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसे संस्थानों की तुलना में 4 फीसदी से भी ज्यादा है। नेपाली विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने बीते सप्ताह चीन का दौरा किया था।

लौटने पर उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने चीनी पक्ष को कर्ज के माध्यम से बीआरआई प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं होने की हमारी परिस्थितियों से अवगत कराया है। हम पहले से ही उच्च सार्वजनिक कर्जों के कारण दबाव का सामना कर रहे हैं।

हम चीन के अनुदानों को लेकर आशान्वित हैं।'

खोदाई करने वाले वाहन के नीचे आई महिला वकील

धनबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले में सोमवार को सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। महिला एक भारी वाहन के नीचे आ गई, जब वह अपने पति के साथ दोपहिया वाहन पर घर लौट रही थी। हादसा झरिया थाना क्षेत्र में कतरा मोड़ के पास हुआ। पुलिस ने बताया कि पेशे से वकील महिला अपने पति के साथ दोपहिया वाहन पर सवार थी, तभी एक अर्थमूवर ने पीछे से उनके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

ब्रिटिश सांसद ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर जताई नाराजगी

लंदन, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार आलोचकों के निशाने पर है। अब ब्रिटेन की भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने भी इस पर नाराजगी जाहिर की और साथ ही ब्रिटेन की कीर स्टार्मर सरकार से मोहम्मद यूनुस सरकार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रीति पटेल ने संसद में दिए अपने संबोधन का वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किया है। इस पोस्ट के कैप्शन में प्रीति पटेल ने लिखा कि 'बांग्लादेश में जारी हिंसा को लेकर चिंतित हूं और मेरी दुआएं उन लोगों के साथ हैं, जो इस हिंसा से प्रभावित हैं। संसद में मैंने आज सरकार से अपील की कि वे बांग्लादेश की सरकार से इस मुद्दे पर बात करें। धर्म के आधार पर हो रहे भेदभाव और हिंसा से लोगों की जिंदगी बचाने के लिए कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।' ब्रिटिश सांसद और ब्रिटेन की पूर्व गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं, वे बेहद चिंताजनक हैं। बांग्लादेश में एक हिंदू साधु की गिरफ्तारी पर भी प्रीति पटेल ने चिंता जाहिर की और ब्रिटिश सरकार से अपील की कि वे चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई के लिए कार्रवाई करे। गौरतलब है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद से पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं।

इस हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने के चलते बीते दिनों बांग्लादेश में राजद्रोह के आरोप में एक हिंदू साधु चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया गया।

शराब, मादक पेय, जादू-टोना, मिस्रवासियों के पिरामिड पर रिसर्च से सनसनीखेज खुलासे

काहिरा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। प्राचीन मिस्र के लोगों के खानपान और रहन-सहन पर एक नई और दिलचस्प खोज सामने आई है। दक्षिण फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पाया है कि प्राचीन मिस्रवासी साइकेडेलिक पेय पदार्थों (नशा करने वाले) का सेवन करते थे। शोधकर्ताओं ने ये दावा एक 2,000 साल पुराने मग का विश्लेषण करने के बाद किया है। यह खोज प्राचीन मिस्र के धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन पर नई रोशनी डालती है, जिसमें दुनियाभर के शोधकर्ताओं की रूचि रही है। डेली स्टार की रिपोर्ट कहती है कि इस प्राचीन मग पर बेस देवता का चित्र अंकित है। प्राचीन मिस्र बेस देवता की पूजा सुरक्षा, बच्चे की चाह, बीमारियों के

एक्सपर्ट भी हैरान

इलाज और जादुई शुद्धि के लिए की जाती थी। शोधकर्ताओं ने केमिकल डायलिसिस तकनीक का उपयोग करके मग के अंदर के अवशेषों का विश्लेषण किया तो मग में शारीरिक द्रव, नशीले पदार्थ और शराब के अंश पाए। इससे पता चलता है कि प्राचीन मिस्रवासी इनको मिलाकर पेय पदार्थ तैयार करते थे। टाम्पा म्यूजियम ऑफ आर्ट में रखे बेस मग के विश्लेषण से पता चलता है कि प्राचीन मिस्रवासियों का जीवन जितना माना जाता रहा है, उससे कहीं ज्यादा जटिल और रहस्यमयी था। यह शोध इस बात की पुष्टि करता है कि मिस्र के मिथकों में कुछ सच्चाई है। यह हमें गीजा के महान पिरामिड के पास सक्कारा में बेस

कक्षों में किए जाने वाले अनुष्ठानों को समझने में भी मदद करता है। शोध दल के हेड डेविड तानासी ने कहा, 'अभी तक किसी भी शोध में ऐसी जानकारी नहीं मिली थी, जैसी इस रिसर्च से मिली है। पहली बार रिसर्च टीम टाम्पा म्यूजियम ऑफ आर्ट के बेस मग में मौजूद तरल मिश्रण के सभी घटकों के रासायनिक संकेतों की पहचान करने में सक्षम हुई। इसमें मिस्रवासियों के उपयोग में रहे पौधे भी शामिल हैं, जिनमें सभी साइकोट्रोपिक और औषधीय गुण हैं। तानासी का कहना है कि धर्म प्राचीन सभ्यताओं के सबसे आकर्षक और रहस्यमय पहलुओं में से एक है। यह शोध प्राचीन मिस्र के धर्म और संस्कृति के बारे में हमारी समझ को गहरा करता है। इसने दुनियाभर के इतिहासकारों और पुरातत्वविदों का ध्यान प्राचीन मिस्र के रहस्यों की तरफ फिर से खींचा है।

फिनलैंड ने धरती के 1500 फुट नीचे बनाई अनोखी सुरंग

1 लाख साल के लिए किया जाएगा सील, दुनिया क्यों है हैरान?

हेलसिंकी, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। फिनलैंड ने जमीन के नीचे करीब 1500 फीट की एक सुरंग बनाई है और इसे एक लाख साल के लिए बंद भी करने जा रहा है। दरअसल यह सुरंग परमाणु कचरे के लिए दुनिया का पहला स्थायी भंडारण स्थल होगी। यह फिनलैंड के यूरोजोकी में बनी है और इसे ओंकालो नाम दिया गया है। परमाणु कचरे के लिए निपटान के लिए उठाए गए फिनलैंड के इस कदम को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। कई दूसरे देश भी अब इस दिशा में बढ़ सकते हैं।

द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, फिनलैंड की यह भूमिगत सुरंग 1,480 फीट गहरी है। अगले साल यानी 2025 से लेकर अगले 100,000 वर्ष तक इसमें कोई इंसान प्रवेश नहीं कर पाएगा। इसे पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इस परियोजना की लागत करीब

860 मिलियन पाउंड है। ओंकालो को परमाणु कचरे के निपटान के लिए एक आदर्श माना जा रहा है। यह पृथ्वी की गहराई में खतरनाक परमाणु अपशिष्ट को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने का नया तरीका है।

क्यों खास है ये टनल

फिनलैंड की इस भूमिगत सुरंग को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह हजारों वर्षों तक रेडियोधर्मी पदार्थों को वातावरण से दूर रखेगी। इससे आने वाली पीढ़ियों और पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। ओंकालो के निर्माण में उन्नत इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कई सुरक्षा उपाय किए गए हैं कि रेडियोधर्मी पदार्थ रिसकर बाहर नहीं आएं। इस परियोजना में खर्च किए गए 860 मिलियन पाउंड इसकी जटिलता और महत्व को दर्शाते हैं। यह परमाणु कचरे के निपटान की एक दीर्घकालिक और सुरक्षित विधि प्रदान करता है। कई दूसरे विकसित देश भी इस तकनीक को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं, जिससे भविष्य में परमाणु कचरे से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकल सकता है। यह परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल को और भी सुरक्षित और टिकाऊ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैसे रखा जाएगा परमाणु कचरा

एक रेडियोधर्मी अपशिष्ट प्रबंधन कंपनी पोसिव ओए निपटान प्रणाली का निर्माण कर रही है। खर्च किए गए परमाणु कचरे को कच्चे लोहे और तांबे के सिलेंडर के अंदर रखा जाएगा। फिर इसे बेंटोनाइट मिट्टी में लपेटा जाएगा ताकि सीलबंद कनस्तर को ढका जा सके। इसके बाद सुरंग अंतरालों को मिट्टी से भर दिया जाएगा। ये सील संरचनाएं सुरंगों और आसपास के क्षेत्र को बंद कर देती हैं, साथ ही चट्टान को भी घेर लेती हैं। इन कनस्तर को रोबोटिक वाहनों से उठाकर डिपोजिशन होल में ले जाया जाएगा, जहां वे हमेशा के लिए रहेंगे।

उपचुनाव में जीते 7 विधायकों ने ली शपथ

विधायक डांगा ट्रैक्टर से पहुंचे विधानसभा

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में जीतकर आने वाले विधायकों ने मंगलवार को शपथ ग्रहण की। स्पीकर वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में शपथ दिलवाई। दौसा से डीसी बैरवा, खींवसर से रेवतराम डांगा, सलूम्बर से शांता देवी मीणा, देवली-उनियारा से राजेन्द्र गुर्जर, झुंझुनूं से राजेन्द्र भांबू, रामगढ़ से सुखवंत सिंह और चौरासी से अनिल कटारा ने शपथ ली। इस दौरान विधानसभा में विधायक रेवंतराम डांगा ट्रैक्टर से विधानसभा पहुंचे। दौसा से विधायक डीसी बैरवा संविधान की किताब दिखाते हुए विधानसभा पहुंचे। सदन में भारतीय आदिवासी पार्टी तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी बन गई है।

प्रदेश में उपचुनाव के लिए 13 नबंवर को मतदान किया गया। जबकि प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला 23 नबंवर को हुआ।

बता दें कि दौसा विधानसभा सीट से तत्कालीन विधायक मुरारी लाल मीणा के सांसद बनने, खींवसर से तत्कालीन विधायक हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने, चौरासी तत्कालीन विधायक राजकुमार रोत के सांसद बनने, झुंझुनूं से बृजेंद्र ओला के सांसद बनने और देवली-उनियारा से तत्कालीन विधायक हरीश मीणा के सांसद बनने के बाद सीट खाली हुई थी। वहीं, रामगढ़ सीट से जुबेर खान और सलूंबर से अमृतलाल मीणा के निधन होने पर उपचुनाव हुए।

अगले चार साल में होगा बड़ा परिवर्तन : राज्यवर्धन राठौड़

दौसा, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एनसीआर की तर्ज पर अब दौसा जिले में 2,100 करोड़ रुपये का कई कंपनियां और व्यापारियों द्वारा इन्वेस्टमेंट लाने की सरकार ने तैयारियां पूरी कर ली है। इसको लेकर राजधानी जयपुर में होने वाली एक बड़ी इन्वेस्टमेंट मीटिंग से पहले दौसा में इन्वेस्टमेंट के लिए इन्वेस्टरों के साथ एमओयू साइन किए गए। इस दौरान राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भी मौजूद रहे।

राइजिंग राजस्थान के तहत दौसा में हुई इन्वेस्टर मीटिंग के दौरान मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा है कि दौसा जिला व्यापार के लिहाज से बहुत सुलभ और उचित भौगोलिक दृष्टि का जिला है। यहां से रेल मार्ग सड़क मार्ग सुलभ है। क्योंकि दौसा जिला अब रेल और सड़क मार्ग के चलते लगभग पूरे देश भर से सीधे जुड़ गया है, जिसके चलते अब इन्वेस्टरों का भरोसा दौसा की ओर आने लगा है। यही कारण है कि दौसा में 2,100 करोड़ रुपये का इन्वेस्टमेंट किया जा रहा है, जिसके चलते यहां की भौगोलिक स्थिति पूरी तरह एनसीआर की तरह हो जाएगी।

उधर, राठौड़ ने बताया कि दौसा जिला दिल्ली मुंबई कॉरिडोर पर स्थित हैं। दौसा में दौसा होकर दो एक्सप्रेस हाइवे निकलते हैं। एक जामनगर को जाता है तथा दूसरा मुंबई को जाता है। हर तरीके से यहां जमीन उपलब्ध है। यहां पर सोलर ऊर्जा और रिन्यूअल एनर्जी यहां पर हो सकती है। यहां पर लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति खराब नहीं है। यहां पर मजदूर यूनियन की समस्या नहीं है, यहां पर लोग अनुशासन और मजबूती से काम करने वाले लोग हैं।

इधर, दौसा के बारे में राठौड़ ने कहा कि यहां पर एग्रो प्रोडक्ट भी अच्छी मात्रा में होता है। यहां का बाजार पूरे देश भर में विख्यात है। ऐसा बाजार कहीं भी नहीं होता। यही कारण है कि राजस्थान इन्वेस्टमेंट के लिहाज से काफी उपयुक्त स्थान है और आने वाले चार साल में राजस्थान में इन्वेस्टमेंट की अपार संभावनाएं निकाल कर आएंगी, जिसके लिए सरकार भी पूरी तरह तैयार है। आने वाले चार साल में राजस्थान में राइजिंग राजस्थान के तहत बड़ी मात्रा में परिवर्तन होगा।

राष्ट्रीय ध्वज अपमान मामले में एक्ट्रेस श्वेता मेनन को नहीं मिली बेल

इस दिन कोर्ट सुना सकता है फैसला

अलवर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2004 में अलवर में आयोजित एक फैशन शो के दौरान राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के मामले में अभिनेत्री श्वेता मेनन अतिरिक्त न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-5 के समक्ष पेश हुई। आरोपी पक्ष के वकील अशोक शर्मा ने बताया कि साल 2004 में राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के मामले में न्यायाधीश ने अभिनेत्री को 6 नवंबर, 2024 को न्यायलय के समक्ष प्रस्तुत होने के आदेश जारी किए थे।

उन्होंने बताया कि अभिनेत्री की मां की तबीयत ज्यादा खराब होने के कारण वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हो सकी। इसके बाद न्यायालय की ओर से उनके गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे। इस पर अभिनेत्री ने न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण कर जमानत की याचिका दायर पेश की थी, जिसे न्यायाधीश ने स्वीकार नहीं की।

इस मामले में न्यायालय में अंतिम सुनवाई हुई। इसके बाद आगामी 6 दिसबंर को न्यायालय का फैसला आने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि अलवर निवासी आशीष गुप्ता की ओर से 29 अक्टूबर, 2004 को शहर के एक होटल में फैशन शो का आयोजन किया गया था। आरोप है कि शो के दौरान अभिनेत्री श्वेता मेनन ने राष्ट्रीय ध्वज को असम्मानजनक ढंग से लहराया था।

आईएएस टीना डाबी बोलीं- शर्म आती है तो मेरे पास आएं

महिलाओं में खून और कैल्शियम की कमी

बाड़मेर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। कलेक्टर टीना डाबी ने नवाचार से बाड़मेर में महिलाओं और युवतियां का दिल जीत लिया है। अब टीना डाबी अपने नए मिशन 'मरु उड़ान' को लेकर महिलाओं की चहेती बन गई हैं। इसके तहत बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने टाउन हॉल में महिलाओं और युवतियों से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से कहा, अगर आप अपनी बीमारी के बारे में अपनी मम्मी-पापा से शेयर नहीं कर सकते, तो मेरे पास आ सकते हैं। मेरी टीम से मिल सकते हैं। हम सब आपके साथ हैं। महिलाओं ने जब यह बात टीना डाबी के मुंह से सुनी, तो वह सब टीना की मुरीद बन गईं। कार्यक्रम के बाद टीना डाबी के दोस्ताना व्यवहार से खुश महिलाएं और युवतियों में उनके साथ सेल्फी खींचने की होड़ मच गई। इस दौरान टीना डाबी भी बेहद खुश नजर आईं।

बाड़मेर में स्वच्छता अभियान के बाद उनका 'मरु उड़ान' मिशन काफी चर्चा में है। इस मिशन का उद्देश्य महिलाओं को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करना है। इसी को देखते हुए उन्होंने महिलाओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि महिला जितना ख्याल परिवार का रखती है, उतना ही खुद का भी रखना चाहिए, खान-पान पर ध्यान रखें, अगर परिवार को, मम्मी पापा को बताने में किसी बात को लेकर शर्म आती है, तो मेरे पास आ सकते हैं। मैं उनकी मदद करूंगी। मेरी टीम उनकी मदद करेगी।

1,538 महिलाओं की जांच हुई

टीना डाबी ने बताया, मरु उड़ान प्रोग्राम के तहत 12 से 28 नवंबर के बीच 12 ब्लॉक पर तीन हजार से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इनमें 1,538 महिलाओं की हेल्थ संबंधी विभिन्न जांचे गई। इन जांचों में महिलाओं में खून और कैल्शियम की कमी पाई गई। उन्होंने कहा कि महिलाएं शर्म के कारण मेंटल और फिजिकल हेल्थ के बारे में खुलकर नहीं बोल पाती है। इसको ध्यान में रखते हुए हमने छोटे-छोटे ग्रुप बनाकर संवाद करवाया।

दिसंबर-जनवरी में यह होंगे कार्यक्रम

मरु उड़ान अभियान का पहला फेज समाप्त हो चुका है। अब दिसंबर में स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके तहत मुंबई से डॉक्टरों की स्पेशल टीम आएगी। इसके अलावा वित्तीय प्रबन्धन कार्यशाला, घरेलू उद्यम प्रोत्साहन सेमिनार, महिला आत्मरक्षा कार्यशाला, साइबर अपराध से बचाव, डिजीटल साक्षरता सेनिनार, ड्राइविंग कोर्स व ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी जाएगी। इसी तरह 9वीं से 12 वर्ष तक की बालिकाओं के मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक शक्ति के विकास के लिए संवाद कार्यक्रम नींव का आयोजन होंगे। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादों से आय बढ़ाने एवं नवीन तकनीक की जानकारी के लिए विशेषज्ञ भ्रमण, सुपर फूड उत्पादन पर कार्यशाला, मिलट कुकीज प्रशिक्षण कार्यशाला और करियर काउंसिलिंग सहित कई प्रोग्राम होंगे।

अभिमन्यु पूनिया के भड़काऊ बयान पर मुकदमा दर्ज

आईजी ने दिए कार्रवाई के निर्देश

जोधपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। एनएसयूआई के नशा नहीं, नौकरी दो कार्यक्रम के दौरान बाड़मेर से विधायक अभिमन्यु पूनिया द्वारा दिए गए विवादित बयान पर पुलिस ने उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जोधपुर रेंज के आईजी विकास कुमार ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बाड़मेर एसपी को कार्रवाई के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि विधायक अभिमन्यु पूनिया ने अपने भाषण में कहा था, बाड़मेर के युवा जवान हैं और अगर कोई अधिकारी काम नहीं करता है तो ठोंक दिया करो। सार्वजनिक मंच से दिए गए इस बयान ने कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो दिए थे।

आईजी विकास कुमार ने इस बयान को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में हर नागरिक को अपनी बात कहने का अधिकार है, लेकिन कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। शिकायतों के लिए संवैधानिक प्रक्रियाएं और मंच मौजूद हैं। इस तरह के भड़काऊ बयान अस्वीकार्य हैं। मामले में बाड़मेर एसपी को आईजी द्वारा मामले की जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने विधायक पर युवाओं को भड़काने और कानून व्यवस्था को चुनौती देने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की है।

इस पूरे मामले में विधायक अभिमन्यु पूनिया का अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।आईजी विकास कुमार ने स्पष्ट किया है कि कानून का पालन सभी के लिए समान है और किसी को भी भड़काऊ बयान देकर अशांति फैलाने का अधिकार नहीं है।

साइबर ठगों को बैंक खाता देने वाले शातिर पुलिस के हत्थे चढ़े

डिजिटल अरेस्ट कर ठगे थे 90 लाख

अजमेर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर जिले की मदनगंज थाना पुलिस ने साइबर ठगों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों ने जयपुर निवासी 83 वर्षीय बुजुर्ग राजेंद्र कुमार माहेश्वरी को डिजिटल अरेस्ट कर उनके साथ 90 लाख की ठगी करने वालों को बैंक खाता उपलब्ध करवाया था और साइबर ठगी की रकम से शहर के प्रतिष्ठित ज्वेलर्स की दुकान से खरीददारी की थी। पकड़े गए तीनों युवक किशनगढ़ निवासी हैं, पुलिस ने इन्हें साइबर पुलिस थाना आयुक्तालय, जयपुर के सुपुर्द कर दिया है।

मदनगंज थानाधिकारी शंभू सिंह शेखावत ने जानकारी देते हुए बताया कि साइबर ठगी की रकम से तीनों बदमाशों ने शहर के एक प्रतिष्ठित ज्वेलर्स की दुकान से सोने-चांदी के आभूषण खरीदे थे। तीनों बदमाश गांधीनगर निवासी गोगराज मेघवंशी, दिनेश कुमार मीणा और रवि मीणा उर्फ रोमन, शातिर ठगों को अलग-अलग दस्तावेजों से बैंक अकाउंट खुलवाते थे। इन्होंने 18 नवंबर को थाना क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित ज्वेलरी की दुकान से ठगी की रकम से एक सोने की चेन और सोने की अंगूठी खरीदी थी, जिसका भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से किया गया था। उस भुगतान को प्राप्त करने के बाद साइबर पुलिस जयपुर द्वारा दुकानदार का खाता फ्रीज कर दिया गया था।

इस मामले में पीड़ित दुकानदार ने मदनगंज थाना पुलिस को शिकायत दी थी, उसके बाद पुलिस ने इन्वेस्टिगेशन करते हुए दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

पेपर बिगड़ा तो तनाव में आया छात्र

हॉस्टल की छठीं मंजिल से छलांग लगा दी जान

सिरोही, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। सिरोही जिले के पालडी एम थाना क्षेत्र के बीआर अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज में सोमवार देर रात एमबीबीएस के छात्र ने हॉस्टल की छत से छलांग लगा जान दे दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस के अनुसार मृतक छात्र नाना थाना अंतर्गत पनातारा गांव निवासी राहुल कुमार गरासिया है। छात्र यहां मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस थर्ड ईयर का छात्र था। वह यहीं हॉस्टल में रहता था। बताया जा रहा है कि रात 2:30 बजे तक वह अपने कमरे में पढ़ाई कर रहा था। इसके बाद करीब तीन बजे राहुल ने हॉस्टल की छठी मंजिल से छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस को हॉस्टल की छठी मंजिल पर राहुल की चप्पल और मोबाइल मिला है। पुलिस ने बताया कि कॉलेज में अभी परीक्षाएं चल रही है। दो दिन पहले राहुल का पेपर खराब हो गया था। इसके बारे में उसने अपने साथियों को भी बताया था। राहुल परीक्षा के बाद से ही तनाव में था। प्रथम दृष्टया पुलिस पेपर खराब होना ही आत्महत्या की वजह मान रही है।

केरल से पकड़ा जयपुर में 1.25 करोड़ के जेवर लूटने वाला सरगना

25 हजार का इनामी बदमाश भाग गया था 3000 किमी दूर

जयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर के मुहाना इलाके में 1.25 करोड़ रुपए के जेवर लूटने वाले गिरोह के सरगना देशराज मीणा को पुलिस ने 3000 किलोमीटर दूर केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 25,000 रुपए का इनाम घोषित था। जयपुर पुलिस ने उसे बापर्दा हिरासत में लिया है और जल्द ही पीड़ित आभूषण व्यापारी से शिनाख्त कराई जाएगी।

डीसीपी (साउथ) दिगंत आनंद ने बताया कि 23 अक्टूबर की रात, आरोपी और उसके साथियों ने आभूषण व्यापारी रामकरण प्रजापत की कार पर हमला कर सोने-चांदी के जेवरात भरा बैग लूट ले गए थे। जबकि दूसरा बैग व्यापारी की कार में सीट के नीचे गिरने से बच गया था। पुलिस ने वारदात के 72 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें मुहाना निवासी रोहित सैनी उर्फ रिंकू, गंगापुर सिटी निवासी अंकित मीणा, चाकसू निवासी दीपक बलाई और दौसा निवासी लोकेश सैनी थे। गिरोह का सरगना देशराज मीणा (26) गंगापुर सिटी के बामनवास का रहने वाला है। गिरोह के दो अन्य साथियों की पुलिस तलाश कर रही है।

पैंथर को पकड़ने के लिए पिंजरे में रखा 'बकरा'

फिर भी पकड़ से दूर; लोगों में डर का माहौल

अलवर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के आरआर कॉलेज में पैंथर का मूवमेंट होने के चलते आस-पास के एरिया में खौफ है। वन विभाग की टीम ने पैंथर को पकड़ने के लिए कॉलेज परिसर में पिंजरा व कैमरे लगाए। साथ ही मॉनिटरिंग दिन-रात शुरू कर दी है। रात को पिंजरे में मेमना भी रखा गया, ताकि शिकार देखकर पैंथर यहां आए और उसे पकड़ा जा सके। रविवार को पैंथर के पगमार्क मिले थे, जिससे कॉलेज परिसर के अलावा आस-पास के एरिया में डर फैल गया। वन विभाग डीएफओ राजेंद्र हुड्डा के नेतृत्व में क्षेत्रीय वन अधिकारी शंकर सिंह शेखावत आदि कॉलेज परिसर में पहुंचे। उन्होंने पगमार्क आदि देखकर पिंजरा उसी जगह पर लगाया। इसी मूवमेंट पर कैमरे भी लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मॉनिटरिंग चल रही है। एहतियात बरती जा रहा है।

लोगों को रोका मगर परीक्षा हुई

पैंथर की मूवमेंट के चलते आसपास लोगों को घूमने से भी रोका गया। हालांकि यहां परीक्षा का सेंटर आया था, सभी बच्चों को परीक्षा दिलवाई गई। लोगों को समझाया गया कि पैंथर का मूवमेंट है, इसलिए नहीं जाएं।

माता-पिता और दो बच्चों के शव देख परिवार में मची चीख पुकार

दो बच्चों सहित दम्पत्ति ने लगा ली फांसी

झालावाड़, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले के गंगधार थाना क्षेत्र के जैताखेड़ी गांव में मंगलवार सुबह दो बच्चों सहित दम्पत्ति ने ली फांसी ले ली, जिससे चारों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक जयप्रकाश अटल, थानाधिकारी अमरनाथ जोगी मौके पर पहुंचे।

चारों के शव चौमहला अस्पताल में लाए गए। जहां चिकित्सकों ने जांच कर सभी की मृत्यु की पुष्टि की एवं शव मोर्चरी में रखवाए। मृतकों में नागूसिंह (27), उसकी पत्नी संतोष बाई (25), बेटा युवराज (6) एक अन्य बेटा 1 साल का है। एक परिवार के चार सदस्यों की मौत के बाद पूरे गांव व क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

भाजपा नेता के भाई ने कर्मचारियों के नाम 330-ट्रक खरीदे

269 करोड़ के नकद लेन-देन का हिसाब भी मिला

जयपुर3 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी और भाजपा नेता के भाई टीकम सिंह राव के ठिकानों पर छापेमारी में आईटी टीम को 330 ट्रकों का रिकॉर्ड मिला है। यह सभी ट्रक ट्रांसपोर्ट कम्पनी में काम करने वाले कर्मचारियों के नाम पर हैं। जांच अधिकारियों को कंपनी के उदयपुर ऑफिस से 240 करोड़ और मुंबई ऑफिस में 29 करोड़ रुपए के नकद लेनदेन का हिसाब भी मिला है, जो संदेह के दायरे में है।

आयकर अधिकारियों ने बताया- रेड खत्म होने के बाद 137 करोड़ की काली कमाई मानकर चल रहे थे, लेकिन नकद लेनदेन को यदि इसमें शामिल किया जाए तो यह राशि बढ़कर 269 करोड़ पहुंच रही है। आयकर टीम के हाथ 25 इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स भी लगे हैं। इनकी फोरेंसिक जांच कराई जाएगी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों में उदयपुर गोल्डन ट्रांस्पोर्ट लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक टीकम सिंह राव और छोटे भाई गोविंद सिंह राव के ठिकानों पर कार्रवाई की गई थी। गोविंद सिंह राव बांसवाड़ा में भाजपा जिलाध्यक्ष रह चुका है, जबकि टीकम सिंह ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़ा है। उस पर अवैध ट्रांसपोर्टेशन के आरोप हैं। इनके ठिकानों से आयकर विभाग ने 45 किलो सोना भी जब्त किया है। आईटी अफसरों को ट्रांसपोर्ट कंपनियों को 10 व इससे कम ट्रक होने पर आयकर में मिलने वाली छूट में गड़बड़ी होने की आशंका लगती है। छोटी ट्रांसपोर्ट कंपनियों को राहत देने के लिए कानून में 7500 रुपए माह प्रति ट्रक की दर से आयकर जमा कराने की व्यवस्था है। इसके साथ ही ऐसे ट्रांसपोर्टर को लेखा पुस्तिकाओं का रखरखाव नहीं करने की भी छूट मिलती है।

नई ऑनलाइन बिल्डिंग अप्रूवल सिस्टम 'बिल्ड नाउ' लॉन्च किया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को एक नई एकीकृत ऑनलाइन बिल्डिंग और लेआउट अप्रूवल सिस्टम लॉन्च किया, जो प्रोसेसिंग टाइम को हफ्तों से घटाकर मिनटों में लाने का वादा करता है। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने नई प्रणाली 'बिल्ड नाउ' का अनावरण किया, जिसके तहत जांच का समय मौजूदा सिस्टम के तहत 2-30 दिनों के मुकाबले पांच मिनट से भी कम रह जाएगा। मंगलवार को सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि मौजूदा सिस्टम टीजी बीपास के तहत जांच प्रक्रिया में 2 से 30 दिनों का समय लग सकता है, जबकि नई प्रणाली के तहत यह समय सीमा घटकर 5 मिनट से भी कम रह जाएगी। उन्होंने खुलासा किया, यहां तक कि 40 मंजिलों वाले कुल तीन टावरों वाली एक बहुमंजिला इमारत में भी दो मिनट से भी कम समय लगेगा। मंत्री ने कहा कि चूंकि राज्य की 60 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है, इसलिए सरकार शहरी विकास को प्राथमिकता दे रही है और व्यवसाय के अनुकूल माहौल बना रही है। इसे आधुनिक और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना देश का पहला राज्य है जिसने सबसे तेज़ ड्राइंग जांच प्रणाली शुरू की है। उन्होंने कहा कि नई प्रणाली अनुमोदन में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, ड्राइंग जांच प्रक्रिया के समय को हफ्तों से घटाकर मिनटों में लाएगी, दक्षता के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। मंत्री ने कहा कि नवीनतम तकनीकों द्वारा संचालित यह उन्नत प्रणाली, नागरिकों के भवन नियमों और अनुमतियों के साथ बातचीत करने के तरीके में एक मौलिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है, जिससे प्रक्रिया तेज, अधिक विश्वसनीय और उपयोगकर्ता के अनुकूल हो जाती है। नई प्रणाली की अभूतपूर्व विशेषताओं के बारे में बताते हुए, श्रीधर बाबू ने कहा कि बिजली की गति से जांच करने वाला इंजन जटिल बहु-टावर इमारतों को भी 5 मिनट से कम समय में संसाधित करता है। इसमें एकीकृत सिंगल-विंडो इंटरफेस है जो नागरिकों को कई विभागों में जाने और पोर्टलों के बीच स्विच करने की आवश्यकता को समाप्त करता है। इमर्सिव 3डी विजुअलाइज़ेशन तकनीक नागरिकों को निर्माण से पहले अपनी इमारतों का अनुभव करने की अनुमति देती है। उन्होंने बताया कि एआई-संचालित सहायक बिल्डिंग नियमों पर तत्काल और सटीक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह प्रणाली ब्लॉकचेन तकनीक द्वारा भी संचालित है जो हर जांच और अनुमोदन के लिए एक सत्यापन योग्य ट्रैकिंग सुनिश्चित करती है। टीजी बी पास प्रणाली के तहत, नागरिकों को आवेदन जमा करने, स्थिति ट्रैकिंग, शुल्क भुगतान और बहुत कुछ के लिए कई प्लेटफॉर्म पर नेविगेट करना पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप भ्रम और देरी होती है। 'बिल्डनाउ' एक एकल एकीकृत पोर्टल प्रदान करता है जो ड्राइंग जांच और आवेदन प्रक्रिया दोनों को शामिल करता है। यह एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म उपयोगकर्ताओं के लिए एक सहज अनुभव प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि सभी आवश्यक कार्य एक ही स्थान पर सुलभ हों। श्रीधर बाबू ने कहा कि मौजूदा प्रणाली के तहत, बिल्डिंग प्लान की समीक्षा स्थिर, पारंपरिक प्रारूपों में की जाती है, जिससे गलत व्याख्या की गुंजाइश बनी रहती है। उन्होंने कहा कि संवर्धित वास्तविकता (एआर) तकनीक का लाभ उठाकर, नई प्रणाली इंटरैक्टिव और इमर्सिव विज़ुअलाइज़ेशन प्रदान करती है। यह अभिनव सुविधा नागरिकों को उनकी वास्तविक दुनिया के संदर्भ में प्रस्तावित परियोजनाओं की कल्पना करने की अनुमति देती है, जिससे समझ बढ़ती है। श्रीधर बाबू ने बताया कि इंटरैक्टिव 3डी मॉडल के माध्यम से नागरिक निर्माण शुरू होने से पहले इमारतों का अनुभव कर सकते हैं, साथ ही रियल एस्टेट विकास को भी बढ़ावा दे सकते हैं। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि हैदराबाद रियल एस्टेट क्षेत्र में पहले स्थान पर है, जिसमें कहा गया है कि हैदराबाद के लोग सबसे अधिक होम लोन लेते हैं। सॉफ्टवेयर कंपनियां यहां बढ़ रही हैं। हैदराबाद में 9.5 लाख से अधिक आईटी कर्मचारी काम करते हैं। एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है कि हैदराबाद 2024 में दुनिया के शीर्ष 5 शहरों में से एक है।

बीआरएस कार्यकर्ताओं को लिया गया हिरासत में

गुरुकुल स्कूल में कर रहे थे घुसने की कोशिश

वारंगल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मादिकोंडा स्थित समाज कल्याण आश्रम गुरुकुल में मंगलवार को उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई जब पुलिस ने बीआरएस नेताओं को स्कूल में घुसने से रोक दिया ताकि वे छात्रों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी जुटा सकें। स्कूल में जबरन घुसने की कोशिश करने वाले 50 से अधिक बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बीआरएस नेता एनुगुला राकेश रेड्डी, पार्षद राधिका रेड्डी, रवि नासिक ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सरकारी आवासीय विद्यालयों की स्थिति जानने के लिए राज्य भर में बीआरएस द्वारा आयोजित गुरुकुल बाटा कार्यक्रम के तहत स्कूल का दौरा करने की कोशिश की। बीआरएस नेताओं और पुलिस कर्मियों के बीच गरमागरम बहस शुरू हो गई। पुलिस ने बीआरएस नेताओं से कहा कि चूंकि उनके पास स्कूल में प्रवेश की अनुमति नहीं है, इसलिए उन्हें अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और आवासीय विद्यालयों में छात्रों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहने के लिए इसकी आलोचना की। जब प्रदर्शनकारियों ने परिसर छोड़ने से इनकार कर दिया, तो पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और उन्हें मडिकोंडा पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

डिप्टी सीएम "लहू बोलता भी है" पुस्तक का विमोचन करेंगे

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमानों की भूमिका पर "लहू बोलता भी है" किताब एक बार फिर चर्चा में है। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क 5 दिसंबर को रवीन्द्र भारती में दोपहर दो बजे प्रमुख समाजवादी विचारक सैयद शाहनवाज अहमद कादरी द्वारा लिखित पुस्तक के अंग्रेजी संस्करण का विमोचन करेंगे। इस पुस्तक के हिन्दी और उर्दू संस्करण पहले ही प्रकाशित हो चुके हैं। अंग्रेजी में पुस्तक का परवेज आलम सिद्दीकी ने अनुवाद किया है।

इस किताब के बारे में लेखक सैयद शाहनवाज अहमद कादरी ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास लिखने में मुस्लिम देशभक्तों की उपेक्षा की गई है। इस पुस्तक के माध्यम से पिछले सभी पूर्वाग्रहों और विकृतियों से बचते हुए देश की आजादी में मुसलमानों के योगदान को इंगित करने का प्रयास किया गया है। इस पुस्तक के माध्यम से देशभर से स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले ज्ञात और अज्ञात लोगों के बारे में बताया गया है।

अब इस अंग्रेजी संस्करण में देश भर के सभी मुस्लिम देशभक्तों के नाम और उनके बलिदानों का संग्रह किया गया है। कार्यक्रम में राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार मंत्री श्रीधर बाबू, वन व पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा, परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सांसद आर रघुराम रेड्डी और बी महेश कुमार गौड़ तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में शामिल होंगे। विमोचन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष, पूर्व सांसद मौलाना उबैद उल्लाह आजमी, प्रमुख समाजवादी विचारक और लेखक रघु ठाकुर, राज्यसभा सदस्य जावेद अली खान, इतिहासकार और लेखक सैयद नासिर अहमद, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुरेश खैरनार, सुप्रीम कोर्ट के वकील मोहम्मद इरशाद अहमद और पीएमएफ के संस्थापक और अध्यक्ष सिराजुन रहमान भाग लेंगे।

राज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल, जिष्णु देव वर्मा ने दरबार हॉल, राजभवन, हैदराबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस समारोह में पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास, साहस और उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा मैं समाज में रोल मॉडल के रूप में सेवा करने के लिए चुनौतियों को पार करने की आपकी दृढ़ता और क्षमता को सलाम करता हूं। आपकी उत्कृष्टता बहुत कुछ कहती है, और मेरे पास अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं। राज्यपाल ने बौद्धिक अक्षमताओं से संबंधित मुद्दों और कारणों को संबोधित करने के लिए समाज के सभी वर्गों में जागरूकता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया, जो उनकी व्यापकता को कम करने में मदद कर सकता है।

उन्होंने दिव्यांग व्यक्तियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे स्वयं को दिव्य क्षमता वाला समझें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता केवल एक मानसिक स्थिति है। यह आपको अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने से नहीं रोकती। सच्ची सफलता एक इंसान के रूप में खुद की उच्चतम और सबसे सच्ची अभिव्यक्ति को पूरा करने में निहित है।

भविष्य उन सभी के लिए सुलभ है जो दृढ़ संकल्पित हैं। इससे पहले, श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित और अन्य विद्यालयों के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं, जिनकी राज्यपाल ने बहुत प्रशंसा की। राज्यपाल ने दिव्यांग व्यक्तियों को व्हीलचेयर, वॉकर, ट्राइसाइकिल, श्रवण यंत्र और अन्य सहायक उपकरण भी वितरित किए। सभी आमंत्रित लोगों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया। राज्यपाल के विशेष मुख्य सचिव, बी. वेंकटेशम, आईएएस, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित, डॉ. साईं बाबा गौड़, कोली नागेश्वर राव, विकलांग अधिकार के अध्यक्ष गंगाराम, एफईडी के अध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रजावाणी कार्यक्रम में 430 आवेदन प्राप्त

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 430 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संबंध में 126, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के संबंध में 114, विद्युत विभाग के संबंध में 54, राजस्व संबंधी मामलों के संबंध में 46, गृह विभाग के संबंध में 20 और 70 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

स्वास्थ्य विभाग में अनुबंधित, आउटसोर्स कर्मचारियों की दलीलें अनसुनी

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न पदों पर कार्यरत अनुबंधित और आउटसोर्स कर्मचारियों की परेशानियों पर राज्य सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। इनमें से कई कर्मचारी 18 से 20 साल तक बहुत कम वेतन पर अपनी ड्यूटी कर रहे हैं और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं, क्योंकि सेवानिवृत्ति के बाद उनके पास कोई सहारा नहीं है। अगस्त में, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा भर्ती बोर्ड (एमएचएसआरबी) ने भर्ती के लिए 1,931 बहुउद्देशीय स्वास्थ्य सेवा सहायक (एमपीएचए) पदों की अधिसूचना जारी की। हालांकि, 6,500 से 7,000 ऐसे रिक्त पद हैं जिन्हें अधिसूचित करके भरा जाना है। इससे उन शेष एमपीएचए कर्मियों के भविष्य पर सवाल उठता है, जो भर्ती परीक्षा में सफल नहीं हो पाते। वर्तमान में, तेलंगाना में लगभग 4,000 आउटसोर्सिंग और अनुबंध कर्मचारी एमपीएचए के रूप में कार्यरत हैं। उनमें से कई लोग एमपीएचए भर्ती परीक्षा के लिए पात्र होने की अपनी आयु सीमा पार कर चुके हैं, जो 29 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। उनमें से कई पहले ही सेवानिवृत्ति की आयु तक पहुंच चुके हैं, लेकिन 10,000 रुपये से कम के मासिक वेतन पर निर्भर हैं। एटक के राज्य उप महासचिव एम नरसिम्हा कहते हैं कि हमारे सदस्यों ने मात्र 4,000 रुपये प्रति माह के मामूली वेतन पर काम करना शुरू किया और 18 से 20 वर्षों तक काम करना जारी रखा। राज्य सरकारों ने कोविड महामारी सहित विभिन्न संकट स्थितियों के दौरान उनकी सेवाओं का उपयोग किया है।

पुलिस कांस्टेबल ऑनर किलिंग मामले में संदिग्ध गिरफ्तार

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम पुलिस ने मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसने कथित तौर पर अपनी पुलिस कांस्टेबल बहन की इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने दूसरी जाति के व्यक्ति से शादी कर ली थी। रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपट्टनम मंडल के रायपोल गांव के निवासी कोंगारा परमेश (25) ने सोमवार सुबह अपनी बहन नागमणि का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पीड़िता राचकोंडा के हयातनगर पुलिस स्टेशन में पुलिस कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थी।

पुलिस के अनुसार, नागमणि के माता-पिता का करीब दस साल पहले निधन हो गया था और वह रायपोल गांव में अपने मामा के पास चली गई थी। 2014 में नागमणि के रिश्तेदारों ने उसकी शादी करवाई और उसे एक एकड़ जमीन उपहार में दी। हालांकि, कुछ मुद्दों के कारण महिला अपने मामा के घर लौट आई और वहीं रहने लगी।

आठ साल बाद, 2022 में उसने अपने पति से तलाक ले लिया। इस बीच महिला की दोस्ती रायपोल गांव के एक अन्य जाति के व्यक्ति से हो गई, जिसके साथ उसने अपने भाई और अन्य रिश्तेदारों की मर्जी के खिलाफ शादी कर ली।

इब्राहिमपट्टनम इंस्पेक्टर बी सत्यनारायण ने बताया कि उसने अपनी शादीशुदा जिंदगी में किसी भी तरह के टकराव या हस्तक्षेप से बचने के लिए एक एकड़ जमीन अपने भाई को लौटा दी। हालांकि, परमेश एक दूसरे जाति के व्यक्ति से उसकी शादी को लेकर नाराज था क्योंकि उसे लगता था कि स्थानीय ग्रामीण उसका मजाक उड़ाएंगे।

शादी के बाद उन्होंने रायपोल गांव छोड़ दिया और अपने पति के साथ वनस्थलीपुरम में रहने लगीं तथा एक एकड़ जमीन भी वापस दिलाने की मांग की। इस बीच परमेश ने अपनी बहन की हत्या की योजना बना ली और मौके की तलाश में था। रविवार को उसे पता चला कि उसकी बहन गांव में आई हुई है। इंस्पेक्टर ने बताया कि एक दोस्त की मदद से परमेश ने उसकी हरकतों पर नज़र रखी। सोमवार की सुबह जब नागमणि ड्यूटी पर जा रही थी, तो परमेश ने उसका पीछा किया। एक सुनसान जगह पर परमेश ने अपनी कार से उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी और जब वह सड़क पर गिर गई, तो उसने उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

एसीबी 9 दिसंबर तक मना रहा भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह

खम्मम, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर मुजम्मिल खान ने जनता से किसी भी सरकारी अधिकारी को रिश्वत न देने का आह्वान किया और कहा कि यदि रिश्वत मांगी जाती है तो संबंधित व्यक्ति भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को सूचना दे। कलेक्टर ने मंगलवार को एसीबी खम्मम डीएसपी वाई रमेश के साथ अपने कक्ष में एसीबी के टोल फ्री नंबर 1064 का प्रचार पोस्टर जारी किया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार देश के विकास में बाधा है और भ्रष्टाचार को खत्म करना सभी की जिम्मेदारी है।

एसीबी डीएसपी रमेश ने बताया कि 9 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस (भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन) के उपलक्ष्य में, तेलंगाना एसीबी 3 दिसंबर से भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह मना रहा था। भ्रष्टाचार विरोधी सप्ताह मनाने का उद्देश्य आम जनता में जागरूकता पैदा करना और उन्हें भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में शामिल करना है। रमेश ने कहा कि सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार विरोधी शपथ दिलाना, एसीबी टोल फ्री नंबर के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर अधिकारियों के संपर्क नंबर के साथ पर्चे/पोस्टर वितरित करना और चिपकाना जैसी गतिविधियां की जाएंगी। कोत्तागुडेम में इसी तरह के एक कार्यक्रम में जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने एसीबी का प्रचार पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर एसीबी इंस्पेक्टर एन शेखर और अन्य लोग मौजूद थे।

अज्ञात लोगों ने की हत्या

जगतियाल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेलगाटूर मंडल के कुम्मारिपल्ली में सोमवार रात अज्ञात लोगों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। सुमन 35 वर्ष पर सोमवार रात लाठी-डंडों और चाकुओं से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल होने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

हनमकोंडा में बैंक कर्मचारी की हत्या

वारंगल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार सुबह रंगमपेट इलाके के पास खड़ी कार की पिछली सीट पर एक व्यक्ति का शव मिला। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने कार खड़ी देखी और खिड़की से झांककर देखा तो पीछे की सीट पर रस्सी से बंधा एक व्यक्ति का शव पड़ा था। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कार की जांच की तो उसमें से ड्राइविंग लाइसेंस मिला और पता चला कि वह व्यक्ति राजमोहन था, जो हनमकोंडा में काकतीय ग्रामीण बैंक में काम करता था। पुलिस का मानना है कि राजमोहन की हत्या शहर के बाहरी इलाके में की गई होगी और बाद में शव को रंगमपेट में उसकी कार में फेंक दिया गया होगा। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि एक व्यक्ति सुबह 3 बजे के आसपास कार पार्क करके चला गया था। पुलिस कार छोड़कर भागने वाले व्यक्ति की पहचान करने के लिए इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

टीजीआरटीसी बस ने ट्रैक्टर चालक को कुचला

मंचेरियल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तापल्ली मंडल में रापनपल्ली और लक्ष्मीपुर गांवों के बीच एक ईंधन स्टेशन पर सड़क पार करते समय मंगलवार को टीजीआरटीसी बस ने 26 वर्षीय ट्रैक्टर चालक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कोत्तापल्ली प्रभारी उपनिरीक्षक के श्याम पटेल ने बताया कि लक्ष्मीपुर निवासी पनम सूर्य किरण को बस की टक्कर लगने से सिर में गंभीर चोटें आईं और बहुत अधिक रक्तस्राव हुआ, जिससे उसकी तत्काल मौत हो गई। सूर्य किरण के परिजनों की शिकायत पर बस चालक मल्लैया के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज किया गया है। दुर्घटना के समय बस कालेश्वरम से चेन्नूर जा रही थी। इस बीच, माता-पिता और समुदाय के लोगों ने ड्राइवर के खिलाफ कार्रवाई और पीड़ित के परिजनों को मुआवजा देने की मांग करते हुए सड़क पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। उनमें से कुछ ने बस के शीशे तोड़ दिए और पुलिस से ड्राइवर को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की। जब पुलिस ने उन्हें कार्रवाई का आश्वासन दिया तो उन्होंने विरोध वापस ले लिया।

ठेकेदार ने बंद किया स्कूल का दरवाजा

सरकार द्वारा कार्य बिल में देरी किए जाने का मामला

मेदक, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'माना ऊरू माना बड़ी' कार्यक्रम के तहत नवीकरण कार्य करने वाले एक ठेकेदार ने मंगलवार को अपने काम के भुगतान की मांग करते हुए स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया तथा शिक्षकों और छात्रों को स्कूल में प्रवेश देने से मना कर दिया। चूंकि राज्य सरकार उनके काम के लिए भुगतान में देरी कर रही थी, इसलिए ठेकेदार दशरथम ने मेदक शहर में गर्ल्स हाई स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया और गेट के सामने धरना दे दिया। इससे छात्रों और शिक्षकों को गेट पर तब तक इंतजार करना पड़ा जब तक पुलिस और अन्य अधिकारियों ने हस्तक्षेप नहीं किया। अधिकारियों ने मामले को उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाने और धनराशि स्वीकृत करवाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद ठेकेदार ने नरमी दिखाई। कहा जा रहा है कि कई ठेकेदारों को परेशानी हो रही है, क्योंकि सरकार 'माना ऊरु मना बड़ी' कार्यक्रम के तहत धनराशि जारी करने में देरी कर रही है। यह कार्यक्रम पिछली बीआरएस सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों में मानकों और स्थितियों में सुधार लाने तथा अधिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए शुरू किया गया था।

किसान निजी व्यापारियों को बेच रहे बढ़िया किस्म का धान

बोनस की घोषणा के बावजूद सरकार को नहीं बेच रहे धान

मंचेरियल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य द्वारा 500 रुपये के बोनस की घोषणा के बावजूद, जिले के धान किसान सरकार को बढ़िया किस्म का अनाज बेचने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस वनकालम सीजन में जिले में 1.56 लाख एकड़ में धान की फसल उगाई गई, जबकि इसी अवधि में 1.50 लाख एकड़ में धान की फसल उगाई गई थी। उनका अनुमान है कि जिले में 3.23 लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन होगा। जिले में धान की खरीद के लिए 315 केंद्रों की पहचान की गई थी, जिसकी शुरूआत 17 अक्टूबर को हुई थी।

अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) सभावत मोतीलाल ने बताया कि जिले में अब तक कुल 8,050 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। इनमें से बमुश्किल 852 मीट्रिक टन बढ़िया (सन्नापु) किस्म का अनाज है, बाकी मोटा (डोड्डु) किस्म का है। अब तक 1,159 किसानों को अनाज की कीमत 19.10 करोड़ रुपये चुकाई जा चुकी है। किसान निजी व्यापारियों को बढ़िया किस्म का अनाज बेचने के लिए आगे आ रहे हैं, जो उन्हें 3,100 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास की कीमत दे रहे हैं, जो सरकार द्वारा तय किए गए 17 प्रतिशत से कम नमी वाले प्रति क्विंटल बोनस सहित 2,820 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक है। इसका मतलब है कि अगर वे सरकार को अनाज बेचते हैं तो उन्हें प्रति क्विंटल लगभग 300 रुपये का नुकसान होगा।

इसके अलावा, उत्पादकों को खरीद केंद्रों पर प्रति क्विंटल लगभग 50 रुपये की हमाली लागत वहन करनी पड़ती है और एमएसपी पाने के लिए उन्हें 17 प्रतिशत से कम नमी सुनिश्चित करनी होती है। वे इस शुल्क से बच सकते हैं और अगर वे निजी व्यापारियों को अनाज बेचते हैं तो उन्हें नमी के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। इन कारकों के कारण वे निजी व्यापारियों के पास जा रहे हैं। इस बीच, पता चला है कि किसान इस उम्मीद में अनाज का भंडारण कर रहे हैं कि अगर मिर्यालगुडा और खम्मम के व्यापारी जल्द ही अनाज खरीदना शुरू कर देंगे तो बढ़िया धान की कीमत बढ़ जाएगी। उनमें से कुछ पड़ोसी राज्यों में अनाज निर्यात करके धन कमाने की योजना बना रहे हैं।

प्रतिदिन 2.5 लाख टन कोयला उत्पादन का रखा लक्ष्य

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने सिंगरेनी के साथ अनुबंध के तहत ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन 2.5 लाख टन कोयले के उत्पादन और परिवहन का आदेश दिया है। मंगलवार को वर्चुअल मोड के माध्यम से सभी कोयला क्षेत्रों के महाप्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक करने वाले बलराम ने उन्हें कमर कसने और लक्ष्य हासिल करने की दिशा में काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के शेष 120 दिनों में हर मिनट कीमती है। सभी क्षेत्रों को उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सभी को नियमानुसार 8 घंटे काम करना चाहिए और अनुशासन का पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

सीएमडी ने वरिष्ठ अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मशीनों का इस्तेमाल कम से कम 18 घंटे प्रतिदिन किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कोत्तागुडेम में वीके ओपन कास्ट कोयला खदानों और येलंडु में रोमपेडु ओपन कास्ट में अगले तीन महीनों में नई परियोजनाओं में उत्पादन शुरू करने के लिए कदम उठाने को भी कहा।

रेत के बंकर में गिरने से कर्मचारी की मौत

पेद्दापल्ली, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार दोपहर गोदावरीखानी के रामागुंडम-द्वितीय क्षेत्र में 7 लाइफ एक्सटेंशन प्रोजेक्ट (एलईपी) के रेत बंकर में गिरने से सिंगरेनी के एक कर्मचारी थीटला सत्यनारायण की मौत हो गई। ड्यूटी निभाते समय हेड माइन ओवरमैन सत्यनारायण गलती से रेत के बंकर में गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिंगरेनी बचाव दल मौके पर पहुंचा और बंकर से शव को निकाला। बाद में शव को गोदावरीखानी क्षेत्र के अस्पताल में ले जाया गया।

मंचेरियल में दिहाड़ी मजदूर की बिजली से मौत

मंचेरियल, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भीमाराम मंडल केंद्र में मंगलवार को एक दिहाड़ी मजदूर की करंट लगने से मौत हो गई। भीमाराम की सब-इंस्पेक्टर के श्वेता ने बताया कि करीमनगर जिले के वेलडी गांव के पप्पू चंद्रमौली 53 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जब वह निर्माणाधीन इमारत में ग्राउंड फ्लोर से लोहे की छड़ों को दूसरी मंजिल पर शिफ्ट कर रहे थे, तभी बगल की बिल्डिंग में लगे हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। वह रोजी-रोटी की तलाश में भीमाराम चले आए थे। चंद्रमौली के दामाद रंजीत कुमार से प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम का बॉस बदला

पूर्व क्रिकेटर टॉड ग्रीन बर्ग को मिली कमान

मेलबोर्न, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पर्थ में भारत से पहला टेस्ट गंवाने के बाद एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया अब दूसरे टेस्ट की तैयारी में जुटा है. लेकिन उसके पहले एक बड़ा डेवलपमेंट हुआ है. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का नया बॉस नियुक्त हुआ है. टॉड ग्रीन बर्ग ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के नए CEO बनाए गए हैं. वो इस पद पर निक हॉकले की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल समर के अंत में खत्म हो रहा है. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का अगला सीईओ बनने की रेस में ग्रीनबर्ग का नाम सबसे आगे चल रहा था. और, उम्मीद के मुताबिक उन्हीं के नाम पर आधिकारिक मुहर भी लगी.

इन वजहों के चलते टॉड ग्रीनबर्ग बने नए सीईओ

टॉड ग्रीनबर्ग, ग्रेड क्रिकेटर रहे हैं, जिसके चलते खिलाड़ियों से उनके ताल्लुकात अच्छे रहे हैं. इसके अलावा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का सीईओ नियुक्त किए जाने से पहले वो नेशनल रग्बी लीग की कमान भी संभाल चुके हैं. ग्रीनबर्ग के इस बैकग्राउंड ने भी उनके क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का सीईओ बनने में मदद की है. उनके पास मैनेजमेंट, ब्रॉडकास्ट पार्टनर्स और स्पॉन्सर्स को लेकर भी अच्छा तजुर्बा है.

ग्रीनबर्ग ने नए रोल को लेकर क्या कहा?

ग्रीनबर्ग ने कहा कि वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ के तौर पर अपने नए रोल को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. उन्होंने कहा कि खुशी है कि मुझे ये मौका मिला है कि मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे और अधिक ऊंचाईयों पर ले जा सकूं. उन्होंने कहा कि क्रिकेट वो खेल है, जिसमें मेरा दखल बचपन से रहा है,

ग्रीनबर्ग ने कहा कि ये क्रिकेट का एक्साइटिंग टाइम है. पूरी दुनिया में इस खेल का विस्तार हो रहा है. नए-नए मौके उपज रहे हैं. ऐसे में हमारे सामने ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट को बुलंदी पर बनाए रखने का चैलेंज भी होगा. मुझे उम्मीद है कि मैं उस चैलेंज से निपटने और उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा. उन्होंने ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया है और साथ में मिलकर क्रिकेट की बेहतरी के लिए काम करने का भरोसा जताया है.

कुमार नितेश पैरा बैडमिंटन में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित

नई दिल्ली, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पैरालंपिक चैंपियन कुमार नितेश को तीन अन्य खिलाड़ियों के साथ विश्व बैडमिंटन महासंघ के (बीडब्ल्यूएफ) साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। पेरिस पैरालंपिक (2024) में 'एसएल3' श्रेणी में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले 29 साल के नितेश इस पुरस्कार के लिए मलयेशिया के दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता चेह लिक होउ (एसयू5), जापान के डाइकी काजीवारा (डब्ल्यूएच2) और चीन के क्यू जिमो (डब्ल्यूएच1) के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

नितेश विश्व चैंपियनशिप के दो बार के रजत और एक बार के कांस्य पदक विजेता भी हैं। महिला वर्ग में ली फेंग मेई, सरीना सतोमी, लियू यू टोंग और लीनी रात्री ओक्टिला को इस पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

यशस्वी जायसवाल को विराट कोहली ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर से भी बड़ा बनाएगा 'मिशन 283'!

खेल डेस्क, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। यशस्वी जायसवाल, ये एक ऐसा नाम है जो इस पूरे साल टेस्ट क्रिकेट में गूंजता रहा है. रन, रिकॉर्ड और औसत जैसी तमाम बातों का जिक्र इस बल्लेबाज के नाम के इर्द-गिर्द घूमा है. और, अब आलम ये है कि जब साल खत्म होने के करीब है यशस्वी जायसवाल उस कारनामें को करने की ओर बढ़ चले हैं, जो उन्हें विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर से भी आगे ले जा सकता है. लेकिन, इसके लिए जरूरी है 'मिशन 283' की कामयाबी. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के अगले 3 मैचों में अगर यशस्वी के इस मिशन ने हकीकत का लिबास ओढ़ लिया तो फिर यकीनन उनके आगे कोई नहीं होगा.

यशस्वी जायसवाल का 'मिशन 283'

अब आप सोच रहे होंगे कि ये 'मिशन 283' है क्या? इस मिशन का ताल्लुक एक कैलेंडर ईयर में बनाए सबसे ज्यादा टेस्ट रनों से है. फिलहाल इस मामले में भारतीय रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है. लेकिन, साल 2024 में अब तक जिस तरह से यशस्वी के बल्ले ने हल्ला बोला है, उससे सचिन के रिकॉर्ड पर खतरा मंडराने लगा है. यशस्वी को सचिन के उसी कीर्तिमान को ध्वस्त करने के लिए 283 रनों की जरूरत है.

सचिन तेंदुलकर के नाम भारतीय रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर ने साल 2010 में 23 टेस्ट खेलकर एक कैलेंडर ईयर में 1562 रन बनाने का भारतीय रिकॉर्ड स्थापित किया. सचिन ने 78.1 की औसत से खेलते हुए उस दौरान 5 अर्धशतक और 7 शतक जड़े थे. इसके जरिए सचिन ने 2008 में एक कैलेंडर ईयर में वीरेंद्र सहवाग का बनाया 1482 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था.

आईपीएल में पर्पल कैप जीतने वाले ने नेपाल प्रीमियर लीग में मचाई तबाही

21 रन पर टॉप से लोअर ऑर्डर तक को किया आउट!

काठमांडू, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। आईपीएल के स्टैंडर्ड का पता उसमें खेल चुके खिलाड़ी के नेपाल प्रीमियर लीग में किए प्रदर्शन से पता चलता है, जहां अपना पहला मैच खेलते हुए ही वो छा गया. अकेले ही विरोधी टीम पर भारी पड़ गया. शिखर धवन भी जिस लीग में खेल रहे हैं, वहां उसने 21 रन देकर तबाही मचाने का काम किया है. हम बात कर रहे हैं आईपीएल में पर्पल कैप जीत चुके गेंदबाज सोहेल तनवीर की. पाकिस्तान के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने आईपीएल के पहले सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेकर पर्पल कैप जीता था.

सोहेल तनवीर फिलहाल चर्चा में हैं, नेपाल प्रीमियर लीग में की अपनी घातक गेंदबाजी को लेकर. उन्होंने वहां 2 दिसंबर को खेले मुकाबले में खलबली मचा दी. मुकाबला काठमांडू गोरखाज और चितवान राइनोज के बीच था. इस मैच में तनवीर चितवान राइनोज का हिस्सा थे. मैच में काठमांडू गोरखाज पहले बैटिंग करने उतरी, जिस पर चितवान राइनोज के सोहेल तनवीर की गेंदों का कहर जमकर बरपा.

टॉप से लोअर ऑर्डर तक के विकेट उखाड़े, दिए 21 रन!

सोहेल तनवीर, काठमांडू गोरखाज के टॉप से लेकर लोअर ऑर्डर तक को अकेले ही बेहाल करते दिखे. उन्होंने 4 ओवर में 21 रन देकर 5 विकेट लिए, जिसमें से 2 विकेट चितवान राइनोज को टॉप ऑर्डर के रहे, 1 मिडिल ऑर्डर का और बाकी के 2 विकेट लोअर ऑर्डर के . इस तरह उनके आतंक से चितवान राइनोज की बल्लेबाजी का कोई भी क्रम बच नहीं सका.

चितवान राइनोज ने जीता मैच, तनवीर प्लेयर ऑफ द मैच बने

आईपीएल में पर्पल कैप विनर रहे सोहेल तनवीर ने नेपाल प्रीमियर लीग में जो घातक गेंदबाजी की, उसका असर ये हुआ कि काठमांडू गोरखाज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर सिर्फ 111 रन ही बना सकी. चितवान राइनोज के सामने अब 112 रन का लक्ष्य था, जिसे उसने 17 गेंद शेष रहते 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया. सोहेल तनवीर चितवान राइनोज की जीत के हीरो रहे. जीत के साथ खाता खोलकर चितवान राइनोज पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर आ गई है.

रोहित शर्मा को एडिलेड में ओपनिंग करनी चाहिए या नहीं, हरभजन सिंह ने दिया जवाब

मुंबई, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट एडिलेड में खेला जाएगा। इस मैच से पहले टीम इंडिया के सामने प्लेइंग इलेवन और खिलाड़ियों की पोजीशन को लेकर कन्फ्यूजन है। इस मैच के साथ नियमित कप्तान रोहित शर्मा भी वापसी कर रहे हैं, लेकिन उनका ओपनिंग करना तय नहीं है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनकी गैरमौजूदगी में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पर्थ टेस्ट में जोरदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड साझेदारी की थी।

कुछ लोगों का मानना है कि टीम को इस जोड़ी से छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। इस मुद्दे पर अब भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का बयान सामने आया है, जहां उन्होंने कहा है कि रोहित ही पारी का आगाज करते नजर आ सकते हैं। हरभजन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि रोहित पांचवें या छठे नंबर पर आएंगे। वह जायसवाल के साथ पारी का आगाज करेंगे और राहुल नंबर तीन पर आएंगे या वो तीसरे नंबर से बाद में बल्लेबाजी नहीं करेंगे।' हरभजन के मुताबिक रोहित के छठे नंबर पर बैटिंग करना टीम के हित में नहीं होगा।

इटैलियन लीग में फिओरेंटीना के बोवे बेहोश होकर गिरे

आईसीयू में दाखिल हैं इटली के 22 वर्षीय फुटबॉलर

फ्लोरेंस, 3 दिसंबर (एजेंसियां)।इटैलियन लीग सीरी ए के महत्वपूर्ण मुकाबले में फिओरेंटीना के मिडफील्डर एडोआर्डो बोवे इंटर मिलान के खिलाफ मैच के बीच में मैदान पर बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें बेहोशी की हालत में नजदीकी कारेगी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। वह गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में दाखिल हैं। 22 वर्षीय बोवे के मैदान पर गिरते ही उन्हें दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने घेर लिया और तत्काल मेडिकल सहायता मांगी। उन्हें प्राथमिक उपचार देते हुए स्ट्रेचर से मैदान के बाहर लाया गया और एंबुलेंस से अस्पताल में दाखिल कराया गया। यह घटना मैच के 16वें मिनट की है। इसके बाद मुकाबले को स्थगित कर दिया गया। अस्पताल के बाहर बोवे के समर्थक हाथ में, फ्लोरेंस आपके साथ है, कि तख्तियां लेकर एकत्र हो गए।

क्लब साथी, निदेशक अस्पताल पहुंचे

रिपोर्टों के मुताबिक ह्रदय और मस्तिष्क के किए गए पहले परीक्षणों में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र और कार्डियो श्वसन तंत्र की तीव्र क्षति से इन्कार किया गया है। उनका कुछ घंटों के बाद फिर परीक्षण किया जाएगा। बताया यह भी जा रहा है कि बोवे को एंबुलेंस में ही होश आ गया था और वह खुद से सांस ले रहे थे। बोवे के माता-पिता और उनकी महिला मित्र, फिओरेंटीना के कोच राफेएल पालादिनो और टीम के अन्य साथी फुटबालर अस्पताल पहुंच गए थे। इस दौरान क्लब के निदेशक और शहर के मेयर भी साथ में थे। फिओरेंटीना के अध्यक्ष रोको कमीसो ने कहा, बोवे के समर्थन के लिए वह लगातार उनके परिवार के संपर्क में हैं।

अप्रैल में एनडिका मैदान पर बेहोश हुए थे

खेल के 16वें मिनट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की सहायता के दौरान बोवे अपने जूते की डोरियां बांधने के लिए झुके और बेहोश होकर गिर पड़े। मैच रोके जाने के समय स्कोर 0-0 था। 2018 में फिओरेंटीना के पूर्व कप्तान डेविड आस्तोरी यूडीन के खिलाफ मैच से पहले होटल के कमरे में मृत पाए गए थे। यह इस वर्ष सीरी ए में मैदान पर किसी फुटबालर के बेहोश होने की दूसरी घटना है। अप्रैल में रोमा के डिफेंडर इवान एनडिका यूडीनीज के खिलाफ मैदान पर गिर पड़े थे। बोवे रोमा की यूथ अकादमी के उत्पाद हैं। वह लोन पर फिओरेंटीना आए थे। रोमा में बोवे के साथ खेलने वाले स्टार स्ट्राइकर रोमेलू लुकाकू ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं आपसे प्यार करता हूं, छोटे भाई, हम सब आपके साथ हैं।

बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु उदयपुर में रचाएंगी ब्याह

हैदराबाद के बिजनेसमैन से करेंगी शादी

उदयपुर, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। झीलों की नगरी उदयपुर अपनी खूबसूरती के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यह अब पर्यटन नगरी के नाम से ही नहीं बल्कि डेस्टिनेशन वेडिंग के नाम से भी अपनी पहचान बना रही है। लेकसिटी अब एक और शाही शादी की गवाह बनने जा रही है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाली है। हैदराबाद में रहने वाले वेंकट दत्ता साई के साथ 22 दिसंबर को उदयपुर में शादी करेंगी। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा।

सिंधु के पिता पीवी रमन ने कहा कि दोनों परिवार एक-दूसरे को जानते थे लेकिन एक महीने पहले ही सब कुछ तय हुआ था। एक महीने पहले ही विवाह तय हुआ था और परिवार चाहता था कि विवाह इसी महीने हो जाए क्योंकि सिंधु जनवरी से 2025 का व्यस्त सत्र शुरू करने वाली हैं। जनवरी से उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त हो जाएगा। इसलिए दोनों परिवारों ने 22 दिसंबर को विवाह समारोह आयोजित करने का फैसला किया। रिसेप्शन 24 दिसंबर को हैदराबाद में होगा।

झीलों की नगरी उदयपुर कई फिल्मी सितारों की शादी का गवाह बन चुकी है। यहां की झीलें, आलीशान होटल और महल सेलिब्रिटीज की पहली पसंद बने हुए है। आमिर खान की बेटी आयरा खान और नूपुर शिकरे ने भी उदयपुर में शादी की थी। वहीं राजनेता राघव चड्ढा और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा, हार्दिक पांड्या-नताशा स्टेनकोविक कई सेलेब्स की राजशाही ठाठ-बाट के साथ उदयपुर में शादी हुई है। जहां देश दुनिया के मेहमान इसका गवाह बने हैं।

प्रज्ञानंद, एरिगैसी समेत पांच भारतीय फिडे की शीर्ष प्रतियोगिता में भाग लेंगे

लुसाने, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने कहा कि आगामी 2024 फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज चैंपियनशिप में आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगैसी और आर वैशाली सहित भारत के पांच खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26-31 दिसंबर तक न्यूयॉर्क शहर में आयोजित की जाएगी। पहली बार इस टूर्नामेंट का उत्तरी अमेरिका में आयोजन हो रहा है।

इसमें कोनेरू हम्पी और द्रोणावल्ली हरिका भी भारतीय चुनौती को पेश करेंगी। फिडे ने इसे अब तक का सबसे मजबूत सत्र करार देते हुए कहा कि इसमें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। शीर्ष शतरंज संस्था ने 'एक्स' पर लिखा कि विश्व के तीसरे नंबर के अमेरिका के ग्रैंड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने भी टूर्नामेंट में भाग लेने की पुष्टि की है।

फिडे ने बताया, '26 से 31 दिसंबर तक दुनिया के 300 से ज़्यादा बेहतरीन खिलाड़ी न्यूयॉर्क शहर में 1.5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।'

इसमें भारत के शीर्ष खिलाड़ियों के अलावा, दुनिया भर के कुछ बड़े नामों में पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन, फैबियानो कारूआना, वेस्ले सो और लेवोन एरोनियन शामिल हैं।

यह आयोजन 26 से 28 दिसंबर तक रैपिड चैंपियनशिप के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 29 दिसंबर को एक दिन का विश्राम होगा। ब्लिट्ज चैंपियनशिप के मुकाबले 30 और 31 दिसंबर को खेले जायेंगे।

गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटे

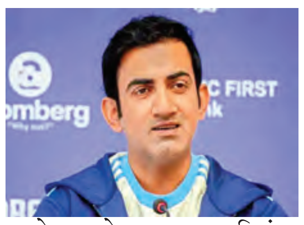

खेल डेस्क, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट एडिलेड में होना है। इस मैच के लिए टीम के साथ अब हेड कोच गौतम गंभीर भी जुड़ गए हैं। गंभीर व्यक्तिगत कारणों की वजह से पहले टेस्ट के बाद भारत लौट गए थे। गंभीर शनिवार और रविवार को प्रधानमंत्री इलेवन के खिलाफ खेले गए दो दिवसीय प्रैक्टिस मैच के दौरान मौजूद नहीं थे। वे 26 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया से भारत वापस आ गए थे। गंभीर की गैरमौजूदगी में कोचिंग स्टाफ अभिषेक नायर, रेयान टेन डोशेट और मोर्ने मोर्केल ने टीम के ट्रेनिंग और कैनबरा में दो दिवसीय मैच की देखरेख की। उन्हें अब एडिलेड टेस्ट से पहले ओपनिंग पर अहम फैसला लेना है, जहां नियमित कप्तान रोहित शर्मा को लेकर पेंच फंस गया है। पहले टेस्ट में नहीं खेलने वाले रोहित इस मैच के लिए टीम के साथ जुड़ गए हैं।

'उनकी वायरिंग बदलनी होगी' पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी को लेकर ये क्या बोल गए शोएब अख्तर?

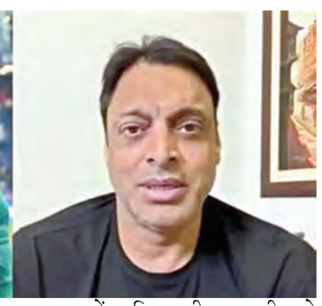

इस्लामाबाद, 3 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम पिछले एक साल से सभी फॉर्मेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। उनकी खराब फॉर्म का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने अपनी पिछली दस पारियों में एक भी फिफ्टी नहीं जड़ी है। इसकी वजह से वो आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप फाइव बल्लेबाजों की लिस्ट से भी बाहर हो गए हैं। इस साल उनका टेस्ट औसत 20 से कम है, जो हैरान करने वाला है। उनको अब पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज शोएब अख्तर से सलाह मिली है।

उन्होंने कहा, 'वह एक स्टार हैं और मैं उनका समर्थन करता हूं। लेकिन नई मैनेजमेंट और नई मानसिकता के साथ उन्हें अपनी न्यूरोलॉजिकल वायरिंग बदलनी होगी क्योंकि नया मैनेजमेंट उन पर टी-20 इंटरनेशनल और वनडे को लेकर विचार नहीं करेगा। बाबर के लिए चैम्पियंस ट्रॉफी वह समय और जगह है, जब उन्हें पाकिस्तान के लिए सबसे आगे रहना चाहिए। उन्हें इस टूर्नामेंट को डोमिनेट करना चाहिए और खुद को इस फॉर्मेट में साबित करने के लिए चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन मैच जिताने वाले शतक जड़ने की जरूरत है। अगर ऐसा नहीं होता है तो उनके लिए आगे की राह काफी मुश्किल हो जाएगी।'

बता दें कि टेस्ट की तरह ही वनडे मैचों में भी बाबर की औसत में कमी देखने को मिली है। बाबर ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी समेत कई आईसीसी टूर्नामेंट्स में ऐतिहासिक रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है। पारी को संभालने और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता अब तक उनके करियर की पहचान रही है। पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान ने उनके रहते सबसे बड़ी उपलब्धि 2017 में हासिल की, जब टीम ने फाइनल में भारत को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी का पिछला एडीशन जीता था। बाबर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे में वापसी की, जहां पाकिस्तान ने पिछले महीने तीन टी-20 और इतने ही वनडे मैच खेले थे। बाबर का बल्ला यहां भी नहीं चला और उनका संघर्ष जारी रहा। उन्होंने तीन टी-20 मैचों में सिर्फ 47 रन बनाए और वनडे सीरीज में 80 रन बनाए। कई अनुभवी क्रिकेटरों की ओर से बाबर को घरेलू क्रिकेट में खेलने की सलाह के बीच अख्तर ने उन्हें चेतावनी दी कि चूंकि पाकिस्तान के पास अकीब जावेद के रूप में नया लिमिटेड फॉर्मेट का कोच है।

श्रीकांत के सपने को साकार करेंगे : पोन्नम

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के शहीद श्रीकांत चारी की आकांक्षाओं के अनुसार काम कर रही है। यहां मंगलवार को बशीरबाग प्रेस क्लब में श्रीकांत चारी की पुण्यतिथि के अवसर पर युवा दिवस सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना सरकार श्रीकांत चारी के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, श्रीकांत चारी सिर्फ़ शहीद ही नहीं थे, बल्कि प्रेरणा के प्रतीक थे, जिन्होंने अपने अंतिम क्षणों में भी तेलंगाना की भावना को फिर से जगाया। पोन्नम प्रभाकर ने उन लोगों की आलोचना की, जो अनुचित श्रेय लेकर आंदोलन की विरासत को कमज़ोर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, तेलंगाना का गठन कई लोगों के अथक प्रयासों का नतीजा था। यहां तक कि सोनिया गांधी (जो इस मुद्दे से गहराई से जुड़ी थीं) ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। पोन्नम प्रभाकर ने आंदोलन के दौरान झेली गई कठिनाइयों पर भी बात की, जिसमें आरटीसी और सिंगरेनी कर्मचारियों द्वारा लंबे समय तक हड़ताल करना शामिल था, जिससे दक्षिण भारत की बिजली आपूर्ति बाधित हुई। उन्होंने याद किया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी के प्रतिरोध के बावजूद, कार्यकर्ता डटे रहे, यहां तक कि राष्ट्रपति के अभिभाषण को रोककर और संसद की सीढ़ियों पर 48 घंटे का विरोध प्रदर्शन करके इतिहास रच दिया।

तेलंगाना के शहीदों के बलिदान का अपमान करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया टिप्पणियों की निंदा करते हुए पोन्नम ने कहा, विभाजन की तुलना बच्चे को बचाने के लिए मां की हत्या से करने वाले बयान शर्मनाक हैं।

तेलंगाना के निर्माण में उचित विधायी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उन्होंने किशन रेड्डी जैसे भाजपा नेताओं से इन टिप्पणियों के लिए माफी मांगने का आग्रह किया।

सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पोन्नम प्रभाकर ने कहा, हमने गुरुकुल के छात्रों के भत्ते में 40 प्रतिशत की वृद्धि की है, शिक्षकों की भर्ती की है, पदोन्नति की पेशकश की है और ग्रुप 1, 2 और 3 की नौकरियों के लिए परीक्षा आयोजित की है। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य की उपलब्धि में शहीदों का बलिदान अविस्मरणीय है और तेलंगाना राज्य का गठन श्रीकांत चारी जैसे कई लोगों के बलिदान की नींव पर हुआ था। बैठक में एमएलसी प्रोफेसर कोदंडारम और विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव भी मौजूद थे।

दोनों छात्रों की मौत को लेकर तनाव

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को बचुपल्ली और घाटकेसर स्थित दो निजी जूनियर कॉलेजों में हल्का तनाव व्याप्त हो गया, जहां दो इंटरमीडिएट छात्रों की मौत के विरोध में उनके परिजनों और छात्र समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इन छात्रों ने सोमवार को कथित तौर पर कॉलेज स्टाफ और प्रबंधन के दबाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। बचुपल्ली के निजामपेट में कॉलेज हॉस्टल में द्वितीय वर्ष की इंटरमीडिएट छात्रा प्रज्ञा रेड्डी की आत्महत्या के बाद, कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कॉलेज परिसर में एकत्र हुए। उन्होंने सरकार की निष्क्रियता की आलोचना की, जबकि कई छात्र कॉलेजों द्वारा उत्पीड़न के कारण अपनी जान दे रहे हैं। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी इन मौतों पर प्रतिक्रिया दें। दूसरी ओर, पोचारम आईटी कॉरिडोर के अन्नोजीगुडा में कॉलेज परिसर में विरोध प्रदर्शन किया गया, जहां प्रथम वर्ष के इंटरमीडिएट छात्र एन तनिश नायक ने लेक्चरर द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण बाथरूम में आत्महत्या कर ली।

तेलंगाना के 12 शहर अमृत योजना के अंतर्गत शामिल : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) 25 जून 2015 को देश भर के 500 शहरों (एल5 विलय वाले शहरों सहित 485 शहर) और कस्बों में लॉन्च किया गया था। तेलंगाना राज्य में, 12 शहर अमृत के अंतर्गत आते हैं, अर्थात् आदिलाबाद, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी), करीमनगर, खम्मम, महबूबनगर, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, निज़ामाबाद, रामागुंडम, सिद्दीपेट, सूर्यापेट और वारंगल है। राज्य सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, अमृत के तहत 66 परियोजनाएं शुरू की गईं, जिनमें 1,424.09 करोड़ रुपये की 27 जलापूर्ति परियोजनाएं, 203.3 करोड़ रुपये की चार सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाएं और 35.69 करोड़ रुपये की 35 हरित स्थान और पार्क परियोजनाएं शामिल हैं। परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। अमृत के तहत 4,336.54 किलोमीटर लंबी जल पाइपलाइन और 278.53 किलोमीटर लंबी सीवर पाइपलाइन बिछाई गई है, अमृत और कन्वर्जेंस के तहत 5.54 लाख जल नल कनेक्शन और 0.87 लाख सीवर कनेक्शन दिए गए हैं। इसके अलावा 18.25 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी लगाया गया है। (एसटीपी) क्षमता और 442.45 एकड़ हरित स्थान क्षेत्र तेलंगाना राज्य में अमृत के तहत विकसित किया गया है। इन परियोजनाओं के लिए 1,663.08 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई, जिसमें 832.6 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता (सीए) शामिल है। राज्य ने अमृत के तहत जारी 831.52 करोड़ रुपये के मुकाबले 806.21 करोड़ रुपये का उपयोग प्रस्तुत किया है। यह जानकारी आवास एवं शहरी कार्य मंत्री द्वारा दी गई। शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने आज राज्य सभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

अडिकमेट पुल को 24 घंटे खुला रखेगा ओयू

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य द्वार बंद करने का समय रात 8 बजे से बढ़ाकर 9 बजे करने के बाद, उस्मानिया विश्वविद्यालय ने भारी, परिवहन और वाणिज्यिक वाहनों को विश्वविद्यालय के मुख्य मार्ग में प्रवेश करने से प्रतिबंधित करने के अलावा, अडिकमेट पुल से सटे अपने द्वार को चौबीसों घंटे खुला रखने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, जिनमें ओयू डिस्टेंस एजुकेशन (पीजीआरआरसीडीई), क्षेत्रीय शहरी और पर्यावरण अध्ययन संस्थान (आरसीयूईएस), प्रवेश निदेशालय, एनजीओ होम, संस्कृत अकादमी, ईएमआरसी संस्थान और अन्य शामिल हैं, के कर्मचारियों और छात्रों के प्रवेश की सुविधा के लिए गेट को 24/7 खोलने का निर्णय लिया गया है।

मंगलवार को समीक्षा बैठक में प्रो. कुमार मोलुगरम ने सुरक्षाकर्मियों को गेट खोलने के निर्देश दिए, जिस पर वाहनों के प्रवेश और निकास के लिए समय सीमा तय है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि छात्र शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। ओयू सुरक्षा कर्मियों को छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण, गश्त और रात्रि गश्त करने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने और स्थिति के आधार पर उचित कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है।

प्रो. कुमार ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विशेष देखभाल के महत्व पर बल दिया तथा इन उपायों को बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय के सभी सदस्यों से सहयोग का आह्वान किया। बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा उठाए गए सुझावों और चिंताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए और तदनुसार उचित कार्रवाई लागू की जानी चाहिए।

ईएमई सेंटर में अग्निवीर की पासिंग आउट परेड

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 1 ईएमई सेंटर, सिकंदराबाद में अग्निवीर बैच-04/24 की पासिंग आउट परेड पूरी पारंपरिक सैन्य पोशाक के साथ आयोजित की गई। 1 ईएमई सेंटर में 31 सप्ताह के बेसिक और एडवांस मिलिट्री ट्रेनिंग को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद 592 अग्निवीर पास आउट हुए। परेड की समीक्षा 1 ईएमई सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर प्रशांत बाजपेयी ने की। कमांडेंट ने अग्निवीरों की कड़ी मेहनत और सफलतापूर्वक अपना सैन्य और तकनीकी प्रशिक्षण पूरा करने के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने उन्हें राष्ट्र की सुरक्षा, सम्मान और अखंडता को बनाए रखने के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ खुद को समर्पित करने के लिए भी प्रेरित किया। शारीरिक फिटनेस, अकादमिक, ड्रिल और फायरिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्कृष्ट अग्निवीरों को कमांडेंट द्वारा पदक से सम्मानित किया गया। एवी रुस्तम कुमार मौर्य को ड्रिल/परेड कमांडर में सर्वश्रेष्ठ चुना गया और एवी अभिषेक रावत को समग्र सर्वश्रेष्ठ अग्निवीर से सम्मानित किया गया। ईएमई कोर के अग्निवीरों को बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, सैन्य वाहनों, दूरसंचार उपकरणों और प्रशीतन उपकरणों में तकनीकी विशेषज्ञ बनने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। 1 ईएमई केंद्र से पास आउट होने के बाद अग्निवीर फील्ड आर्मी इकाइयों को रिपोर्ट करेंगे। पीओपी में 1 ईएमई केंद्र के प्रशिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशिक्षुओं के अलावा पूरे भारत से आए अग्निवीरों के लगभग 952 गौरवान्वित माता-पिता और रिश्तेदारों ने भाग लिया।

पीजेटीएसएयू ने मनाया कृषि शिक्षा दिवस

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू) कृषि महाविद्यालय, राजेंद्रनगर ने मंगलवार को यहां कृषि शिक्षा दिवस को भव्य तरीके से मनाया। यह कार्यक्रम भारत के प्रथम राष्ट्रपति और कृषि मंत्री डॉ. बाबू राजेंद्र प्रसाद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में भाग लेते हुए अनुसंधान निदेशक एवं पीजी अध्ययन डीन डॉ. रघुरामी रेड्डी ने कृषि के महत्व पर जोर दिया और छात्रों को छोटी उम्र से ही इसमें रुचि विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में स्नातकोत्तर छात्रों और पीएचडी विद्वानों द्वारा लगाए गए स्टॉल शामिल थे। स्कूली छात्रों के लिए वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। 27 स्कूलों के 2,000 से अधिक छात्रों ने स्टॉल और कृषि क्षेत्रों का दौरा किया और कृषि के विभिन्न पहलुओं में गहरी रुचि दिखाई। इस कार्यक्रम में पीजेटीएसएयू के रजिस्ट्रार डी. शिवाजी, कृषि महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, एसोसिएट डीन डॉ. नरेंद्र रेड्डी, ओएसए डॉ. प्रशांत, यूजी, पीजी और पीएचडी के छात्र और संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया।

पर्सनल लोन के चक्कर में युवक ने गवां दिए 2.10 लाख

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक वित्तीय संस्थान के माध्यम से व्यक्तिगत ऋण लेने का प्रयास कर रहे 51 वर्षीय व्यक्ति को साइबर जालसाजों ने 2.10 लाख रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस के अनुसार, व्यक्ति ने पर्सनल लोन के लिए आवेदन किया था और आखिरकार उसे व्हाट्सएप पर एक अज्ञात व्यक्ति से कॉल आया जिसने खुद को 'रिलायंस कैपिटल' का कार्यकारी बताया। इसके बाद कॉल करने वाले ने आधार, पैन कार्ड और बैंक स्टेटमेंट की जानकारी ली। कुछ समय बाद, कार्यकारी ने व्यक्ति को एक पत्र भेजा जिसमें बताया गया कि वह लोन के लिए पात्र है। साइबर क्राइम पुलिस ने बताया कि अलग-अलग शुल्क के बहाने ऑनलाइन मोड के जरिए कार्यकारी ने पीड़ित से 2,10,559 रुपये वसूल लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

तिरुमलगिरी फुटबॉल ग्राउंड पर कांग्रेस की अधिसूचना पर बीआरएस नाराज

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस प्रवक्ता कृष्णक मन्ने ने कांग्रेस सरकार की भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना पर कड़ी चिंता व्यक्त की है, जो प्रतिष्ठित तिरुमलगिरी फुटबॉल ग्राउंड को खतरे में डालती है। ओलंपियन पीटर थंगराज, डी कन्नन, टी बलरामन और पूर्व भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान विक्टर अमलराज के मैदान के रूप में जाना जाने वाला यह मैदान भारतीय फुटबॉल का गढ़ रहा है। इतिहास का हवाला देते हुए कृष्णक ने बताया कि 16 जून 1981 को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस मैदान को खेल का मैदान घोषित किया था, जिसमें स्पष्ट रूप से किसी भी निर्माण पर रोक लगाई गई थी।

2018 में, जब सेना ने खेल और नागरिक प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया, तो स्थानीय लोगों ने जिनमें वे स्वयं भी शामिल थे, विरोध किया और सफलतापूर्वक आदेश को रद्द करवा लिया। हालांकि, कांग्रेस सरकार की अधिसूचना अब इस ऐतिहासिक मैदान के 3051 वर्ग गज, यानी इसके लगभग आधे क्षेत्र को सड़क चौड़ीकरण के लिए छीनने की धमकी दे रही है।

यह निर्णय हाल ही में हुई कैंटोनमेंट बोर्ड की बैठक के विपरीत है, जिसमें भाजपा सांसद और कांग्रेस विधायक ने सड़क की चौड़ाई कम करने पर सहमति जताई थी। कृष्णक ने इन समझौतों के बावजूद 200 फुट चौड़ी सड़क को अधिसूचित करने के कांग्रेस सरकार के फैसले पर सवाल उठाया और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मैदान की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक विकल्पों पर विचार करने का आग्रह किया। सीएम खुद को खिलाड़ी बताते हैं और उन्होंने कई बार फुटबॉल के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है। कृष्णक ने पूछा, क्या वह मौजूदा खेल के मैदानों के साथ ऐसा ही व्यवहार करना चाहते हैं और खिलाड़ियों को बेसहारा छोड़ना चाहते हैं?

यह मैदान युवाओं में फुटबॉल के प्रति प्रेरणा और प्रोत्साहन देता है। इसकी विरासत को संरक्षित करना और भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने इस खेल स्थल की सुरक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

सबरीमलाई के लिये स्पेशल ट्रेनें चला रहा है दमरे

ट्रेन में कपूर व अगरबत्ती जलाना खतरनाक

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सभी तीर्थयात्रियों के लाभ के लिए कई सबरीमलाई स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। ये स्पेशल ट्रेनें पूरे जोन में फैले विभिन्न स्टेशनों से चलाई जा रही हैं (जैसे सिकंदराबाद, हैदराबाद, काचीगुडा, काकीनाडा, तिरुपति, नांदेड़, आदि) और रास्ते में कई स्टेशनों पर रुकेंगी। इस संबंध में, रेलवे रेल यात्रियों से ट्रेन यात्रा को सुरक्षित बनाने में सहयोग करने का आग्रह करता है और रेल उपयोगकर्ताओं से अपील करता है कि वे ट्रेन में कपूर न जलाएं। यह देखा गया है कि तीर्थयात्री ट्रेन के डिब्बों के अंदर कपूर जलाते हैं, पूजा के रूप में आरती करते हैं और माचिस/अगरबत्ती आदि जलाते हैं।

ट्रेनों या अन्य रेलवे परिसरों में किसी भी रूप में ज्वलनशील पदार्थ ले जाना और आग जलाना सख्त वर्जित है क्योंकि ऐसे कार्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और आग लगने का खतरा पैदा कर सकते हैं जिससे मानव जीवन और रेलवे संपत्ति को भी खतरा हो सकता है। ये गतिविधियां रेलवे अधिनियम-1989 की धारा 67, 154, 164 और 165 के तहत दंडनीय अपराध हैं, जिसके लिए अपराधी को तीन साल तक की कैद या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है, इसके अलावा नुकसान/चोट या क्षति के लिए भी उत्तरदायी होगा। सुरक्षा के हित में ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और वाणिज्यिक विभाग के कर्मियों द्वारा एससीआर में गहन जांच की जा रही है। सभी रेल यात्रियों के लिए ट्रेन यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए तीर्थयात्रियों/रेल यात्रियों का सहयोग अपेक्षित है।

क्लिनिक पर डीसीए का छापा

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के औषधि नियंत्रण प्रशासन की निरीक्षण टीमों ने मेडचल-मलकजगिरी जिले के उप्पल खालसा गांव के बीरप्पागड्डा में एक झोलाछाप बनोथु श्रीनु द्वारा संचालित एक स्वास्थ्य सुविधा पर छापा मारा और बिक्री के लिए अवैध रूप से भंडारित दवाओं को जब्त कर लिया। बनोथु श्रीनू बिना एमबीबीएस की उचित योग्यता के अंजलि क्लिनिक नामक अपनी स्वास्थ्य सेवा सुविधा में चिकित्सा का अभ्यास कर रहे थे। छापेमारी के दौरान, डीसीए की टीमों ने 20,500 रुपये की 17 किस्म की दवाइयां जब्त कीं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एंटीफंगल दवाएं, एनाल्जेसिक आदि शामिल हैं।

क्लिनिक में सेफ्ट्रिएक्सोन, एमोक्सिसिलिन जैसे कई एंटीबायोटिक्स और डेक्सामेथासोन जैसे स्टेरॉयड भी पाए गए। महानिदेशक, डीसीए, वीबी कमलसन रेड्डी ने कहा कि आम जनता आवासीय, वाणिज्यिक या औद्योगिक क्षेत्रों में मादक दवाओं और मनोवैज्ञानिक पदार्थों सहित दवाओं से संबंधित संदिग्ध विनिर्माण गतिविधि की रिपोर्ट कर सकती है, साथ ही दवाओं से संबंधित अवैध गतिविधियों के बारे में कोई भी अन्य शिकायत हमें 1800-599-6969 पर कॉल करके कर सकती है, जो सभी कार्य दिवसों में सुबह 10.30 बजे से शाम 5 बजे तक चालू है।

हयातनगर में एक व्यक्ति की हत्या

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके हयातनगर में भाग्यलता कॉलोनी में मंगलवार को अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित, व्यवसायी काशी राव (38) पर उसके कार्यालय में गर्दन पर धारदार हथियार से हमला किया गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जांचकर्ताओं को संदेह है कि पीड़ित की हत्या उसके परिचित लोगों ने की है जो उसके कार्यालय में आए थे। हत्या का कारण पुरानी दुश्मनी होने का संदेह है।

स्थानीय निवासियों ने शव को देखा और पुलिस को सूचित किया। क्लूज टीम और डॉग स्कायड ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए। हत्यारों की पहचान करने और उन्हें जल्द से जल्द पकड़ने के लिए सीसीटीवी कैमरों से फुटेज की जांच की जा रही है। हयातनगर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पीड़िता के शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में भेज दिया है।

तीन कुख्यात चोर गिरफ्तार, 50 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली पुलिस ने सीसीएस बालानगर जोन के सहयोग से तीन घर में सेंधमारी करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करके 200 से अधिक कैमरों का विश्लेषण करके 50 लाख मूल्य के चोरी के सामान से जुड़े संपत्ति अपराधों का पता लगाया। पुलिस के अनुसार कामानी मधुसूदन राव निवासी, श्री सीता पैलेस, जयनगर, कुकटपल्ली में रहने वाले एक व्यवसायी ने शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता कामानी मधुसूदन राव ने अपनी बड़ी बेटी के साथ रहने के लिए मियापुर चले गए, जिसने हाल ही में एक बच्चे को जन्म दिया था। 29 नवंबर को सुबह 8:00 बजे, शिकायतकर्ता के ड्राइवर ने उन्हें सूचित किया कि अपार्टमेंट के चौकीदार ने घर का दरवाजा खुला देखा। वापस लौटने पर, शिकायतकर्ता ने पाया कि ताला टूटा हुआ है, शयनकक्ष में तोड़फोड़ की गई है और चोरी हुई है। पुलिस ने इस मामले में सम्पांगी लक्ष्मण, निवासी विवेकानन्द नगर, कुकटपल्ली, गुम्मडी नागा शंकर, निवासी पपरायुडु नगर, कुकटपल्ली, गुम्मडी मुरली, निवासी पपरायुडु नगर, कुकटपल्ली को गिरफ्तार किया है। डीसीपी, बालानगर जोन के. सुरेश कुमार ने बताया कि आरोपी व्यक्ति संपांगी लक्ष्मण और गुम्माडी मुरली कुकटपल्ली के विवेकानंद नगर कॉलोनी में प्रकाश इंजीनियरिंग कार्यालय में ड्राइवर के रूप में कार्यरत थे। वे शिकायतकर्ता के व्यापारिक साझेदारों से भी घनिष्ठ रूप से परिचित थे। अन्य आरोपी गुम्माडी नागा शंकर, गुम्माडी मुरली का बेटा है, जो अपराध में शामिल था। आरोपियों को पता चला कि शिकायतकर्ता का परिवार मियापुर में अपनी बेटी के घर पर रह रहा है और उन्होंने शिकायतकर्ता के घर पर चोरी करने की साजिश रची। आरोपियों ने योजना के अनुसार शिकायतकर्ता के बंद घर पर पहुंचे।

उनके पास ताला तोड़ने के लिए लोहे की छड़ सहित कई औजार थे। आस-पास की टोह लेने के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई तो नहीं है, उन्होंने मुख्य दरवाजे का सेंट्रल लॉक तोड़ा और घर में घुस गए। इसके बाद आरोपी बेडरूम में चले गए, जहां उन्होंने अलमारी खोली और सोने के आभूषण 80 तोले, जिसमें हार, चूड़ियां, अंगूठियां, नकद 2 लाख रुपये चुरा लिया।

ठंड के बाद मानसून की अवधि बढ़ने की संभावना

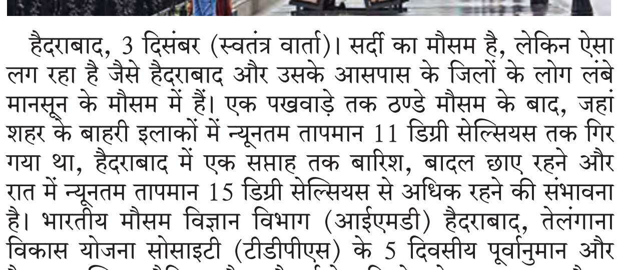

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सर्दी का मौसम है, लेकिन ऐसा लग रहा है जैसे हैदराबाद और उसके आसपास के जिलों के लोग लंबे मानसून के मौसम में हैं। एक पखवाड़े तक ठण्डे मौसम के बाद, जहां शहर के बाहरी इलाकों में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, हैदराबाद में एक सप्ताह तक बारिश, बादल छाए रहने और रात में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) हैदराबाद, तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीडीपीएस) के 5 दिवसीय पूर्वानुमान और हैदराबाद स्थित शौकिया मौसम ट्रैकर्स के दृष्टिकोण के आधार पर, मौसम का पैटर्न एक और सप्ताह तक ऐसा ही बना रहेगा। एक हफ़्ते पहले तेलंगाना के उत्तरी इलाकों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता था। लेकिन अब, लगभग सभी जगहों पर, रात और सुबह का न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस और 22 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, यह जानकारी आईएमडी-हैदराबाद के आंकड़ों से मिलती है। आईएमडी-हैदराबाद के पांच दिवसीय पूर्वानुमान में कहा गया है कि तेलंगाना राज्य के लगभग सभी क्षेत्रों में हल्की से मध्यम गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

साइबराबाद पुलिस ने अपराध नियंत्रण उपायों को मजबूत किया

मेडचल डीसीपी कार्यालय में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित

हैदराबाद, 3 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने मेडचल डीसीपी कार्यालय में चल रहे मामलों का आकलन करने और मेडचल क्षेत्र में अपराध की रोकथाम को बढ़ाने के लिए एक अपराध समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। आयुक्त ने धारा 174 के मामलों में तेजी लाने, जांच के तहत लंबित (यूआई) मामलों, पोक्सो अधिनियम को लागू करने और गिरोह अपहरण, हत्या, छीना-झपटी और धोखाधड़ी से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों, विशेष रूप से अपहरण और गुमशुदा व्यक्तियों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। साइबर अपराधों में वृद्धि को संबोधित करते हुए, आयुक्त ने सार्वजनिक सतर्कता का आग्रह किया और डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए जागरूकता अभियान पर जोर दिया।

उन्होंने साक्ष्य संग्रह के लिए सीसीटीवी फुटेज का उपयोग करने और संपत्ति अपराधों, जालसाजी और एनडीपीएस (नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस) मामलों में सजा दरों में सुधार के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेष ऑपरेशन टीम (एसओटी) और अपराध नियंत्रण स्टेशन (सीसीएस) के प्रदर्शन की समीक्षा की गई, जिसमें गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) को हल करने और पीडी अधिनियम के तहत बार-बार अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

अधिकारियों को समय पर आरोप पत्र दाखिल करने के लिए न्यायिक अधिकारियों के साथ समन्वय में सुधार करने का भी निर्देश दिया गया। प्रतिभागियों में मेडचल डीसीपी के. कोटि रेड्डी, डीसीपी अपराध के. नरसिम्हा, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू डीसीपी सृजना कर्णम, साइबर अपराध डीसीपी श्रीबालादेवी, एसओटी डीसीपी श्रीनिवास, मेडचल एडीसीपी पुरुषोत्तम, एसओटी एडीसीपी शोभन कुमार, एसबी एडीसीपी एम. फजलुर रहमान, मेडचल एसीपी बी. श्रीनिवास रेड्डी, पेटबशीराबाद एसीपी के. रामुलु, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू एसीपी प्रसन्ना कुमार, सीसीएस एसीपी कलिंग राव, साथ ही मेडचल जोन के एसएचओ, एसआई और अन्य पुलिस कर्मचारी शामिल थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.